●वर्ष : 16 ●अंक : 203 ●मूल्य : 02 रूपया मात्र पृष्ठ : 08 RNI No. DELHIN/2008/23928

दैनिक लोकतंत्र की शान
लोकतंत्र का स्तंभ

दिल्ली से प्रकाशित | गुरुवार 14 नवम्बर 2024

Mfg & mkt by.. ANGEN PHARMACEUTICALS (OPC) PRIVATE LIMITED

Distributorship ke liye contact Karen .
(9315755133 / ya email Karen)
angenpharmaceuticals@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

सम्पत्तियों को ढहाने के मामले में याचिकाओं पर उच्चतम न्यायालय का फैसला बुधवार को

नूना न्यूज एजेंसी।

दिल्ली। उच्चतम न्यायालय देश में संपत्तियों को ढहाने के मामले में दिशानिर्देश तैयार करने के अनुरोध वाली याचिकाओं पर बुधवार को अपना फैसला सुनाएगा। न्यायमूर्ति बी आर गवई के नेतृत्व वाली पीठ ने एक अक्टूबर को फैसला सुरक्षित रख लिया था। उच्चतम न्यायालय ने कहा था कि वह संपत्तियों को ढहाने के मामले में देशभर में लागू होने वाले दिशानिर्देश जारी करेगा और स्पष्ट किया था कि सड़क के बीच में स्थित किसी भी धार्मिक ढांचे, चाहे वह दरगाह हो या मंदिर, को हटाना होगा क्योंकि सार्वजनिक हित सर्वोपरि है। न्यायालय ने कहा था कि किसी व्यक्ति का महज आरोपी या दोषी होना संपत्ति को ढहाने का आधार नहीं हो सकता। विभिन्न याचिकाओं में आरोप लगाया गया था कि कई राज्यों में अपराध के आरोपियों की संपत्ति समेत अन्य संपत्तियां ध्वस्त की जा रही हैं। पीठ ने कहा था, हम जो कुछ भी निर्धारित कर रहे हैं, हम एक धर्मनिरपेक्ष देश हैं। हम इसे सभी नागरिकों, सभी संस्थानों के लिए निर्धारित कर रहे हैं, किसी विशेष समुदाय के लिए नहीं। शीर्ष अदालत जमीयत उलेमा-ए-हिंद और अन्य द्वारा दायर याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें विभिन्न राज्य सरकारों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश देने का अनुरोध किया गया था कि दंगों और हिंसा के मामलों के आरोपियों की संपत्तियों को अब ध्वस्त नहीं किया जाए।

देवघर में कांग्रेस पर बरसे पीएम मोदी

झारखंड की पहचान बदलने की हो रही है साजिश

नूना न्यूज एजेंसी।

झारखंड। में जहां एक ओर पहले दौर की वोटिंग हो रही है। वहीं, पीएम मोदी ने देवघर जिले के सारथ में एक सार्वजनिक रैली को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि नेमान पर्व की आप सभी को बहुत-बहुत शुभकामनाएं। 2 दिन बाद ही हम धरती आबा बिरसा मुंडा की 150वीं जन्मजयंती का उत्सव मनाने का रहे हैं। ये उत्सव हिंदुस्तान के हर कोने में मनाया जाएगा और उससे पहले लोकतंत्र के इस उत्सव में आपने भी पुराने सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। हर तरफ एक ही गूंज हैः रोटी-बेटी-माटी की पुकार, झारखंड में भाजपा-NDA सरकार। मोदी ने कहा कि आज झारखंड में पहले चरण का मतदान हो रहा है। रोटी-बेटी और माटी को बचाने का संकल्प आज हर बूथ पर दिख रहा है। भाजपा ने नारीशक्ति और नौजवानों के भविष्य के लिए जो गारंटियां दी हैं, उनके प्रति भारी समर्थन दिख रहा है। उन्होंने कहा कि संथाल का ये क्षेत्र भी इस बार नया इतिहास रचने के लिए तैयार है। संथाल में इस बार JMM-कांग्रेस का सूपड़ा साफ होना तय है। नरेंद्र मोदी ने कहा कि मैं बीते दिनों झारखंड में जहां भी गया, हर जगह विदेशियों की घुसपैठ को लेकर सबसे बड़ी चिंता रही है। झारखंडी गौरव और झारखंड की पहचान, आप सबकी ताकत रही है। अगर ये पहचान ही खत्म हो गई तो क्या होगा? पीएम ने कहा कि आंकड़े बताते हैं कि संथाल क्षेत्र में आदिवासियों की संख्या करीब-करीब आधी रह गई है। उन्होंने कहा कि अगर ऐसे ही आदिवासी घटते रहे तो क्या होगा? आपके जल-जंगल और जमीन पर दूसरों का कब्जा हो जाएगा। हमें इस स्थिति से मेरे आदिवासी परिवारों को भी बचाना है और झारखंड को भी बचाना है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि आज झारखंड की पहचान बदलने की बहुत बड़ी साजिश हो रही है। JMM-कांग्रेस सरकार में बाहर से आए घुसपैठियों को यहां का परमानेंट निवासी बनाने के लिए हर गलत काम किए गए। नरेंद्र मोदी ने कहा कि इन घुसपैठियों के लिए रातों-रात पक्के कागज बनाए गए। आदिवासी बेटियों को शादी के नाम पर ठगा गया और उनकी जमीन हथिया ली गई। इन घुसपैठियों ने आपसे आपका रोजगार छीन लिया और आपकी रोटी भी छीन ली। लेकिन यहां की सरकार का रवैया देखिए। JMM सरकार ने कोर्ट में कह दिया कि झारखंड में कोई घुसपैठ हुई ही नहीं है। उन्होंने कहा कि यहां स्थानीय निवासियों को पानी तक मिलना मुश्किल हो गया है। इसलिए इस चुनाव में रोटी-बेटी-माटी की सुरक्षा सबसे बड़ा और महत्वपूर्ण मुद्दा है। मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि भाजपा-NDA की सरकार संथाल की और झारखंड की रोटी-बेटी-माटी की सुरक्षा से कोई खिलवाड़ नहीं होने देगी। भाजपा नेता ने कहा कि कांग्रेस के इरादे बहुत खतरनाक हैं। कांग्रेस के शहजादे ने साफ कर दिया है कि वो SC/ST/OBC आरक्षण को खत्म करना चाहते हैं। इनके पिताजी जब कांग्रेस के सर्वेसर्वा थे, तभी उन्होंने आरक्षण हटाने का ऐलान कर दिया था। लेकिन SC/ST/OBC की एकजुटता के कारण वे तब बुरी तरह चुनाव हार गए। तब से आज तक कांग्रेस को कभी भी केंद्र सरकार में पूर्ण बहुमत नहीं मिला। आज भी जिन राज्यों में रउ/रळ/डइउ की आबादी ज्यादा है, वहां कांग्रेस का पत्ता साफ हो चुका है। इसलिए कांग्रेस ने एक नई

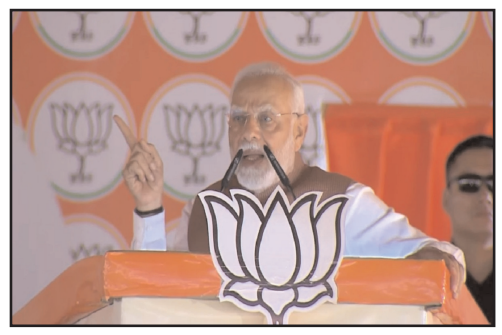

साजिश रची है। कांग्रेस ने आपकी आंखों में धूल झोंकने का एक नया खेल खेला है। ये लोग SC/ST/OBC की सामूहिक शक्ति को तोड़ना चाहते हैं, उसे टुकड़े-टुकड़े करना चाहते हैं। पीएम ने कहा कि मैं आपको सावधान करने आया हूं, आपको जगाने आया हूं। आपको ज्यादा सावधान रहना है और याद रखना है कि एक हैं तो सेफ हैं। उन्होंने कहा कि खटट हो, कांग्रेस हो, RJD हो, इन लोगों को सिर्फ अपने परिवार के भविष्य की चिंता है। ये इसी तिकड़म में लगे रहते हैं कि इनके परिवार का भला कैसे होगा। लेकिन मोदी को आपके परिवार की चिंता है, आप ही मेरा परिवार हैं। मोदी ने कहा कि JMM-कांग्रेस ने आपका जल लूटा, जंगल लूटा, जमीन लूटी, बालू-गिट्टी लूटा, कोयला लूटा। इन्होंने आपके बच्चों का पेपर लूटा, इन्होंने आपकी सरकारी नौकरी आपसे लूटकर अपने चहेतों को दे दी। जो लूटा गया, वो सब कुछ आपके हक का था, आपका था। इन्होंने अपने भविष्य के लिए आपके बच्चों के भविष्य को बर्बाद कर दिया, लेकिन मोदी आपके परिवार का भविष्य संवारने में जुटा हुआ है।

ज्वलंत मुद्दा

सम्पादकीय

गंगा का मैल सख्ती व जवाबदेही से ही दूर होगा

गंगा की सफाई, उसे प्रदूषण मुक्त करने एवं नदियों के माध्यम से आर्थिक विकास, धार्मिक आस्था एवं पर्यटन की संभावनाओं को तलाशने की दृष्टि से वर्तमान उत्तरप्रदेश सरकार एवं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के तमाम प्रयासों के बावजूद गंगा आज भी मैली क्यों है? यह सवाल सरकार के नदियों को स्वच्छ बनाने के लिए लंबे समय से चल रही तमाम योजनाओं और कार्यक्रमों की पोल खोलते हैं। सरकार की ओर से घोषणाएं करने में शायद ही कभी कमी की जाती है, मगर उन पर अमल को लेकर कहां चूक या लापरवाही बरती जा रही है, इस पर गौर करना कभी जरूरी नहीं समझा जाता। यह गौर करना राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण की उस टिप्पणी के कारण भी जरूरी हो गया है, जिसमें कहा गया है कि प्रयागराज में गंगा का पानी इतना प्रदूषित हो गया है कि वह आचमन करने लायक भी नहीं रह गया है। एनजीटी का यह खुलासा इसलिये भी चिंता बढ़ाने वाला है क्योंकि कुछ ही माह बाद यानी जनवरी 2025 की पौष पूर्णिमा से प्रयागराज में महाकुंभ की शुरूआत होने वाली है। कुंभ मेले की तैयारियां अंतिम चरण में हैं और अखाड़ों की सक्रियता बढ़ गई है। महाकुंभ को लेकर देश ही नहीं विदेश में भी खूब चर्चा होती है। यदि गंगाजल की गुणवत्ता को लेकर ऐसे ही सवाल उठते रहे तो देश-दुनिया में अच्छा संदेश नहीं जाएगा। सवाल इस बात को लेकर भी उठेंगे कि विभिन्न सरकारों द्वारा शुरू की गई अनेक महत्वाकांक्षी व भारी-भरकम योजनाओं के बावजूद गंगा को साफ करने में हम सफल क्यों नहीं हो पाए हैं। आखिर कौन है गंगा को प्रदूषित करने के गुनहगार? सरकारों को यह समझना होगा कि उसे केवल गंगा को साफ ही नहीं करना, बल्कि उसकी निर्मलता एवं अविरलता के लिये एक अनूठा उदाहरण भी पेश करना है। ऐसा करके ही देश की अन्य नदियों को भी प्रदूषणमुक्त करने की दिशा में सकारात्मक वातावरण निर्मित किया जा सकेगा। यह जानकारी भी सामने आई कि उत्तरकाशी में सुरंग के निर्माण के कारण ढेर बने मलबे एवं कचरे को गंगा नदी के किनारे डाल दिया गया। औद्योगिक कारखानों का जहरीला कचरा ही नहीं बल्कि सरकार की अन्य विकास योजनाएं ही गंगा को प्रदूषित करने का जरिया बन रही है, जो अधिक शर्मनाक एवं चिन्ताजनक है।

SYED ZAKI HAIDER
(EDITOR / PUBLISHER CUM MANAGING DIRECTOR
OF NAI UMMEED NEWS AGENCY
MOBILE NO. 9911371802
EMAIL SYEDZAKIHAIDER786@GMAIL.COM

सीएम नीतीश कुमार ने फिर की नरेंद्र मोदी के पैर छूने की कोशिश

नूना न्यूज एजेंसी।

बिहार। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बुधवार को उस समय शर्मिंदा होना पड़ा जब बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने दरभंगा में एक रैली के दौरान उनके पैर छूने की कोशिश की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बुधवार को लगभग 12,100 करोड़ रुपये की कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन, शिलान्यास और राष्ट्र को समर्पित करने के लिए बिहार में थे। एक अनूठी पहल में, मोदी ने देश भर के रेलवे स्टेशनों पर 18 जन औषधि केंद्र भी समर्पित किए। सीएम नीतीश कुमार भी मंच पर आये और बिहार के विकास में केंद्र के सहयोग के लिए प्रधानमंत्री को धन्यवाद दिया. अपना भाषण पूरा करने के बाद सीएम को पीएम की ओर बढ़ते देखा गया, जब उन्होंने उनके भाषण को छूने की कोशिश की, तो शर्मिंदा हुए पीएम ने तुरंत सीएम को रोक दिया। इससे पहले, जून में एनडीए संसदीय दल के दौरान नीतीश कुमार ने पीएम के पैर छूने की कोशिश की थी, हालांकि, पीएम ने उनका विरोध किया था और बिहार के मुख्यमंत्री से हाथ मिलाया था। नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को कहा कि केंद्र में उनकी सरकार और बिहार में नीतीश कुमार की सरकार मिलकर इस प्रदेश के हर सपने को पूरा करने के लिए काम कर रही हैं। उन्होंने यहां यह भी कहा कि नीतीश कुमार बिहार में सुशासन लाए और जंगलराज को समाप्त किया। प्रधानमंत्री ने इस अवसर पर राज्य में 12,100 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण किया। बिहार के राज्यपाल राजेंद्र अर्लेकर और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की मौजूदगी में मोदी ने कहा, ह्यह्यनीतीश बाबू के नेतृत्व में बिहार में सुशासन का जो मॉडल विकसित करके दिखाया गया है, वह अद्भुत है। बिहार को जंगलराज से मुक्ति दिलाने में उनकी भूमिका की जितनी सराहना की जाए, वह कम है। मोदी ने आरोप लगाया कि बिहार में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से पहले की सरकारों को कभी स्वास्थ्य ढांचे की फिक्र नहीं हुई और उन्होंने जनता से झूठे वादे किए थे, लेकिन नीतीश कुमार के सत्ता में आने के बाद राज्य के हालात में सुधार हुआ। प्रधानमंत्री ने कहा कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की डबल इंजन की सरकार बिहार में विकास को गति देने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि बिहार का तेज विकास, यहां बेहतर आधारभूत संरचना और यहां के छोटे किसानों एवं छोटे उद्योगों को प्रोत्साहन देने से ही संभव होने वाला है।

अमानतुल्लाह खान के खिलाफ चार्जशीट पर कोर्ट ने फैसला रखा सुरक्षित

नूना न्यूज एजेंसी।

दिल्ली। की राऊज एवेन्यू कोर्ट ने दिल्ली वक्फ बोर्ड मनी लॉन्ड्रिंग मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा दायर पूरक आरोपपत्र पर संज्ञान लेना है या नहीं, इस पर अपना आदेश सुरक्षित रख लिया। आरोपपत्र में आम आदमी पार्टी (आप) नेता अमानतुल्ला खान और मरियम सिद्दीकी का नाम है। विशेष न्यायाधीश जितेंद्र सिंह ने संज्ञान पक्ष पर आदेश सुनाने के लिए 14 नवंबर की तारीख तय की है। सुनवाई के दौरान प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने अदालत को बताया कि अपराध की कमाई को संपत्ति में निवेश किया गया था, जिसे अमानतुल्ला खान की दूसरी पत्नी मरियम सिद्दीकी के नाम पर खरीदा गया था। ईडी ने आरोप लगाया कि रुपये की संपत्ति। खान के निर्देशन में ओखला में 36 करोड़ रुपये का अधिग्रहण किया गया। 27 करोड़ का नकद भुगतान किया। विशेष न्यायाधीश जितेंद्र सिंह ने ईडी से सवाल किया कि अमानतुल्ला खान मनी लॉन्ड्रिंग अपराध से कैसे जुड़े थे। जवाब में, ईडी ने एक डायरी और व्हाट्सएप चैट का हवाला दिया, जिसमें बताया गया कि खान का नाम मिलान वित्तीय लेनदेन के साथ, कौसर इमाम सिद्दीकी द्वारा लिखी गई डायरी में कई बार दिखाई दिया। ईडी ने उन संदेशों का भी उल्लेख किया, जिनमें कहा गया था, "नेताजी को पैसा मांग दिया," और नोट किया कि उसी दिन का लेनदेन इस संदेश के अनुरूप था। इससे पहले विशेष न्यायाधीश जितेंद्र सिंह ने बुधवार को केंद्रीय जांच एजेंसीईडी से अभियोजन के संबंध में विभिन्न स्पष्टीकरण मांगे और मामले की सुनवाई 13 नवंबर तक के लिए स्थगित कर दी थी। ईडी का अभियोजन आरोप पत्र के समान होता है। ईडी ने 29 अक्टूबर को 110 पृष्ठ का पहला पूरक आरोप पत्र दायर करते हुए दावा किया था कि खान ने उस धन का शोधन किया जो कथित तौर पर दिल्ली वक्फ बोर्ड में भ्रष्टाचार के माध्यम से अर्जित किया गया था।

प्रदूषण बरकरार, किस बात का अपनी पीठ थपथपा रही दिल्ली सरकार

नूना न्यूज एजेंसी।

दिल्ली। में प्रदूषण जबरदस्त तरीके से जारी है। आज सुबह सबेरे भी पूरी तरीके से दिल्ली गैस चैंबर में तब्दील नजर आई। इतना ही नहीं, यमुना में भी जहरीले जाग देखने को मिली। पूरी दिल्ली धुंध में लिपटी हुई नजर आई। हालांकि, दिल्ली की आम आदमी पार्टी की सरकार यह दावा कर रही है कि पिछली साल की तुलना में इस बार राष्ट्रीय राजधानी में प्रदूषण कम है। लेकिन दिल्ली में रहने वाले लोगों के लिए सांस लेना भी मुश्किल सा लग रहा है। यमुना में जहरीले झाग को लेकर दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने राजधानी की आप सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने अरविंद केजरीवाल पर यमुना की सफाई में अड़ंगा लगाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि यमुना की सफाई का सर्वोच्च काम अपने अधिकार में लिया था। लेकिन सफलता न मिलने पर इसे एनजीटी को दे दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि यमुना की सफाई का अभियान जब शुरू हुआ तो केजरीवाल सरकार ने सर्वोच्च न्यायालय जाकर इस पर स्टेट लगवा दिया। दिल्ली की वायु गुणवत्ता मंगलवार को लगातार 14वें दिन भी बहुत खराब श्रेणी में बनी रही और एक्यूआई 334 दर्ज किया गया। शहर में वायु प्रदूषण का सबसे बड़ा कारण 15.4 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ वाहनों से निकलने वाला धुंआ रहा। वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 30 अक्टूबर से

लगातार बहुत खराब श्रेणी में बना हुआ है। राष्ट्रीय राजधानी में 30 अक्टूबर को एक्यूआई 307 दर्ज किया गया था। एक्यूआई के वर्गीकरण के अनुसार, शून्य से 50 की श्रेणी को अच्छा, 51-100 को संतोषजनक 101-200 को मध्यम 201-300 को खराब, 301-400 को बहुत खराब तथा 401-500 को गंभीर श्रेणी में माना जाता है। वायु गुणवत्ता प्रबंधन के लिए केंद्र की निर्णय सहायता प्रणाली के अनुसार अगले दो दिनों तक दिल्ली के वायु प्रदूषण में सबसे अधिक हिस्सेदारी वाहनों से होने वाला उत्सर्जन का होगा और यह करीब 10 प्रतिशत रहने का पूवार्नुमान है। राष्ट्रीय राजधानी में प्रतिदिन शाम चार बजे दर्ज किया जाने वाला 24 घंटे का औसत एक्यूआई 334 रहा जबकि सोमवार को यह 354 था। आनंद विहार के निगरानी केंद्र के मुताबिक इलाके में वायु प्रदूषण का स्तर गंभीर श्रेणी में पहुंच गया।

प्रयागराज में बढ़ रहा है छात्रों के प्रदर्शन का दायरा

नूना न्यूज एजेंसी।

लखनऊ। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे छात्रों को एक तरफ तमाम राजनैतिक दलों का समर्थन हासिल हो रहा है तो जिले के बाहर के छात्रों का भी समर्थन मिला शुरू हो गया है। इसी के चलते आज तीसरे दिन भी यूपीपीएससी आफिस के बाहर प्रतियोगी छात्रों का विरोध प्रदर्शन जारी है। यह प्रदर्शन यूपीपीएससी द्वारा पीसीएस-2024 और आरओ/एआरओ-2023 प्रारंभिक परीक्षा को दो दिन में आयोजित करने के निर्णय के खिलाफ है। आयोग के इस फैसले को लेकर छात्रों में गहरी असंतुष्टि है और वे इसे एक ही दिन में कराने की मांग कर रहे हैं। प्रदर्शन के तीसरे दिन बुधवार को भी छात्रों का जोश बरकरार है और उनका कहना है कि जब तक उनकी मांगें पूरी नहीं होती, वे पीछे नहीं हटेंगे। सबसे बड़ी बात यह है कि दिल्ली, लखनऊ और अन्य प्रदेशों से भी प्रतियोगी छात्र इस विरोध प्रदर्शन में शामिल होने के लिए प्रयागराज पहुंच रहे हैं। छात्रों ने पूरी रात आयोग के बाहर डेरा डाल रखा है। 48 घंटे से आयोग के बाहर डटे प्रतियोगी छात्रों का कहना है कि दो दिवसीय परीक्षा की प्रणाली से उनके साथ अन्याय हो रहा

है। उनके अनुसार, दो दिवसीय परीक्षा के चलते परीक्षा परिणामों में भिन्नता आ सकती है और नॉर्मलाइजेशन प्रक्रिया में विसंगतियां उत्पन्न हो सकती हैं, जिससे छात्रों की मेहनत का सही मूल्यांकन नहीं हो सकेगा। प्रतियोगी छात्र परीक्षा में नॉर्मलाइजेशन की प्रक्रिया का भी विरोध कर रहे हैं। उनका मानना है कि यह प्रक्रिया उन्हें निष्पक्ष परिणामों से वंचित कर सकती है। उनका तर्क है कि हर परीक्षा में अलग-अलग प्रश्न पत्र होते हैं और इनमें कठिनाई के स्तर में अंतर होता है। ऐसे में नॉर्मलाइजेशन प्रक्रिया से उन छात्रों को नुकसान हो सकता है, जिन्होंने कठिन प्रश्न पत्र हल किया हो। वे चाहते हैं कि परीक्षा को एक ही दिन में आयोजित किया जाए, जिससे सभी प्रतियोगियों के लिए समान प्रश्न पत्र हो और किसी तरह का भेदभाव न हो।

बंगाल उपचुनावः छह विधानसभा सीटों पर सुबह नौ बजे तक 14 प्रतिशत से अधिक मतदान

नूना न्यूज एजेंसी।

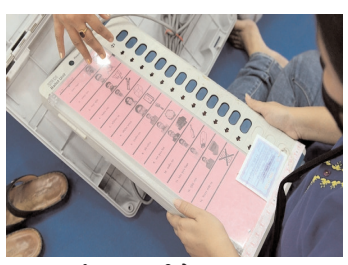

पश्चिम बंगाल। में छह विधानसभा सीटों के लिए हो रहे उपचुनाव के तहत बुधवार को सुबह नौ बजे तक 14 प्रतिशत से अधिक मतदान हुआ। निर्वाचन आयोग के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। एक अधिकारी ने बताया कि सीताई, मदारीहाट, नैहाटी, हरोआ, मेदिनीपुर और तालडांगरा विधानसभा सीट पर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच सुबह सात बजे मतदान प्रक्रिया प्रारंभ हुई। उन्होंने बताया कि यहां शाम पांच बजे तक मतदान जारी रहेगा। चुनाव आयोग के अधिकारी ने कहा कि मतदान शांतिपूर्ण तरीके से जारी है और मतदान स्थलों पर किसी अप्रिय घटना की सूचना नहीं मिली है। उपचुनाव के लिए केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) की कुल 108 कंपनियां तैनात की गई हैं। इस वर्ष आम चुनावों में कुछ विधायकों के लोकसभा के लिए सांसद चुने जाने के बाद उनके इस्तीफे से रिक्त हुई इन सीटों पर उपचुनाव आवश्यक हो गए थे। सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस और विपक्षी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) दोनों ने सभी छह सीटों पर उम्मीदवार उतारे हैं। बंगाल कांग्रेस के नेतृत्व में हाल ही में बदलाव हुआ है। माकपा के नेतृत्व वाला वाम मोर्चा और कांग्रेस 2021 के बाद पहली बार अलग-अलग उपचुनाव लड़ रहे हैं। वाम मोर्चे ने छह में से पांच सीटों के लिए उम्मीदवारों की घोषणा की है, जिसमें एक भाकपा (माले) का उम्मीदवार भी शामिल है। कांग्रेस ने सभी छह विधानसभा क्षेत्रों में उम्मीदवार उतारे हैं। मतदान के बाद 23 नवंबर को मतगणना होगी।

गोंडा-लखनऊ हाईवे पर पलटी बस, कई यात्री घायल

नूना न्यूज एजेंसी।

लखनऊ। गोंडा-लखनऊ हाईवे पर 13 नवम्बर बुधवार प्रातःकाल एक डबल डेकर बस अनियंत्रित होकर पलटने से कई यात्री घायल हो गये। चीख-पुकार मचने पर घटनास्थल पर ग्रामीणों की मदद से घायलों को बाहर निकालकर इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। हादसे में 6 यात्री जख्मी हो गये, जबकि 2 अन्य गंभीर रूप से घायलों को गोंडा मेडिकल कॉलेज भेजा गया है। यह हादसा 13 नवम्बर बुधवार की सुबह करीब आठ बजे लखनऊ गोंडा हाईवे पर कटरा शहबाजपुर रेलवे क्रॉसिंग के समीप हुआ। करीब 100 यात्रियों को लेकर गोंडा आ रही डबल डेकर प्राइवेट बस कटरा शहबाजपुर रेलवे क्रॉसिंग के समीप अनियंत्रित होकर सड़क के किनारे पलट गई। इस दौरान यात्री उमरी बेगमगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत ऐली-परसौली निवासी लल्लू (30) व मनोज की पत्नी नीलम (25), उमरी बेगमगंज के चंद्रप्रकाश पाठक (36), परसपुर थाना क्षेत्र के पूरे गजराज निवासी बृजराज शुक्ला (72), कौड़िया निवासी सगे भाई जीवनलाल (26) व मिंटू (18) घायल हो गए। इनमें बृजलाल और चंद्रप्रकाश की हालत गंभीर बताई जा रही है। सीएचसी करनैलगंज में प्राथमिक उपचार के बाद दोनों को गोंडा मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया। कोतवाल श्रीधर पाठक ने बताया कि बस चालक व खलासी मौके से फरार हो गया। वहीं घटना के कारणों को पता लगाया जा रहा है। यात्रियों के मुताबिक, स्थानीय निवासी पांच यात्री जहांगीरवा रेलवे क्रॉसिंग के पास उतरने की जिद कर रहे थे। बस के कर्मचारियों ने उन्हें करनैलगंज में उतारने की बात कही। इसी बात को लेकर परिचालक और यात्रियों में मारपीट शुरू हो गई। मारपीट के दौरान एक व्यक्ति चालक के ऊपर गिर गया। जिससे चालक बस पर नियंत्रण खो बैठा और बस पलट गई। हालांकि, बहुत बड़ा हादसा होते-होते टल गया। हादसे के बाद चीख-पुकार मच गई। आनन-फानन में पहुंचे ग्रामीणों की मदद से यात्रियों को बाहर निकाला गया। इस दौरान यात्रियों की आंखों में दहशत नजर आई।

एनसीपी सिंबल विवाद में आया ट्रंप का नाम

एससी जज ने डिस्क्लेमर को लेकर क्या कहा?

नूना न्यूज एजेंसी।

महाराष्ट्र। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) से जुड़े विवाद पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने मौखिक रूप से अजीत पवार समूह से कहा कि वह महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए अपनी प्रचार सामग्री में शरद पवार की तस्वीरों और वीडियो का इस्तेमाल न करें। कोर्ट ने एनसीपी (अजित पवार) से कहा कि उन्हें अपनी अलग पहचान के आधार पर चुनाव लड़ना होगा। कोर्ट ने अजित पवार से कहा कि वह अपनी पार्टी के सदस्यों को शरद पवार की तस्वीरों और वीडियो का इस्तेमाल न करने का निर्देश दें। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति उज्जल भुइयां की पीठ शरद पवार द्वारा दायर एक आवेदन पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें अजित पवार को महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए घड़ी चिह्न का उपयोग करने से रोकने की मांग की गई थी। इससे पहले कोर्ट ने अजित पवार को घड़ी के चुनाव चिह्न को लेकर अखबारों में डिस्क्लेमर प्रकाशित करने का निर्देश दिया था। कोर्ट में पेश अखबारों में छपे डिस्क्लेमर को देखते हुए जस्टिस सूर्यकांत ने मजाकिया अंदाज में कहा कि आपका एक डिस्क्लेमर डोनाल्ड ट्रम्प की खबर के ठीक नीचे छपा है, जो काफी प्रभावशाली लग रहा है! शरद पवार के लिए वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने कुछ सामग्री पोस्टर और सोशल मीडिया पोस्ट की तस्वीरें पेश कीं, जो कथित तौर पर

सुप्रीम कोर्ट के आदेश का उल्लंघन करते हुए प्रकाशित की गई हैं। उन्होंने प्रस्तुत किया कि राकांपा (अजित पवार) के उम्मीदवार अमोल मितकारी ने केवल शरद पवार को दिखाते हुए तस्वीरें प्रकाशित की थीं और तर्क दिया था कि अजीत पवार का पक्ष वरिष्ठ पवार की प्रतिष्ठा की सद्भावना पर पिग्गीबैक करने की कोशिश कर रहा था। अजीत पवार के लिए वरिष्ठ वकील बलबीर सिंह ने आरोपों का खंडन किया और दावा किया कि सामग्री छेड़छाड़ की गई है। सिंघवी ने जवाब दिया कि वीडियो अमोल मिटकारी के आधिकारिक हैंडल से पोस्ट किया गया था। न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने सिंघवी से पूछा कि क्या आपको लगता है कि महाराष्ट्र के लोगों को दरार के बारे में पता नहीं है?न्यायाधीश ने यह भी पूछा कि क्या ग्रामीण महाराष्ट्र के लोग सोशल मीडिया पर किए गए पोस्ट से प्रभावित होंगे। सिंघवी ने जवाब दिया कि आज भारत अलग है, हम यहां दिल्ली में जो कुछ भी देखते हैं उसका ज्यादातर हिस्सा ग्रामीण लोगों द्वारा देखा जाता है। उन्होंने कहा कि जब उच्चतम न्यायालय द्वारा कोई निर्देश पारित किया जाता है, तो दूसरा पक्ष उसका पालन करने के लिए बाध्य होता है।

बुलडोजर की कार्रवाई का मामला

जज नहीं बन सकतीं सरकार सरकारों द्वारा मानवाधिकारों के उल्लंघन पर सुप्रीम कोर्ट की सख्त टिप्पणी

›› सुप्रीम कोर्ट ने बुलडोजर कार्रवाई को असंवैधानिक करार दिया
›› हमें बहुत खुशी है कि हमारा संघर्ष सफल हुआ, गरीबों और मजलूमों को न्याय मिलाः मौलाना अरशद मदनी
›› सुप्रीम कोर्ट के निर्देश की अवहेलना करने वाले दोषी अधिकारियों की जवाबदेही तय, नुकसान की भरपाई निजी धन से करने का निर्देश

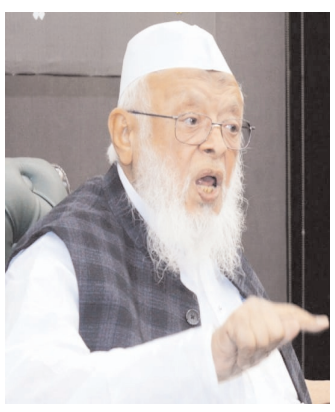

ऐतिहासिक फैसले का स्वागत करते हुए जमीयत उलमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना अरशद मदनी ने कहा कि आज हमारे लिए बहुत खुशी और संतुष्टि का दिन है कि जमीयत उलमा-ए-हिंद का कानूनी संघर्ष सफल हुआ और गरीबों और पीड़ितों, चाहे हिंदू हों या मुसलमान, को न्याय मिला। उन्होंने कहा कि इससे भी ज्यादा खुशी की बात यह है कि हम इस संबंध में अपने बयानों में जो कहते रहे हैं, कोर्ट ने अपने फैसले से उन सभी बातों पर मुहर लगा दी है। अदालत ने कहा कि बुलडोजर चलाकर किसी का घर तोड़ना सजा नहीं अपराध है, कोर्ट ने यह भी कहा कि अधिकारी जज नहीं बन सकता, वैधानिकता और अवैधता न्यायपालिका तय करेगी इसलिए उसके परिवार को सजा नहीं दी जा सकती है । मौलाना मदनी ने कहा कि बुलडोजर कार्रवाई न सिर्फ अमानवीय कृत्य है बल्कि यह न्यायपालिका और कानून दोनों का अपमान करने के समान है। हां, कोर्ट द्वारा बुलडोजर कार्रवाई को असंवैधानिक करार देते हुए यह कहना बेहद जरूरी है कि महज आरोप साबित होने के बाद भी किसी के घर पर बुलडोजर चलाने की इजाजत नहीं दी जाएगी, उन्होंने कहा कि कोर्ट ने भी हमारी इस बात को माना है एक भेदभावपूर्ण कृत्य है और यह एक खास संप्रदाय को निशाना बनाता है, कोर्ट ने अपने फैसले में यह भी सख्त टिप्पणी की है कि किसी खास हिस्से (किसी खास जगह पर बनी इमारत) को अचानक ढहा देना ही काफी है जबकि अन्य निमार्णों को छोड़ दिया जाता है, जिसका स्पष्ट अर्थ है कि यह अवैध निमार्णों को ध्वस्त करना नहीं है बल्कि इसका उद्देश्य बिना मुकदमे के सजा देना है, उन्होंने कहा कि हमें लगता है कि माननीय न्यायालय ने इस मामले के फैसले में संवैधानिक और कानूनी पहलुओं को पूरी तरह से उजागर किया गया है, और कहीं भी ऐसी कोई गुंजाइश नहीं है कि राज्य सरकार कानूनी कार्रवाई की आड़ में एक निश्चित वर्ग को सबक सिखाने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए इसका फायदा उठा सकें, मौलाना मदनी यह भी कहा कि यह कोई असामान्य मामला नहीं है, कुछ राज्यों ने तो बुलडोजर से सजा देने को अपनी सरकार की नीति का हिस्सा बना लिया था । अब उन पीड़ितो के लिए न्याय का बंद दरवाजा खोल दिया गया है, उन्होंने कहा कि जिस कार्रवाई को को असंवैधानिक घोषित किया गया है । एक राज्य में तो चुनाव के दौरान इस कार्रवाई का प्रचार-प्रसार कर वोट भी मांगे गये। भारत जैसे लोकतांत्रिक देश के लिए यह कितना शर्मनाक है, उन्होंने कहा कि इस घिनौने कृत्य की शुरूआत सबसे पहले असम और खरगौन, मध्य प्रदेश में हुई, जिस पर स्टे मिल गया, लेकिन हुआ यह कि अचानक बुलडोजर एक्शन दूसरे राज्यों में फैल गया। जमीयत उलमा-ए-हिंद ने इस मामले में इन सभी राज्यों को पक्षकार बनाया है, जिस पर आज अंतिम फैसला आया है, इसके लिए हम सुप्रीम कोर्ट को बधाई देते हैं कि उसने ऐसा ऐतिहासिक फैसला दिया जिसने एक बार फिर कानून और न्याय की सर्वोच्चता को प्रदर्शित किया सुप्रीम कोर्ट द्वारा जारी सख्त दिशानिदेर्शों से बुलडोजर और इस क्रूर न्यायेतर दंड पर अंकुश लगेगा। यह श्रृंखला हमेशा के लिए बंद हो जाएगी, अंत में मौलाना मदनी ने अपने वकीलों को उनके सफल पैरवी के लिए बधाई दी।

नई दिल्ली। 13 नवंबर, 2024 पिछले चार वर्षों के दौरान देश के विभिन्न प्रांतों में मुसलमानों की संपत्ति पर अवैध बुलडोजर एक्शन के खिलाफ जमीयत उलमा-ए-हिंद और अन्य द्वारा दायर याचिका पर भारत के सर्वोच्च न्यायालय की न्यायाधीश पीठ ने एक ऐतिहासिक फैसला सुनाया जिसके अनुसार अदालत ने बुलडोजर एक्शन को असंवैधानिक घोषित कर दिया और अवैध बुलडोजर एक्शन में शामिल अधिकारियों को दंडित करने का आदेश जारी किया। इस

दिल्ली में यातायात जाम की बढ़ती समस्या, सार्वजनिक परिवहन और ट्रैफिक सुधार की आवश्यकता

नई दिल्ली, नवंबर : दिल्ली की सड़कों पर यातायात जाम अब एक आम समस्या बन गई है, जो न केवल शहर के वासियों को परेशान करती है, बल्कि इसके कारण पर्यावरण और अर्थव्यवस्था पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। खासकर पिक आवर्स यानी सुबह और शाम के समय, सड़कों पर ट्रैफिक जाम की स्थिति और भी गंभीर हो जाती है।

इस समस्या का मुख्य कारण दिल्ली की बढ़ती आबादी और वाहनों की संख्या में लगातार वृद्धि है। वर्तमान में दिल्ली में करीब 1.1 करोड़ से अधिक वाहन पंजीकृत हैं, जो हर साल बढ़ते जा रहे हैं। इसके अलावा, शहर में सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था की कमी और कार-सेक्टर पर अधिक निर्भरता इस समस्या को और बढ़ाती है। दिल्ली की सड़कों पर जहां एक ओर वाहन अधिक हो गए हैं, वहीं दूसरी ओर सड़कों की चौड़ाई और यातायात की संरचना सीमित है, जो जाम की स्थिति को और विकट बनाती है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि यही स्थिति जारी रही, तो आने वाले वर्षों में ट्रैफिक जाम और भी भयावह हो सकता है, जिससे न केवल समय की बबार्दी होगी, बल्कि प्रदूषण भी बढ़ेगा। दिल्ली सरकार ने ट्रैफिक सुधार के लिए कई योजनाएं बनाई हैं, जैसे मेट्रो नेटवर्क का विस्तार, स्मार्ट ट्रैफिक सिग्नल्स और सड़कों की चौड़ाई बढ़ाने के प्रयास, लेकिन इन उपायों का असर अभी तक सीमित ही रहा है।

इसके अतिरिक्त, शहर की सड़कों पर गलत पार्किंग, ओवरस्पीडिंग और ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन भी जाम की स्थिति को और बढ़ाते हैं। कई इलाके ऐसे हैं जहां अतिक्रमण और अवैध निर्माण के कारण मार्ग अवरुद्ध हो जाते हैं, जिससे यातायात प्रभावित होता है।

समाधान के तौर पर, विशेषज्ञों का सुझाव है कि दिल्ली में सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा दिया जाए, राइड-शेयरिंग को प्रोत्साहित किया जाए और सड़क सुधारों के साथ-साथ ट्रैफिक नियमों का कड़ाई से पालन किया जाए। अगर ये कदम समय रहते नहीं उठाए गए, तो दिल्ली की सड़कों पर ट्रैफिक जाम की समस्या और भी विकराल रूप ले सकती है।

विकराल प्रदूषण की चपेट में यमुना नदी

सरकारी प्रयासों की विफलता और जनसहभागिता से समाधान की आवश्यकता

नई दिल्ली, नवंबर : यमुना नदी, जिसे दिल्ली की जीवन रेखा माना जाता है, आज गंभीर प्रदूषण की समस्या से जूझ रही है। यह समस्या केवल पर्यावरणीय नहीं है, बल्कि स्वास्थ्य, समाज और संस्कृति पर भी गहरा प्रभाव डाल रही है। दिल्ली से होकर बहने वाली यमुना का 22 किलोमीटर का हिस्सा सबसे ज्यादा प्रदूषित है और इसका जल स्तर इतना दूषित हो गया है कि यह लगभग एक गंदे नाले के रूप में तब्दील हो गया है। यमुना में प्रदूषण के मुख्य कारणों में औद्योगिक और घरेलू अपशिष्टों का नदी में प्रवाह शामिल है। दिल्ली की लगभग 18 नालों से गंदगी और सीवेज प्रतिदिन यमुना में प्रवाहित होता है, जिसमें अधिकतर बिना शुद्धिकरण के छोड़ा जाता है। औद्योगिक इकाइयों से निकलने वाले रसायन और रासायनिक कचरे ने नदी के जल को जहरीला बना दिया है। इसके अलावा, धार्मिक गतिविधियों जैसे मूर्ति विसर्जन और फूल-मालाओं का नदी में विसर्जन भी प्रदूषण का एक बड़ा कारण है।

सरकार द्वारा कई प्रयास किए गए हैं जैसे 'यमुना एक्शन प्लान', परंतु इन योजनाओं का अपेक्षित प्रभाव अब तक देखने को नहीं मिला है। एक मुख्य चुनौती है प्रशासनिक इच्छाशक्ति और जनभागीदारी की कमी। साथ ही, जलशोधन संयंत्रों की कार्यक्षमता में भी सुधार की आवश्यकता है, ताकि सीवेज को साफ करके नदी में छोड़ा जा सके।

यमुना के प्रदूषण का असर न केवल जल जीवन पर पड़ रहा है, बल्कि इसका उपयोग करने वाले स्थानीय लोगों की सेहत पर भी प्रतिकूल प्रभाव डाल रहा है। पानी में मौजूद जहरीले रसायन और बैक्टीरिया से त्वचा, पाचन और अन्य बीमारियां फैलती हैं।

समस्या का समाधान केवल सरकार के प्रयासों से संभव नहीं है, बल्कि इसमें प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी बनती है कि वे यमुना की स्वच्छता में योगदान दें। जनजागरूकता और ठोस नीति निर्माण के माध्यम से ही इस नदी को पुनः शुद्ध किया जा सकता है, ताकि यमुना का जल हमारे भविष्य की पीढ़ियों के लिए सुरक्षित और शुद्ध बना रहे।

अंतर्राष्ट्रीय विद्यार्थियों के लिए अप्लायबोर्ड का फॉल सर्वे रिपोर्ट जारी

नई दिल्ली, नवंबर : विदेश में पढ़ाई को लेकर दुनियाभर के विद्यार्थियों की रुचि बढ़ रही है और अप्लायबोर्ड के फॉल 2024 स्टूडेंट पल्स सर्वे में शिक्षा के विकसित हो रहे परिदृश्य में अंतर्राष्ट्रीय विद्यार्थियों की आकांक्षाओं, अध्ययन सम्बंधी लक्ष्यों तथा वित्तीय योजना का विस्तृत विवरण दिया गया है। इस सर्वे में करीब 100 देशों के 1500 से अधिक विद्यार्थियों से सवाल किये गए थे और अपने पांचवे संस्करण में यह सर्वे बताता है कि विद्यार्थी किस तरह से अपनी शैक्षणिक यात्रा में नीतिगत बदलावों का सामना कर रहे हैं।

सर्वे में शिक्षा के लिये महत्वपूर्ण वैश्विक गंतव्यों के संदर्भ में बजट की चिंताओं और कॅरियर के लक्ष्यों पर भी रोशनी डाली गई है। सर्वे में पता चला है कि विषयों के चुनाव में बदलाव और कॅरियर के लक्ष्य अब मांग वाले कार्यक्षेत्रों के अनुरूप हैं बिजनेस और मैनेजमैंट आज भी पढ़ाई के लोकप्रिय क्षेत्र हैं, क्योंकि एक-तिहाई से ज्यादा विद्यार्थी इनमें रुचि रखते हैं। लेकिन अप्लायबोर्ड के स्प्रिंग 2024 सर्वे के बाद से इन प्रोग्राम्स को लेकर रुचि घटी है। विद्यार्थियों ने अपने कॅरियर के विकल्पों का दायरा बढ़ाया है। इंजीनियरिंग, हैल्थ साइंसेस और कंप्यूटर साइंस जैसे क्षेत्रों में उल्लेखनीय रूप से रुचि बढ़ी है।

घर से बाड़े के लिए गई लड़की लापता

जोगी,इसराना, नवंबर : गांव बुआना लाखु से एक लड़की घर से बाड़े में जाने का बहाना बनाकर अचानक गायब हुई। लडकी के परिजनों ने सोनीपत के एक युवा पर भगा ले जाने का आरोप लगाया है। परिजनों ने थाना इसराना में मामला दर्ज कराया। पुलिस ने लडकी की गुमशुदगी का केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला की पुत्री परिणय सूत्र में बंधी

दिल्ली। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला की पुत्री अंजलि मंगलवार रात यहां एक समारोह में अनीश के साथ परिणय सूत्र में बंध गईं। अनीश कोटा के एक प्रतिष्ठित व्यवसायी परिवार से हैं। यह विवाह देवउठनी ग्यारस के अवसर पर सम्पन्न हुआ। समारोह में राजस्थान विधानसभा में विपक्ष के नेता राजेंद्र सिंह राठौड़, राज्य के युवा मामलों के मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़, विधायक और अन्य गणमान्य व्यक्ति शामिल हुए। बुधवार को बूंदी रोड स्थित एक रिसॉर्ट में रिसेप्शन आयोजित किया जाएगा जिसमें कई विशिष्ट अतिथियों के पहुंचने की उम्मीद है। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव और राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा रिसेप्शन के लिए कोटा आने वाले हैं।

राजधानी में अतिक्रमण और अनियोजित शहरीकरण की समस्या भी बढ़ती जा रही

शहर के बुनियादी ढांचे, पर्यावरण और सामाजिक संतुलन को गंभीर रूप से कर रही प्रभावित

नई दिल्ली, नवंबरः दिल्ली, देश की राजधानी होने के नाते तेजी से शहरीकरण और जनसंख्या वृद्धि का गवाह बन रही है। हालांकि, इस तेज विकास के साथ-साथ अतिक्रमण और अनियोजित शहरीकरण की समस्या भी बढ़ती जा रही है, जो शहर के बुनियादी ढांचे, पर्यावरण और सामाजिक संतुलन को गंभीर रूप से प्रभावित कर रही है।

अतिक्रमण की समस्या दिल्ली के विभिन्न हिस्सों में देखी जा सकती है। सड़क किनारे अवैध निर्माण, फुटपाथों पर अस्थायी दुकानों का जमावड़ा, सार्वजनिक स्थलों पर कब्जा और झुग्गी-झोपड़ियों का विस्तार केवल कुछ ही उदाहरण हैं। यह न केवल यातायात व्यवस्था को बाधित करता है बल्कि सार्वजनिक सुविधाओं और संसाधनों पर दबाव भी डालता है। दिल्ली की प्रमुख सड़कें, बाजार और कॉलोनियों में अतिक्रमण के चलते ट्रैफिक जाम की समस्या और भी जटिल हो गई है।

अनियोजित शहरीकरण भी एक बड़ी चुनौती है। तेजी से बढ़ती आबादी और आर्थिक अवसरों के चलते लोग दिल्ली में बसने की ओर आकर्षित होते हैं। लेकिन, इस विकास में शहर के योजनाबद्ध विस्तार की कमी के कारण शहरी ढांचे पर भारी दबाव पड़ता है। बिना उचित योजना के बसी कॉलोनियों, अवैध निर्माण और अनधिकृत बस्तियों का उदय होता है, जिनमें न तो पर्याप्त बुनियादी सुविधाएं होती हैं और न ही सुरक्षित संरचना।

सरकार और प्रशासन ने अतिक्रमण और अवैध निर्माण को रोकने के लिए समय-समय पर अभियान चलाए हैं, लेकिन ये प्रयास स्थायी समाधान नहीं बन पाए हैं। न्यायालयों ने भी अतिक्रमण हटाने और सार्वजनिक स्थलों को मुक्त कराने के आदेश दिए हैं। परंतु, इस समस्या के समाधान के लिए केवल प्रशासनिक कार्रवाई ही पर्याप्त नहीं है। इसे रोकने के लिए नागरिकों में जागरूकता बढ़ाने, सख्त नियमों का पालन सुनिश्चित करने और स्थायी आवास और रोजगार के वैकल्पिक साधनों की व्यवस्था की आवश्यकता है।

दिल्ली के विकास और स्थिरता के लिए यह जरूरी है कि शहरीकरण योजनाबद्ध ढंग से हो और अतिक्रमण पर सख्त नियंत्रण रखा जाए। तभी राजधानी एक स्वस्थ, सुरक्षित और रहने योग्य शहर बन सकेगी।

दूसरे दिन भी नहीं लगा हत्या का सुराग

■ डाक्टरों के पैनल से हुआ पोस्टमार्टम

मृतका की फाईल फोटो

यमुनानगर, नवंबर : सैक्टर-18 में पुलिस विभाग के इंस्पैक्टर की मां की हत्या के मामले में पुलिस की आठ टीमें जांच कर रही हैं। इसके अलावा एसटीएफ की टीम भी विभिन्न स्तर पर मामले की जांच कर रही है, लेकिन अब तक भी कोई सुराग नहीं लगा है। हालांकि पुलिस की करीबियों पर नजर है। पुलिस ने आज डाक्टरों के पैनल से शव का पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया। इस दौरान हत्या के मामले के बाद मंगलवार को कोर्ट में वर्क संस्पैंड भी रहा। वहीं राजनीतिक, सामाजिक, व्यापारी लोग शोक जताने के लिए उनके निवास पर आते रहे।

गौरतलब है कि सोमवार को दोपहर के समय सैक्टर-18 निवासी सेवानिवृत जिला न्यायवादी बलिन्द्र सिंह की पत्नी राजबाला घर पर अकेली थी। घर पर ऊपर कमरे में उनकी पत्नी की चुन्नी से गला घोंट कर हत्या की गई और उसके बाद घर से कैश व जवैलरी भी लुटेरे ले गए। जिस समय यह वारदात हुई, बलिन्द्र सिंह कोर्ट में गए हुए थे और उनकी पुत्रवधू कहीं बाजार में काम गई हुई थी। जब वह घर पर आये तो अन्दर से कोई आवाज नहीं आई। जब ऊपर जाकर देखा तो पूरा घर खंगाला हुआ था और उनकी मां का शव कमरे में पड़ा हुआ था। पुलिस ने इस मामले में हत्या, लूट सहित विभिन्न धाराओं में केस दर्ज किया था। इस मामले में पुलिस ने मंगलवार को शव का पोस्टमार्टम डाक्टरों के पैनल से करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया। पुलिस अधीक्षक राजीव देशवाल का कहना है कि उनकी आठ टीमें इस मामले को सुलझाने में लगी हैं। जल्द ही वारदात का खुल्लासा होगा। पुलिस एरिया के सीसीटीवी फुटेज भी खंगाल रही है।

बिहार में मधुबनी जिले के एक बीइओ के खिलाफ प्रधानमंत्री को शिकायत।

नयी दिल्ली, 13 नवंबर 2024, अखिल भारतीय मिथिला राज्य संघर्ष समिति की दिल्ली इकाई ने एक ही स्थान पर वर्षो से जमे बिहार में मधुबनी जिले के एक प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी (बीइओ) के खिलाफ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, मुख्य मंत्री नीतीश कुमार सहित अनेक आला अधिकारियों को पत्र लिखकर शिकायत की है। पीएमओ ने इस पत्र को आवश्यक निर्देश के साथ बिहार के मुख्य सचिव को भेजा है।शिकायती पत्र में समिति की दिल्ली यूनिट के अध्यक्ष रंजीत कुमार सिंह ने कहा गया है, कि महेश प्रसाद सिंह, प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी, ब्लाक लखनौर, जिला मधुबनी ,बिहार में एक ही स्थान पर वर्षो से तैनात हैं एवं भ्रष्टाचार के कई मामलों में लिप्त हैं। पत्र में कहा गया है कि श्री सिंह सरकारी नियम के विरुद्ध पिछले छह साल से एक ही स्थान पर पदस्थापित हैं और

अखिल भारतीय मिथिला राज्य संघर्ष समिति
राष्ट्रीय राजधानी प्रक्षेत्र (दिल्ली)
Reg. No. 121/DMO/24 Date 18/9/24
सेवा में, माननीय नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री भारत सरकार नई दिल्ली
Prime Minister's Office DAK SECTION RECEIVED ON 18/9/24
विषय- श्री महेश प्रसाद सिंह, प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी, ब्लाक लखनौर, जिला मधुबनी, बिहार के भ्रष्टाचार के मामलों की उच्चस्तरीय जांच कर आवश्यक कार्रवाई करने के संबंध में।
महाशय,

स्कूल से गैरहाजिर रहने बाले शिक्षकों से महीना लेते है। इस मद में प्रति माह लाखों रुपये की उगाही की जाती है और इसका बंटवारा जिला स्तर तक किया जाता है। मध्याह्न भोजन मामले में भी स्कूलों से लाखों रुपये की उगाही का आरोप लगाया गया है। इसके अलावा इनके द्वारा अवैध रूप से अर्जित चल अचल संपत्ति का भी जिक्र किया गया है।

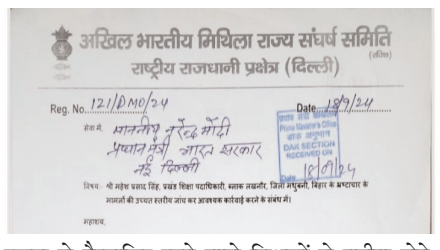

बाल दिवस की शुभकामना देते कुलपति प्रो वरखेड़ी ने बाल साहित्य के लेखन पर बल दिया

प्रो अजय कुमार मिश्रा संयोजक मीडिया प्रकोष्ठ, आईकेएस प्रकोष्ठ व पीआरओ सीएसयू।

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, दिल्ली के कुलपति प्रो श्रीनिवास वरखेड़ी ने बाल दिवस की सभी को शुभकामनाएं देते कहा है कि आज समुचित बाल लेखन की बहुत ही आवश्यकता है । उन्होंने यह भी कहा कि बच्चे ही हमारे देश के भविष्य हैं । उनके चतुर्दिक दिशाओं में संरक्षण , संबर्धन तथा प्रोत्साहन के बिना राष्ट्र के स्वर्णिम भविष्य की कल्पना नहीं की जा सकती है । इसके लिए बच्चों की आयु के अनुसार उनके लिए साहित्य का निर्माण करना बहुत ही आवश्यक है। इससे उनके चरित्र तथा व्यक्तित्व निर्माण में सहायता मिलेगी। इसके लिए केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, दिल्ली भी मनभावन बाल साहित्य के सृजन में संलग्न है। ध्यातव्य है कि देश के प्रथम प्रधानमन्त्री जी के जन्म दिन पर यह दिवस मनाया जाता है । साथ ही साथ उन्होंने यह भी कहा है कि इस दिवस को मनाने की सार्थकता इसी में है कि हम जब कभी भी अपने आस पास में बाल समस्या को

देखें ,तो उसे अपने सामाजिक ऋण को चुकाने की दृष्टि से भी उसके समाधान के लिए सर्वथा आगे आयें और बाल मन के प्रोत्साहन और चरित्र निर्माण के के प्रयासों में भी सहयोग करें।

कोहरे और कम दृश्यता के कारण दिल्ली में कुछ उड़ानों के मार्गों में बदलाव किया गया

दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में बुधवार सुबह कम दृश्यता के कारण दिल्ली हवाईअड्डे पर कुछ उड़ानों के मार्गों में बदलाव किया गया। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने कहा कि दिल्ली में सुबह 5.30 बजे के आसपास बहुत घना कोहरा छाना शुरू हो गया। शहर में कम दृश्यता की स्थिति थी। अधिकारी के अनुसार कम दृश्यता के कारण कुछ उड़ानों के मार्गों में परिवर्तन किया गया है। इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय विमानपत्तन (आईजीआई) देश के सबसे व्यस्त हवाईअड्डों में से एक है।

माहवारी स्वच्छता और जागरूकता के उद्देश्य से 'हर कम्फर्ट' अभियान की शुरूवात

गुरुग्राम 12 नवम्बर 2024: महिलाओं और किशोरियों को माहवारी स्वच्छता और जागरूकता से जोड़ने के लिए आर्टेमिस हेल्थ साइंसेज फाउंडेशन और पिंकिश फाउंडेशन ने एक महत्वपूर्ण पहल की है। दोनों फाउंडेशन ने मिलकर गुरुग्राम में 'हर कम्फर्ट' अभियान शुरू किया, जिसका उद्देश्य वंचित किशोरियों को स्वच्छता और देखभाल की सही जानकारी देना है। इस अभियान का उद्देश्य 1500 किशोरियों को अवगत करना है। यह अभियान गवर्नमेंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल, बसई में आयोजित हुआ, जहां छात्राओं को माहवारी से जुड़ी गलत धारणाओं को तोड़ने और साफ-सफाई बनाए रखने के महत्व के बारे में शिक्षित किया गया। इसके साथ ही, उन्हें सैनिटरी पैड, सैनिटाइजर और छह महीने तक काम आने वाली जरूरी चीजों से लैस किट भी दी गई। इस आयोजन में आर्टेमिस फाउंडेशन की प्रेजिडेंट शालिनी कंवर चंद क्लासिक इंडस्ट्रीज के डायरेक्टर नवीन कपूर, पिंकिश फाउंडेशन के प्रेजिडेंट अरुण गुप्ता, पिंकिश फाउंडेशन की जनरल सेक्रेटरी शालिनी गुप्ता समेत विद्यालय की प्रधानचार्या, शिक्षाएं और छात्राएं उपस्थित थी। आर्टेमिस फाउंडेशन की अध्यक्ष, शालिनी कंवर चंद, ने इस अवसर पर कहा कि हमारा उद्देश्य है कि हर लड़की माहवारी के दौरान आत्मसम्मान और आत्मविश्वास से भरपूर रहे। यह अभियान उन्हें न केवल सही जानकारी देगा, बल्कि जरूरी साधन भी

प्रदान करेगा, ताकि वे बिना किसी झिझक के अपनी सेहत का ध्यान रख सकें। क्लासिक इंडस्ट्रीज के निदेशक, नवीन कपूर, ने कहा कि माहवारी से जुड़ी शर्म और गलतफहमियों को तोड़ने के लिए ऐसे अभियानों की सख्त जरूरत है। हमें गर्व है कि हम इस बदलाव का हिस्सा बन रहे हैं। पिंकिश फाउंडेशन के अध्यक्ष, अरुण गुप्ता, ने कहा कि उनका संगठन हर लड़की और महिला को माहवारी से संबंधित मदद और जानकारी देने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि माहवारी स्वच्छता के अभाव में कोई लड़की अपने सपनों से वंचित न रह जाए, यही हमारा लक्ष्य है। इस अभियान के तहत माहवारी स्वच्छता किट वितरित की गई, जिसमें सैनिटरी पैड, कपड़े, सैनिटाइजर, और छह महीने तक उपयोगी अन्य सामान शामिल था। यह पहल लड़कियों को न केवल शारीरिक, बल्कि मानसिक रूप से भी मजबूत बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

पिंकिश फाउंडेशन की महासचिव, शालिनी गुप्ता, ने कहा कि संगठन माहवारी से जुड़ी गलत धारणाओं को तोड़ने और महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए लगातार प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि हम आर्टेमिस फाउंडेशन के साथ मिलकर यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि हर लड़की को माहवारी स्वच्छता से जुड़े सभी संसाधन और जानकारी मिले। पिंकिश फाउंडेशन अब तक 29 से अधिक राज्यों में 3.5 मिलियन से ज्यादा सैनिटरी पैड वितरित कर चुका है। संगठन माहवारी से जुड़ी शर्म और अंधविश्वास को तोड़ने के लिए लगातार सक्रिय है। वहीं, आर्टेमिस हेल्थ साइंसेज फाउंडेशन वंचित समुदायों के स्वास्थ्य सुधार के लिए काम करता है। इसकी मोबाइल कैंसर स्क्रीनिंग यूनिट दूरदराज के इलाकों में पहुंचकर गंभीर बीमारियों की पहचान और रोकथाम में मदद करती है। 'हर कम्फर्ट' अभियान के जरिए यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि हर लड़की माहवारी के दौरान न केवल जागरूक बने, बल्कि सम्मान और आत्मविश्वास के साथ अपने जीवन को बेहतर बना सके।

मां पुष्पावती गंगा धाम पूठ मेले का विधिवत हुआ शुभारंभ

लोक तंत्र की शान
प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुर। बुधवार को क्षेत्र के हसनपुर विधानसभा क्षेत्र के मां पुष्पावती गंगा धाम पूठ मेले का विधिवत शुभारंभ हों गया बता ते चले कि विधायक महेंद्र सिंह खड़कवंशी एवं हसनपुर नगर पालिका अध्यक्ष राजपाल सैनी व अधिकारियों ने सर्वप्रथम विधि विधान के अनुसार हवन पूजन किया वह मां गंगा को दुग्ध अर्पित कर तथा फीता काटकर ऐतिहासिक कार्तिक पूर्णिमा मेले का शुभारंभ कर दिया, इस मौके पर हसनपुर नगर पालिका द्वारा विशेष सफाई व्यवस्था, जल छिड़काव एवं कैंप भी लगाया गया, इस मौके पर मुख्य रूप से विधायक महेंद्र सिंह खड़कवंशी, हसनपुर नगर पालिका अध्यक्ष राजपाल सैनी, उप जिला अधिकारी सुनीता सिंह, पुलिस क्षेत्राधिकारी दीप कुमार पंत, तहसीलदार मूसाराम सिंह, वीडियो हसनपुर प्रतिभा अग्रवाल, ब्लॉक प्रमुख गंगेश्वरी राजेंद्र सिंह खड़कवंशी, हसनपुर ब्लाक प्रमुख ममता गुर्जर, मंडल अध्यक्ष संजय शर्मा, हसनपुर कोतवाली प्रभारी रविंद्र प्रताप सिंह, देवेंद्र खड़कवंशी, अजय पाल, संजय सहदेव, संजय राणा, नंदन सिंह खड्गवंशी, ग्राम प्रधान करण सिंह, नगर स्वच्छता प्रेरक प्रशांत सैनी, इसांत सैनी, उदित गुर्जर आदि सहित भारी संख्या में श्रद्धालु गण मौजूद रहे।

आर्य प्रतिनिधि सभा द्वारा तिगरी मेले में लगे शिविर में यज्ञ का आयोजन किया गया

लोक तंत्र की शान
प्रवीण अग्रवाल
जिला प्रभारी
अमरोहा

हसनपुर/ तिगरी। प्रसिद्ध ऐतिहासिक तिगरी मेले में आर्य प्रतिनिधि सभा द्वारा एक शिविर का आयोजन किया गया है जिसमें 12 नवंबर को भी यज्ञ का आयोजन किया गया था वही बुधवार 13 नवंबर को भी यज्ञ का आयोजन किया गया जिसमें आर्य समाज हसनपुर के पदाधिकारी मुख्य यजमान के रूप में रहे, यज्ञ पुष्पेंद्र शास्त्री एवं सोमेश शास्त्री के द्वारा संपन्न कराया गया, वहीं शिविर में भजन कार्यक्रम में आर्य समाज की महत्वता पर प्रकाश डाला गया इस मौके पर हसनपुर, अमरोहा, धनोरा, गजरौला आदि स्थानों के आर्य समाज के पदाधिकारी गण एवं सदस्य मौजूद रहे, कार्यक्रम में मुख्य रूप से चरंजीलाल कॉलेज आफ एजुकेशन के डायरेक्टर पुनीत अग्रवाल, अधिवक्ता सुरमित गुप्ता, व्यापारी अंकित गुप्ता आदि सहित दर्जनों आर्य समाज के लोग मौजूद रहे।

अधिवक्ताओं ने गाजियाबाद पुलिस के विरुद्ध नारे लगाते हुए दूसरे दिन भी किया रोड जाम

लोक तंत्र की शान
प्रवीण अग्रवाल जिला
प्रभारी अमरोहा

हसनपुर। बुधवार को गाजियाबाद बार एसोसिएशन के आंदोलन के समर्थन में तहसील हसनपुर मे अधिवक्ताओं ने दूसरे दिन भी नवीन मंडी समिति परिसर के मुख्य मार्ग पर जाम लगाकर मार्ग अवरुद्ध कर दिया, इस मौके पर अधिवक्ताओं ने कहा कि गाजियाबाद पुलिस की दमनकारी नीति नाकाबिले बर्दाश्त है पुलिस अधिवक्ताओं पर झूठे मुकदमे लगाकर अधिवक्ताओं का शोषण कर रही है, वही एडवोकेट सुरमित गुप्ता ने बताया कि 16 नवंबर को गाजियाबाद में अधिवक्ता महासम्मेलन में तहसीलबार अध्यक्ष गंगा सिंह एडवोकेट के नेतृत्व में अधिवक्ता भारी संख्या में सम्मेलन में पहुंचेंगे, इस मौके पर मुख्य रूप तहसील बार एसोसिएशन के अध्यक्ष गंगा सिंह खड़क बंशी, सुरमित गुप्ता, दिनेश गुप्ता, चौधरी गजेंद्र सिंह, राजेंद्र सिंह, मुजाहिद चौधरी, सुनील भटनागर, सुबोध शर्मा, वीर सिंह, फतेह सिंह, विनोद त्यागी, अफताव आलम, मंगल सेन शर्मा, मदन राणा, मुकेश शर्मा, वीर सिंह, गौरव भारती आदि सहित सैकड़ो अधिवक्ता मौजूद रहे।

अवैध शराब की तस्करी करने वाला शातिर अभियुक्त को पुलिस ने अरेस्ट किया

लोकतंत्र की शान (कौशल रस्तोगी)

लखनऊ। गैर प्रान्त की विदेशी मदिरा (कुल 644 बोतल) 300 बोतल 750 एम एल व 344 बोतल 2000 एम एल व 01 मोबाइल फोन, 5090/- रूपया नगद तथा 02 अदद इन्वाइस दवाई एवं मुर्गी दाना सहित 01 ट्रक बरामद हुआ। घटना क्रम में दिनांक 13.11.2024 को जिला आबकारी अधिकारी द्वारा जरिये दूरभाष सूचना मिली कि एस०टी०एफ० टीम तहसील मोड़ इन्दौराबाग रोड पर बक्शी का तालाब क्षेत्र में मौजूद है जो अवैध शराब के परिवहन की सूचना दे रहे है तथा निर्देश दिया गया कि तत्काल एस०टी०एफ० तथा सम्बन्धित थाना से समन्वय स्थापित कर अभिसूचना पर कार्यवाही करें प्राप्त निर्देश के क्रम में प्रभारी निरीक्षक बक्शी का तालाब को सूचित कर एस०टी०एफ० टीम के मौजूदगी स्थल तहसील मोड़ इन्दौराबाग बक्शी का तालाब पर पहुंचे एस०टी०एफ० टीम व आबकारी टीम तहसील मोड़ इन्दौराबाग बीकेटी लखनऊ सहित टीम के सभी सदस्य तहसील मोड़ इन्दौराबाग रोड पर समय लगभग 05.00 बजे उपस्थित हो गए। आबकारी निरीक्षक मय हमराही बल के मुखबिर के बताए स्थान की तरफ पैदल पैदल चल दिए कि मुखबिर ने स्वंय रूककर बताया कि साहब सामने जो ट्रक खड़ा है वह वही ट्रक है जिसके बारे मे मैने आपको बताया था पुलिस द्वारा हिकमत अमली से किसान पथ फ्लाई ओवर के नीचे एनएच-24 पर सीतापुर लखनऊ रोड़ पर खड़े वाहन ट्रक नम्बर प्लेट एच आर69ए 8985 संख्या अंकित पाया गया जिसके चालक सीट पर बैठा व्यक्ति दिखायी दिया। जिसको वाहन से उतारकर समय 05:10 बजे नाम पता पूछते हुए वाहन में लदे सामान के सम्बन्ध में पूछा गया तो ड्राइवर सीट पर बैठे व्यक्ति ने अपना नाम हरिराम पुत्र रामकिशुन निवासी म०सं० 189 दरिया निवर रेलवे स्टेशन थाना फेस-1 एमडब्ल्यू चण्डीगढ़ बताते हुए स्वयं को ट्रक का स्वामी चालक और बताया कि वाहन में दवाई व मुर्गी का दाना लदा हुआ है जिसमे मैं जिरकपुर (पंजाब) से मुजफ्फरपुर व पटना (बिहार) लेकर जा रहा हूँ जिसके सम्बन्ध में बिल्टी पेपर दिखाया। उक्त व्यक्तिसे वाहन में लदे सामान को तिरपाल खोलकर दिखाने के लिए कहा गया तो उक्त व्यक्ति द्वारा तिरपाल हटाकर दिखाया गया तो ट्रक के अन्दर मुर्गी दाना की बोरियाँ व दवाई के पेटियो के साथ कुछ भूरे रंग के टेप से बंद गत्ते की पेंटियो को खोल कर देखा गया तो शराब की बोतलें दिखायी दी उपरोक्त पर पुलिस द्वारा अग्रिम कार्रवाई की जा रही है, गिरफ्तार करने वाली टीम मेंउ0नि0 अशोक कुमार,मुख्य आरक्षी नीरज कुमार मिश्रा,प्रभात यादव उ0नि0 शैलेन्द्र मिश्रा,आरक्षी सचिन यादव,आबकारी पुलिस टीम में आबकारी निरीक्षक संजीव कुमार तिवारी,आबकारी निरीक्षक कौशलेन्द्र रावत, आबकारी निरीक्षक अखिल कुमार गुप्ता,आबकारी निरीक्षक लक्ष्मीशंकर बाजपेयी,आरक्षी अम्ब्रीश कुमार,प्रधान आबकारी सिपाही ओंकार नाथ पाण्डेय,दीपक कुमार, प्रभात कुमार,पारस कुमार,प्रधान आबकारी सिपाही सुधीर कुमार,विजय शंकर यादव,गोविन्द यादव शामिल रहे।

राजधानी के सभी ऐतिहासिक स्थलों एवं हैरिटेज क्षेत्रों का निरीक्षण कर दिए गए आवश्यक दिशा निर्देश

लोकतंत्र की शान /देवेंद्र शर्मा

लखनऊ। नगर आयुक्त श्री इंद्रजीत सिंह जी के नेतृत्व में नगर निगम लखनऊ के सभी अधिकारियों द्वारा स्थानीय पुलिस बल के साथ प्रदेश की राजधानी के सभी ऐतिहासिक स्थलों एवं हैरिटेज एरिया का स्थलीय निरीक्षण किया गया। साथ ही यहां पर्यटकों के लिए लागू समस्त व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया।

*पर्यटकों को किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े इस उद्देश्य से किया गया निरीक्षण

*छोटा व बड़ा इमामबाड़ा इत्यादि ऐतिहासिक इमारतों व स्थलों का स्थलीय निरीक्षण, यहां की पार्किंग व्यवस्था, यहां पर्यटकों के उठने बैठन व घूमने के इंतजामों सहित तमाम व्यवस्थाओं को देखा गया।

*व्यवस्थाओं को और बेहतर करने के साथ ही व्याप्त खामियों को जल्द से जल्द डोर किये जाने के निर्देश दिए गए।

*साथ ही लखनऊ के समस्त ऐतिहासिक स्थलों पर साफ सफाई व्यवस्था का जायजा लेने के साथ जरूरी निर्देश दिए गए।

*उक्त निरीक्षण अभियान में नगर आयुक्त महोदय के साथ ही अपर नगर आयुक्त, जोनल अधिकारी जोन 02 व जोनल अधिकारी जोन 06 व अन्य अधिकारियों सहित स्थानीय पुलिस शामिल रही।

भारत के जवानों संग इजरायल, अमेरिका और फ्रांस के दिग्गज करेंगे गंगा आरती

सेना के बड़े अधिकारी और दुनिया के नामचीन संत गंगा आरती में होंगे शामिल

प्रयागराज, 13 नवम्बर : उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं को महाकुंभ की नव्यता, दिव्यता और भव्यता का एहसास कराने की तैयारी में जुटी है। वहीं दुनिया के विशिष्ट लोग भी महाकुंभ में सम्मिलित होने और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात करने को लालायित हैं। महाकुंभ के दौरान पहली बार इजरायल, अमेरिका और फ्रांस समेत तमाम देशों के दिग्गज गंगा आरती में शामिल होने की तैयारी कर रहे हैं। उनके साथ सेना के जवान भी शामिल होंगे।

देश के विशिष्ट संतों का होगा सम्मान

हरिहर गंगा आरती समिति रामघाट प्रयागराज के अध्यक्ष सुरेश चन्द्रा ने बताया कि काशी के तर्ज पर प्रयागराज में वर्ष 1997 में गंगा आरती की शुरूआत की गई। जिसके बाद से लेकर आज तक यह क्रम अनवरत जारी है। इसी के तहत, महाकुंभ के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ ही देश के कोने-कोने से आ रहे विशिष्ट संतों का सम्मान करने की योजना बनाई गई है। भारत के सभी प्रमुख तीर्थ स्थलों के संतों का एक साथ महाकुंभ के महा आयोजन में शामिल होना अविस्मरणीय होगा।

गंगा आरती में शामिल होंगे विदेशी मेहमान

भारत के सबसे बड़े राज्य के मुखिया योगी आदित्यनाथ के प्रति विश्व के ताकतवर देशों के लोगों में क्रेज लगातार बढ़ रहा है। इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि भारत के जवानों के साथ इजरायल, अमेरिका, फ्रांस, वियतनाम, इटली, कनाडा और म्यांमार के नामी लोग मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मिलने भारत आ रहे हैं। उन्होंने बताया कि ये सभी विदेशी मेहमान यहां की प्रसिद्ध गंगा आरती में शामिल होंगे। उनके साथ भारतीय सेना के बड़े अधिकारी भी रहेंगे। ये सभी हरिहर गंगा आरती समिति के मेहमान होंगे।

संत महाकुंभ को यादगार बनाने के लिए रोपेंगे पौधे

अयोध्या के प्रसिद्ध साधु महाकुंभ के दौरान अयोध्या के प्रसिद्ध साधु संत महाकुंभ को यादगार बनाने के लिए पौधरोपण भी करेंगे। राम वैदेही मंदिर के प्रमुख संत स्वामी दिलीप दास त्यागी ने बताया कि अयोध्या के संतों ने पर्यावरण को स्वच्छ रखने के लिए एक लाख ग्यारह हजार पौधे लगाने का संकल्प लिया है, जिसे महाकुंभ के दौरान अंतिम रूप दिया जाएगा। स्वामी दिलीप दास जी के साथ अयोध्या के कई और भी प्रमुख संत महाकुंभ को अविस्मरणीय बनाने की तैयारी में हैं।

'सीएम योगी के प्रयासों से आज सशक्त और सुरक्षित महसूस कर रहीं प्रदेश की महिलाएं'

लखनऊ, 13 नवंबर। प्रदेश में महिला सुरक्षा, सम्मान और सशक्तिकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में चलाए जा रहे मिशन शक्ति कार्यक्रम के तहत विभिन्न पहल निरंतर जारी हैं। इसी कड़ी में लखनऊ विश्वविद्यालय में मिशन शक्ति के पंचम चरण के अंतर्गत एक सामूहिक शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया। समारोह के दौरान वक्ताओं ने मिशन शक्ति अभियान को पूरे प्रदेश में महिलाओं के लिए एक सकारात्मक और सुरक्षित माहौल बनाने की दिशा में कारगर प्रयास बताया। सभी ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की इस बात को लेकर विशेष रूप से सराहना की कि उन्होंने यह सुनिश्चित किया है कि ऐसे कार्यक्रमों से समाज में जागरूकता बढ़े। वक्ताओं ने कहा कि सीएम योगी आदित्यनाथ के 'मिशन शक्ति' अभियान से आज प्रदेश की महिलाएं स्वयं को सशक्त और सुरक्षित महसूस कर रही हैं। समारोह के दौरान कुलपति आलोक राय ने उपस्थित सभी लोगों को एक शपथ दिलाई, जिसमें उन्होंने यह प्रतिबद्धता व्यक्त की कि विश्वविद्यालय का हर सदस्य महिलाओं के लिए सुरक्षित, सम्मानजनक और समावेशी वातावरण बनाने के लिए कार्यरत रहेगा। शपथ के मुख्य बिंदुओं में महिला उत्पीड़न या दुर्व्यवहार की स्थिति में मूक दर्शक न बनने, आवाज उठाने और हस्तक्षेप करने का संकल्प शामिल था। साथ ही यह भी कहा गया कि पीड़ित महिला का हरसंभव समर्थन किया जाएगा और अन्य लोगों को भी इसके लिए प्रेरित किया जाएगा। कुलपति ने अपने संबोधन में कहा कि यह शपथ केवल एक औपचारिकता नहीं, बल्कि हमारे समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का एक सशक्त कदम है। हमें इसे अपने व्यवहार और कार्यों में उतारना होगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि महिला सुरक्षा और सम्मान के लिए प्रत्येक व्यक्ति की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। डॉ. मानिनी श्रीवास्तव ने इस अवसर पर मिशन शक्ति के उद्देश्यों और अब तक की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि प्रदेश की योगी आदित्यनाथ की सरकार द्वारा संचालित इस अभियान का उद्देश्य महिलाओं के प्रति किसी भी प्रकार की हिंसा और उत्पीड़न को समाप्त करना है। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित छात्राओं ने भी अपने विचार साझा किए और बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में मिशन शक्ति कार्यक्रम महिलाओं के सशक्तिकरण और सुरक्षा की दिशा में एक अभिनव प्रयास है। कार्यक्रम की अध्यक्षता लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति आलोक राय ने की, जबकि इसकी समन्वयक डॉ. मानिनी श्रीवास्तव, नोडल अधिकारी, मिशन शक्ति, लखनऊ विश्वविद्यालय रहीं। इस कार्यक्रम में उपकुलपति प्रोफेसर मनुका खन्ना सहित सभी डीन, विभागाध्यक्ष, शिक्षकों, कर्मचारियों और भारी संख्या में छात्र-छात्राओं ने भाग लिया।

प्रदेश के पहले आयुष विश्वविद्यालय में चलेंगे यूनिक कोर्स

गोरखपुर, 13 नवंबर। सिटी ऑफ नॉलेज के रूप में ख्याति अर्जित कर रहे गोरखपुर में प्रदेश के पहले आयुष विश्वविद्यालय का निर्माण कार्य इस माह के अंत तक पूरा हो जाने की उम्मीद है। महायोगी गुरु गोरखनाथ के नाम पर बने इस विश्वविद्यालय में आयुष से जुड़े सभी चिकित्सा पद्धतियों पर पारंपरिक पाठ्यक्रमों के साथ आज के दौर की आवश्यकताओं के अनुरूप यूनिक कोर्स भी चलाए जाएंगे। इसे लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर आयुष विभाग के अफसर देश के अन्य राज्यों में चलाए जा रहे आयुष पाठ्यक्रमों के तुलनात्मक अध्ययन में जुटे हैं ताकि यहां चलाए जाने वाले और नए कोर्स की ड्राफ्टिंग की जा सके। फिलहाल पीएचडी समेत दर्जनभर पाठ्यक्रमों को चलाने की रूपरेखा तैयार कर ली गई है। भटहट के पिपरी में 52 एकड़ क्षेत्रफल में बन रहे महायोगी गुरु गोरखनाथ आयुष विश्वविद्यालय का शिलान्यास 28 अगस्त 2021 को तत्कालीन राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने किया था। आयुष विश्वविद्यालय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के ड्रीम प्रोजेक्ट में से एक है। शिलान्यास के बाद वह यहां आकर कई बार निर्माण कार्य का जायजा ले चुके हैं। अब इसका निर्माण लगभग पूरा हो चुका है। फिनिशिंग से संबंधित जो कुछ कार्य शेष हैं, उसके भी 30 नवंबर 2024 तक पूर्ण हो जाने की उम्मीद है। उल्लेखनीय है कि आयुष विश्वविद्यालय के अस्तित्व में आने से पहले आयुर्वेद, यूनानी, होम्योपैथी, प्राकृतिक चिकित्सा, योग, सिद्धा की चिकित्सा पद्धति, जिन्हें समन्वित रूप में आयुष कहा जाता है, के लिए अलग-अलग संस्थाएं रही हैं। पर, सत्र 2021-22 से प्रदेश के सभी राजकीय और निजी आयुष कॉलेजों का नियमन अब आयुष विश्वविद्यालय से ही होता है। वर्तमान सत्र 2024-25 में प्रदेश के 97 आयुष शिक्षण (आयुर्वेद, होम्योपैथी और यूनानी) के कॉलेज/संस्थान इस विश्वविद्यालय से संबद्ध हैं। इस सत्र में इन सभी कॉलेजों में कुल मिलाकर स्नातक और परास्नातक पाठ्यक्रमों के करीब सात हजार विद्यार्थी अध्ययनरत हैं। महायोगी गुरु गोरखनाथ आयुष विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. एके सिंह बताते हैं कि स्नातक और परास्नातक के साथ मुख्यमंत्री की मंशा के अनुरूप समयानुकूल कई और रोजगारपरक पाठ्यक्रम शुरू किए जाएंगे। पाठ्यक्रमों को लेकर आयुष विश्वविद्यालय ने जो आगामी कार्ययोजना बनाई है उसमें पीएचडी, बीएससी नर्सिंग आयुर्वेद, बी फार्मा आयुर्वेद, बी फार्मा होम्योपैथ, बी फार्मा यूनानी, पंचकर्म असिस्टेंट डिप्लोमा, पंचकर्म थेरेपिस्ट डिप्लोमा, विदेशी छात्रों के लिए डिप्लोमा, क्षारसूत्र डिप्लोमा, अग्निकर्म डिप्लोमा, उत्तरवस्ति डिप्लोमा और योग नेचुरोपैथी डिप्लोमा शामिल है। इसके अलावा कुछ सर्टिफिकेट कोर्स भी शुरू किए जाएंगे।

आयुष ओपीडी में अबतक एक लाख मरीज ले चुके हैं परामर्श लाभ

आयुष विश्वविद्यालय में आयुष ओपीडी का शुभारंभ 15 फरवरी 2023 को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किया था। तब से प्रतिदिन यहां आयुर्वेद, होम्योपैथी और यूनानी की ओपीडी में औसतन 300 मरीज परामर्श लेते हैं। ओपीडी शुभारंभ के बाद अब तक करीब एक लाख आयुष चिकित्सकों से परामर्श लाभ ले चुके हैं। अब जल्द ही यहां आयुष अस्पताल शुरू होने से आयुर्वेद, यूनानी, होम्योपैथ योग, प्राकृतिक चिकित्सा पद्धति आदि से उपचार की बेहतरीन सुविधा भी उपलब्ध होने लगेगी।

हेल्थ टूरिज्म और औषधीय खेती को मिलेगा बढ़ावा, सृजित होंगे रोजगार के अवसर

आयुष चिकित्सा पद्धति को बढ़ावा देने से आयुष हेल्थ टूरिज्म में रोजगार की संभावनाएं भी सृजित होंगी। इस पर गंभीरता से काम किया गया तो प्रदेश के इस पहले आयुष विश्वविद्यालय के आसपास के गांवों के लोगों को रोजगार के किसी न किसी स्वरूप से जोड़ा जा सकता है। आयुष विश्वविद्यालय के पूर्णतः क्रियाशील होने से किसानों की खुशहाली और नौजवानों के लिए नौकरी-रोजगार का मार्ग भी प्रशस्त होगा। लोग आसपास उगने वाली जड़ी बूटियों का संग्रह कर अतिरिक्त आय अर्जित कर सकेंगे। किसानों को औषधीय खेती से ज्यादा फायदा मिलेगा। आयुष विश्वविद्यालय व्यापक पैमाने पर रोजगार और सकारात्मक परिवर्तन का कारक बन सकता है।

यूपी में होगा कई प्रदेशों की जनजाति संस्कृतियों का संगम

लखनऊ, 13 नवंबर: योगी सरकार 15 से 20 नवंबर तक अंतरराष्ट्रीय जनजाति भागीदारी उत्सव मनाएगी। बिरसा मुंडा की जयंती (जनजातीय गौरव दिवस) पर उत्तर प्रदेश संगीत नाटक अकादमी में मेजबान राज्य समेत देश-विदेश की लोकसंस्कृति उतरेगी। आयोजन का शुभारंभ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ करेंगे। इस दौरान उत्तर प्रदेश संगीत नाटक अकादमी में मेजबान राज्य समेत देश-विदेश की लोकसंस्कृति उतरेगी। इसमें स्लोवाकिया व वियतनाम के लोककलाकारों द्वारा भी कार्यक्रम प्रस्तुत होगा।

समाज कल्याण मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) असीम अरुण ने बताया कि उद्घाटन समारोह के उपरांत 11 बजे से सांस्कृतिक समागम शोभायात्रा भी निकलेगी, जिसमें मेजबान उत्तर प्रदेश समेत अनेक राज्यों के कलाकार शामिल होंगे। प्रतिदिन शाम पांच से सांस्कृतिक कार्यक्रम भी होंगे। इसमें सहरिया, बुक्सा आदि जनजाति के लोकनृत्य का भी अवलोकन किया जा सकेगा तो वहीं दूसरी तरफ जनजाति लोकवाद्यों को भी मंचीय प्रदर्शन होगा। पोथी घर में जनजाति साहित्य के पुस्तकों का भी अवलोकन कर सकेंगे।

यूपी में होगा 22 राज्यों के 38 लोकनृत्य का संगम

समाज कल्याण, अनुसूचित जाति व जनजाति कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) असीम अरुण ने बताया कि 15 से 20 नवंबर तक 22 राज्यों के 38 लोकनृत्य का संगम होगा। इसमें मेजबान उत्तर प्रदेश के डोमकच, झीझी, जवारा, नगमतिया, चंगेली नृत्य से दर्शक अवगत होंगे। वहीं बिहार के उरांव, उत्तराखंड के झैंता, मध्य प्रदेश के भगौरिया, बैगा, रमढोला, पश्चिम बंगाल के नटुआ, मिजोरम के चेरांव, अरुणचाल प्रदेश के अका, पंजाब के शम्मी, केरल के इरुला, छत्तीसगढ़ के गंडी, भुंजिया, माटी मांदरी नृत्य से भी यूपी के दर्शक रूबरू होंगे। हिमाचल प्रदेश के सिरमौरी नाटी, राजस्थान के कालबेलिया, लंगा, मागजिहार व तेराताली, असम के बरदोई व शिखला लोकनृत्य की प्रस्तुति भी उत्तर प्रदेश में होगी। त्रिपुरा के हौजागिरी, झारखंड के खड़िया, गोवा के कुनबी, गुजरात के सिद्धि धमाल, जम्मू-कश्मीर के मोंगो (बकरवाल), सिक्किम के सिंघी छम, महाराष्ट्र के सांघी मुखौटा, ओड़िसा के घुड़का व कर्नाटक के फुगडी लोकनृत्य का संगम भी इस कार्यक्रम में होगा।

पोथी घर में जनजाति पुस्तकों का कर सकेंगे अवलोकन

कार्यक्रम के दौरान पोथी घर में भारत के जनजाति साहित्य से जुड़ी पुस्तकों के स्टॉल भी लगेंगे। इसमें देश की जनजातीय पर उनके गीत, नृत्य, चित्रकला, संस्कार, खेलकूद व रहन-सहन आदि की पुस्तकों का विक्रय व प्रदर्शन किया जाएगा। वहां के रहन-सहन, खान-पान, संस्कृति के बारे में भी जान सकेंगे। 16 से 20 नवंबर तक अनेक प्रांतों के लोकनृत्य/लोकगीतों से जुड़े कार्यक्रम अनवरत चलते रहेंगे। दोपहर 12 बजे से विमर्श भी होगा। 16 को क्रांतिकारी बिरसा मुंडा का स्वतंत्रता संग्राम में योगदान, 17 को जनजाति शिक्षा व स्वास्थ्य-जागरूकता व समाधान पर विमर्श कार्यक्रम होगा। 18 को 'लोकल से ग्लोबल तक' जनजातियों में उद्यमिता विकास की संभावनाएं तक विमर्श होगा। 19 को इसका विषय जनजाति विरासत संरक्षण व संवर्धन है। 20 को जनजाति विकास में गैर सरकारी संस्थाओं की भूमिका पर विमर्श होगा।

जनजाति लोकवाद्यों का भी करेंगे दीदार, देसी व्यंजनों का स्वाद भी करेगा आकर्षित

19-20 नवंबर को मध्य प्रदेश की टीम की तरफ से जननायक बिरसा मुंडा के जीवन पर आधारित नाटक की प्रस्तुति होगी। जनजाति लोकवाद्यों का मंचीय प्रदर्शन भी होगा। बुक्सा, सहरिया जनजाति, त्रिपुरा के हौजागिरी नृत्य, छत्तीसगढ़ के भुंजिया आदिवासी लोकनृत्य का भी आनंद उठा सकेंगे। 20 नवंबर को जनजाति कवि सम्मेलन का भी आयोजन किया जाएगा। आयोजन में घूमंतु जाति के कलाकार भी अपनी कला का प्रदर्शन करेंगे। जादू के भी कार्यक्रम होंगे। आयोजन में देसी व्यंजनों का स्वाद भी आकर्षित करेगा।

इन राज्यों के नामचीन कलाकार लेंगे हिस्सा

कार्यक्रम में सिक्किम के जिग्मी भुतिया, महाराष्ट्र के छभीलदास गवली, राजस्थान की पूजा कामड़, छत्तीसगढ़ के सुरेंद्र सोरी, मध्य प्रदेश के मौजीलाल, उत्तर प्रदेश के चंगेली नृत्य पर बूटी बाई व टीम, राजस्थान के रावण हत्था पर सुगनाराम, उत्तर प्रदेश के सैंड आर्ट को लेकर भास्कर विश्वकर्मा अपनी प्रस्तुति देंगे। बिहार के उरांव लोकनृत्य पर विश्वजीत सिंह व टीम, उत्तराखंड के जौनसारी लोकनृत्य पर दुर्गेश राणा पर टीम, अरुणाचल प्रदेश के अका-अना ने विधा पर मियाली सिडोसा व उनकी टीम, ओडिशा के घुड़का विधा पर वासुदेव साहा व टीम, मध्य प्रदेश के जनजाति लोकवाद्यों का मंचीय प्रदर्शन संजू सेन बालोद व उनकी टीम करेगी। बिरसा मुंडा पर आधारित नाट्य प्रस्तुति राजकुमार रायकवार व उनकी टीम करेगी।

सीएम योगी का तंज: ड्राइविंग सीट पर बैठने के लिए महाअघाड़ी में छीना झपटी

वाशिम/थाणे, 13 नवंबर: उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बुधवार को भी महाराष्ट्र दौरे पर रहे। उन्होंने 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' बनाने वाली भाजपा के लिए मतदाताओं से समर्थन मांगते हुए महायुति व महाअघाड़ी गठबंधन के फर्क को समझाया। बोले कि पीएम मोदी के नेतृत्व में महायुति गठबंधन (भाजपा, शिवसेना-शिंदे गुट, एनसीपी- अजीत पवार गुट) मिलकर महाराष्ट्र के विकास के लिए कार्य कर रहा है, जबकि महाअघाड़ी के पास ऐसी गाड़ी है, जिसमें स्टेयरिंग नहीं है। उस गाड़ी के टायर भी गायब हो गए हैं। ड्राइविंग सीट पर बैठने के लिए आपस में छीनाझपटी हो रही है। कांग्रेस के नेतृत्व में समाज व राष्ट्रद्रोही तत्वों को गले का हार बनाने वाले महाअनाड़ी गठबंधन के पास न नीति है और न ही देश को आगे बढ़ाने की नीयत। इनके पास नैतिक बल भी नहीं है। अनैतिक अनाड़ी गठबंधन के रूप में महाअघाड़ी चुनावी समर में है। यह लोग मुस्लिम तुष्टिकरण की राह पर चलकर देश की क्षति करना चाहते हैं। सीएम योगी ने बुधवार को कारंजा विधानसभा क्षेत्र से भारतीय जनता पार्टी की प्रत्याशी श्रीमती सईप्रकाश डहाके, वाशिम विधानसभा से प्रत्याशी श्याम रामचरण खोड़े, उल्हासनगर विधानसभा से भारतीय जनता पार्टी ने कुमार उत्तम चंद आयलानी, मीरा भाईंदर से उम्मीदवार नरेंद्र लालचंद जी मेहता, ओवला माजीवाड़ा से शिवसेना शिंदे गुट के प्रताप सरनाइक के लिए जनसभा की।

अंबाला

भारत विकास परिषद द्वारा सदर भारत को जानों प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता

प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता सिक्ख सीनियर सेकेंडरी स्कूल के विद्यार्थी।

अम्बाला छावनी : भारत विकास परिषद सदर भारत को जानों की प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की गई जिसमें अंबाला के लगभग 14 विद्यालयो ने भाग लिया । सिक्ख सीनियर सेकेंडरी स्कूल अंबाला छावनी के विद्यार्थी भी इस प्रतियोगिता के प्रतिभागी बने। प्रतियोगिता को कनिषक तथा वरिष्ठ दो वर्गों में बांटा गया जिसमें टीमों के मध्य रोचक तरीके से मौखिक प्रश्न मंच का आयोजन किया गया। टीमों के नाम संपर्क, सहयोग, सेवा, संस्कार, भारत अर्जुन तथा समर्पण पर आधारित थे जिसके द्वारा विद्यार्थियों को भारत के प्रति जागरूक करने का प्रयास किया गया। प्रतियोगिता का उद्देश्य भारत के इतिहास और सांस्कृतिक समृदता के बारे में विद्यार्थियों का ज्ञान जागृत करना था बी.डी स्कूल की प्रधानाचार्या शालिनी शर्मा इस प्रतियोगिता की मुख्य अतिथि रही। प्रतियोगिता को पांच चरणों में बांटा गया हर चरण में सिख सीनियर सेकेंडरी स्कूल के वरिष्ठ वर्ग के कला सकाय के हर्षित तथा खुशी ने प्रथम स्थान प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया। विजयी छात्रों के विद्यालय पहुंचने पर विद्यालय की मैनेजमेंट कमेटी के डायरेक्टर जगमीत सिंह जोश प्रधानाचार्या सुखजिंदर कौर कीथ तथा उप प्रधानाचार्य रीटा शर्मा जी ने विद्यार्थियों को प्रोत्साहित किया तथा आगे होने वाली प्रांत स्तरीय प्रतियोगिता में उनके भविष्य की उज्जवल कामना करते हुए आशीर्वाद भी दिया।

प्रताप पब्लिक स्कूल के प्रांगण में बाल दिवस का उत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।

तरावड़ी सुखविंदर सोही

तरावड़ी। कार्यक्रम की शुरूआत स्कूल चेयरपर्सन हन्नी चौधरी, निर्देशिका पिथी चौधरी एवं स्कूल प्रधानाचार्य विकास कुमार ने द्वीप प्रज्वलित करके किया। तत्पश्चात छात्र-छात्राओं ने भारतीय संस्कृति का परिचय देते हुए पारंपरिक वेशभूषा में वेलकम गीत के द्वारा उपस्थित सभी छात्रों और अध्यापकगण में बाल दिवस के प्रति उत्साह को बढ़ा दिया। बाल दिवस के उपलक्ष्य में बच्चों ने कई तरह के खेलों में अपना हुनर दिखाया कुछ बच्चों ने दौड़, रिले, हर्डल फ्लैट रेस, बिस्किट रेस, बेक रेस, बास्केट रेस, लेमन रेस, क्राउलिंग रेस ,गोरिल्ला जंप, पोटैटो रेस, बनाना रेस, साइकिल रेस और मेंढक रेस मैं अपनी फुर्ती का प्रदर्शन दिखाया। स्कूल प्रधानाचार्य विकास कुमार ने सभी बच्चों को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए बधाई दी और साथ उन्होंने बच्चों को खेलों के प्रति जागृत करते हुए कहा खेलों का मुख्य उद्देश्य शारीरिक गतिविधियों के महत्व को बढ़ावा देना है। खेल हमें फिट रहने, अनुशासन सीखने और दूसरों के साथ मिलकर काम करने में मदद करते हैं। खेल खेलना हमें टीम वर्क, नेतृत्व और दृढ़ता जैसे महत्वपूर्ण जीवन कौशल सीखाता है। बाल दिवस के उपलक्ष में एक विशेष प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया। इस प्रार्थना सभा में पंडित जवाहरलाल नेहरू के बारे में पूर्ण जानकारी और प्रेरणादायक भाषण दिए। स्वतंत्र भारत के पहले प्रधानमंत्री बच्चों से बेहद प्यार करते थे और कार्यक्रम में इस अवसर की भावना को स्पष्ट रूप से दशार्या गया इसमें शिक्षकों ने मंच संभाला और बच्चों के लिए एक आकर्षक सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश किया। जूनियर सेक्शन के शिक्षकों ने अपने पारंपरिक नृत्य के साथ ऊजार्वान और सुंदर चालों से दर्शकों को मंत्र मुग्ध कर दिया।

नाइट स्वीपिंग : सड़कों की सफाई के लिए हर माह 25 लाख का भुगतान, फिर भी एजेंसी कर्मचारी नहीं आते रात को नजर

हर पांच किलोमीटर में 20 सफाई कर्मचारी और एक सफाई दरोगा नियुक्त करना जरूरी

तत्कालीन नगर निगम कमीश्नर रोजगार कौशल निगम के सहायक निरीक्षक पर कर चुके कार्रवाई

शहर की कपड़ा मार्कीट में मंगलवार सुबह सात बजे लगे गंदगी के ढेर।

अंबाला शहर, नवंबर : नगर निगम ने कॉमर्शियल एरिया की सफाई के लिए हर माह 25 लाख से ज्यादा का ठेका एजेंसी को दिया हुआ है।

इसके तहत एजेंसी को हर रोज रात को अपने कर्मचारी लगाकर कामर्शियल एरिया की सफाई करनी होती है। लेकिन हैरानी की बात है कि कामर्शियल एरिया की सफाई होने की बजाय सडकों पर गंदगी के ढेर लगे है।

जबकि नगर निगम हर माह नाइट स्वीपिंग का भारी भरकम बिल एजेंसी को अदा कर रहा है। हैरानगी तो इस बात की है कि निगम के सफाई कर्मचारी ही सुबह होते कामर्शियल एरिया की सफाई खुद कर रहे हैं। नाइट स्वीपिंग की सफाई व्यवस्था को चैक करने के लिए आज तक न तो डिप्टी म्युनिसीपल और न ही मुख्य सफाई निरिक्षक मौके पर पहुंचते है। सिर्फ अधिकारी एजेंसी के बिलों पर साइन कर अपनी ड्युटी को इतिश्री कर रहे है। इसलिए शहर के कामर्शियल एरिया के हालात बद से बदतर हो गए हैं।

एशिया की सबसे बड़ी कपड़ा मार्किट की सडकों पर पसरी गंदगी यही हालात बंया कर रही है। जब दैनिक सवेरा टीम ने मंगलवार सुबर कामर्शियल एरिया की सडकों, नालियों और नालों का जायजा लिया तो यही हालात देखने को मिले।

शहर में 20 वार्ड जिसमें कॉमर्शिय एरिया 34 किलोमीटर : नगर निगम एरिया में 20 वार्ड हैं । इन वार्डो में कामर्शियल एरिया 34 किलोमीटर से ज्यादा है। सबसें बड़ा कामर्शियल एरिया एसिया की सबसे बड़ी कपड़ा मार्किट का है। जहां हरियाणा के अलावा पडौसी राज्यों के हजारों लोग यहां खरीददारी करने आते है। टैंडर के मुताबिक हर पांच किलोमीटर में 20 सफाई कर्मचारी व एक दरोगा सुपरवाईजर का होना जरूरी है। सबसे बड़ी बात यह है कि इन सभी कर्मचारियों के आधार कार्ड नगर निगम में जमा करवाने जरूरी है, ताकि एजेंसी फर्जी तरीके से कर्मचारियों को दिखाकर निगम से पेमैंट ना ले सके।

सहायक निरीक्षक पर हो चुकी कार्रवाई : पिछले माह ही तत्कालीन नगर निगम कमीश्नर सेनेंटरी विभाग के सहायक निरिक्षक पर कार्रवाई कर चुके हैं। जब यह कार्रवाई हुई निगम चचाओं में आ गया था। बताया जा रहा है कि सहायक निरिक्षक ने इस मामले को लेकर हाई कोर्ट की शरण ली है। इतना ही नहीं इससे पहले तत्कालीन मेयर शक्ति रानी शर्मा भी सहायक निरिक्षक की कमीश्नर से लेकर एसीएस तक शिकायत कर चुकी है।

एजेंसी को यहां करना होता है काम

निगम द्वारा जारी टैंडर के स्कोप ऑफ वर्क के मुताबिक एजेंसी को कॉर्मिशयल एरिया में सडकों की सफाई, नालों की सफाई के साथ-साथ उसमें से निकली गंदगी को उठाना जरूरी है। इसके साथ-साथ नालों व नालियों के किनारे लगे पौधों की सफाई और रोड के साथ बर्म की सफाई करना जरूरी है। नाइट स्वीपिंग के तहत सैक्टर 1,7,8,9,10 के कॉमर्शियल एरिया के अलावा कपड़ा मीर्किट, दशमेश मार्किट, शुक्लकुंड रोड, जगाधरी गेट, सहित 61 कामर्शियल एरिया है जहां रात को नगर निगम की एजेंसी ने 34.30 किलोमीटर की सफाई करनी होती है। एजेंसी को साल का करीब 2.50 करोड़ से ज्यादा का नगर निगम ने ठेका अलॉट किया हुआ है। जबकि नगर निगम ने इसका टैंडर जनवरी में 2.53 करोड़ का निकाला था। इसके बावजूद भी कामर्शियल एरिया की सफाई न होना एजेंसी पर सवाल खड़े करता है।

?????

जब इस बारे में चीफ सेनैटरी इंस्पेक्टर मुकेश शर्मा से बात की गई तो उन्होंने नाइट स्वीपिंग का दावा करते हुए कहा कि रात को कॉमर्शियल एरिया में प्रतिदिन टीम सफाई करती है । वहीं निगम के सेनैटरी इंस्पेक्टर एवं इंचार्ज राकेश रिक्की का कहना है कि कल छुट्टी होने की वजह से सफाई नहीं हो पाई। वरना हररोज सफाई होती है।

पालतु पशुओं को बेसहारा छोड़ने वाले पर लगेगा 10 हजार रुपए जुर्माना

बेसहारा पशुओं को गोशालाओं तक पहुंचाने के लिए नियुक्त किए नोडल अधिकारी : शाश्वत

एसडीएम नारायणगढ़ बैठक लेते हुए।

नारायणगढ़, नवम्बर : शहर में बेसहारा सांड़ों के हमले से दो व्यक्ति घायल होने पर प्रशासन हरकत में आया। एसडीएम ने गौशाला के प्रबंधको सहित अधिकारियों की बैठक लेकर बनाई सख्त रण नीति।

उपमंडल अधिकारी शाश्वत सांगवान ने बैठक लेकर कहा कि उपमंडल नारायणगढ़ को बेसहारा पशुओं से मुक्त उपमंडल बनाना हैं। इस उपमंडल को बेसहारा पशुओं से मुक्त करने के लिए आम नागरिक के साथ-साथ संस्थाओं के सहयोग की जरूरत होगी। इस उपमंडल में बेसहारा पशुओं को गउशालाओं तक पहुंचाने के लिए नोडल अधिकारियों की भी नियुक्ति की गई हैं। अहम पहलू यह है कि अगर कोई व्यक्ति प्रशासन के आदेशों की अवहेलना करते हुए अपने पालतू को बेसहारा छोड़ेगा तो उस व्यक्ति पर 10 हजार रूपए जुमार्ना भी लगाया जाएगा।

एसडीएम शाश्वत सांगवान मंगलवार को उपमंडल नारायणगढ़ में गौशालाओं के प्रतिनिधियों की एक बैठक ले रहें थे। इससे पहले एसडीएम शाश्वत सांगवान ने गउशालाओं के प्रधान व सम्बधिंत अधिकारियों के साथ बेसहारा पशुओं को पकड़ने की रणनीति पर विचार-विमर्श किया। इस दौरान गौशाला के प्रतिनिधियों ने अपनी कुछ समस्याएं व सुझाव भी रखें। एसडीएम ने गउशाला संचालकों को आश्वासन दिया कि प्रशासन की तरफ से हर प्रकार का सहयोग दिया जाएगा और किसी को भी परेशानी नहीं आने दी जाएगी। इतना ही नहीं प्रशासन तमाम सुझावों पर अमल करके आगामी कार्रवाई भी करेगा। बेसहारा पशुओं को पकड़ने व अन्य सुविधा के लिए अधिकारियों व कर्मचारियों की ड्यूटी लगा दी गई हैं। इस कार्य के लिए तहसीलदार नारायणगढ को नोडल अधिकारी नियुक्त किया जाता है। इस उपमंडल के गांव शहर में घूम रहे बेसहारा पशुओं को पकड़वा कर गउशाला में पंहुचाने का कार्य करेंगे। इसके साथ ही खण्ड विकास एवं पचायत अधिकारीए नारायणगढ एवं शहजादपुर भी गांवों में घुम रहे बेसहारा पशुओं को पकड़कर सम्बन्धित गौशाला में पहुंचाने के कार्य को करवाना सुनिश्चित करेंगे।

नगरपालिका सचिव व पशुपालक विभाग मिलकर पकड़ेगा

एसडीएम ने कहा कि सचिव नगरपालिका नारायणगढ़ शहरए उपमंडल अधिकारी पशुपालन विभाग नारायणगढ शहर सचिव नगरपालिका नारायणगढ़ के साथ मिलकर पकड़वायेंगे तथा गौशाला में पहुंचाकर उनकी टैगिंग करवाना सुनिश्चित करेंगें। उन्होंने कहा कि सचिव मार्कीट कमेटी नारायणगढ़ तथा शहजादपुर आप अपने 2 अधीनस्थ आने वाली सब्जी मंडियों के प्रधान व आढ़तियों को निर्देश दें कि वह खराब सब्जी व अन्य बची हुई सब्जी को सड़क के किनारे न गिराये। इसके साथ मंडी में एक स्थान चिन्हित करके ऐसी सब्जी इक्ट्ठा किया जाए तथा खंड विकास एंव पंचायत अधिकारी सचिव नगरपालिका नारायणगढ़ से सम्पर्क करके किसी सुरक्षित स्थान पर गिराया जाए। इस अवसर पर गौशाला नारायणगढ़ प्रबंधक सुमन गुप्ता, पशुपालन विभाग के एसडीओ दलजीत सिंह, नगर पालिका सचिव मोहित सैनी, बीडीओ जोगेश कुमार नारायणगढ़ व अन्य सम्बधिंत अधिकारीगण व कर्मचारी मौजूद रहे।

श्री राम मंदिर को उड़ाने की धमकी देने वाले खालिस्तानी आतंकी पन्नू की जीभ काटने वाले को विश्व हिन्दू तख्त देगा 21 लाख : वीरेश शांडिल्य

अंबाला, नवंबर : एंटी टैरेरिस्ट फ्रंट इंडिया व विश्व हिन्दू तख्त प्रमुख वीरेश शांडिल्य ने कनाडा सरकार के संरक्षण में बैठे खालिस्तानी आतंकवादी गुरपतवंत सिंह पन्नू ने अयोध्या राम मंदिर को उड़ाने की धमकी दी जिस पर वीरेश शांडिल्य ने घोषणा की कि जो भी व्यक्ति खालिस्तानी आतंकी पन्नू की जीभ काटकर लाएगा उसे 21 लाख रुपए ईनाम दिया जाएगा।

वीरेश शांडिल्य ने कहा कि इससे पहले भी इस खालिस्तानी आतंकवादी ने शिमला के डीसी दफ्तर पर खालिस्तानी झंडा लहराने का दिन व तारीख तय की थी और एंटी टेरोरिस्ट फ्रंट इंडिया व विश्व हिन्दु तख्त के सैंकड़ों सदस्य उनके नेतृत्व में शिमला डीसी ऑफिस पहुंचे थे लेकिन पन्नू की मां ने शायद दूध नहीं पिलाया होगा इसलिए पन्नू के खालिस्तानी समर्थक वहां नहीं पहुंचे लेकिन एंटी टैरेरिस्ट फ्रंट इंडिया ने शिमला डीसी कार्यालय के बाहर खालिस्तानी पन्नू का पुतला व झंडा जलाया था। वीरेश शांडिल्य ने कहा कि पाप का घड़ा भर चुका है इसलिए पन्नू ने अयोध्या में विश्व में बैठे करोड़ों सनातनियों को चुनौती दे दी अब उसका अंत नजदीक आ चुका है इसलिए शांडिल्य ने आज घोषणा की कि जो भी व्यक्ति गुरपतवंत पन्नू की जीभ काटकर लाएगा उसे 21 लाख रूपए विश्व हिन्दु तख्त देगा और उसे श्रेष्ठ सनातनी का अवार्ड देगा।

सुभाष पार्क में बनेगी ई-लाईब्रेरी और लगेगा सोलर सिस्टम : सचिन गुप्ता

छावनी के सुभाष पार्क का औचक निरीक्षण के दौरान एडीसी सचिन गुप्ता।

अम्बाला छावनी : अतिरिक्त उपायुक्त एवं नगर आयुक्त सचिन गुप्ता ने कहा कि अम्बाला छावनी के सुभाष पार्क में जल्द ही ई-लाईब्रेरी स्थापित की जाएगी। इस लाईब्रेरी से पार्क में आने वाले लोगों को फायदा होगा। इसके साथ ही पार्क में सोलर सिस्टम एवं पैनल भी लगाएं जाएगें। इन विकास कार्यो को करने के लिए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए हैं। एडीसी सचिन गुप्ता ने मंगलवार को अम्बाला छावनी के सुभाष पार्क का औचक निरीक्षण किया। इन निरीक्षण के दौरान एडीसी ने सुभाष पार्क की वास्तविक स्थिति को देखा और सम्बधिंत अधिकारियों को निर्देश दिए कि पार्क के लम्बित विकास कार्यो को जल्द से जल्द पूरा किया जाए। अगर किसी भी स्तर पर कोई लापरवाही पाई गई तो सम्बधिंत अधिकारी को किसी भी सूरत में बख्सा नहीं जाएगा। इसलिए सभी मेहनत व ईमानदारी के साथ अपनी ड्यूटी का निर्वहन करें।

सड़क सुरक्षा प्रतियोगिता में छात्राओं को सुरक्षा के नियमों की दी जानकारी

सड़क सुरक्षा जागरूकता प्रतियोगिता में भाग लेती हुई छात्राएं।

बराड़ा, नवंबर : संत मोहन सिंह खालसा लबाना गर्ल्स कॉलेज, बराड़ा में सड़क सुरक्षा जागरूकता के लिए एक विशेष प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कॉलेज की प्राचार्या, डॉ. इंदु विज के मार्गदर्शन में आयोजित इस प्रतियोगिता का संचालन सड़क सुरक्षा क्लब की संयोजिका डॉ. नवनीत कौर और सदस्य सुमन देवी ने किया। प्रतियोगिता एक घंटे की लिखित परीक्षा के रूप में आयोजित की गई, जिसमें बीए प्रथम, द्वितीय, तृतीय वर्ष और बीएससी प्रथम, द्वितीय, तृतीय वर्ष की छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर प्राचार्या डॉ. इंदु विज ने छात्राओं को सड़क सुरक्षा के महत्व पर जानकारी देते हुए यातायात नियमों का पालन करने के लिए प्रेरित किया। डॉ. नवनीत कौर ने इस आयोजन के सफल संचालन के लिए प्राचार्या डॉ. इंदु विज का धन्यवाद व्यक्त करते हुए कहा कि उनकी प्रेरणा से छात्राओं ने सड़क सुरक्षा के नियमों को गंभीरता से समझा और अपने जीवन में इन नियमों को अपनाने का संकल्प लिया।

समय-समय पर प्रतियोगिताओं से बच्चों का होता है सर्वांगीण विकास : बीइओ, बराड़ा

प्रतियोगिता में भाग लेते हुए स्कूली बच्चे।

बराड़ा, नवंबर : बराड़ा के सभी राजकीय एवं निजी स्कूलों में खंड शिक्षा अधिकारी प्रमोद कुमार राणा के नेतृत्व में आज सड़क सुरक्षा प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में स्तर-1 (कक्षा 3 से 5), स्तर-2 (कक्षा 6 से 8), स्तर-3 (कक्षा 9 से 12) के विद्यार्थियों के साथ-साथ कॉलेज के छात्रों ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों को सड़क सुरक्षा के महत्वपूर्ण नियमों की जानकारी देना था, ताकि वे सड़क पर सुरक्षित रहते हुए आवश्यक नियमों का पालन कर सकें। खंड शिक्षा अधिकारी प्रमोद कुमार राणा ने बताया कि ₹इस प्रकार की प्रतियोगिताएं बच्चों के सर्वांगीण विकास में सहायक होती हैं। प्रतियोगिता के माध्यम से न केवल उनके ज्ञान में वृद्धि होती है, बल्कि उनके जीवन में सुरक्षा के प्रति जागरूकता भी पैदा होती है। सभी स्कूलों के विद्यार्थियों ने बड़े उत्साह के साथ इस प्रतियोगिता में भाग लिया।

पॉलिटेक्निक के छात्रों ने दिया नैतिक शिक्षा का प्रमाण

छात्रों को सम्मानित करते प्रधानाचार्य डॉ. राजीव सपरा ।

अंबाला शहर, नवंबर : आज की आधुनिकता में दौड़ते हुए माहौल में पॉलिटेक्निक के दो छात्रों ने दिखाया कि आज भी शिक्षकों और अभिभावकों द्वारा दी गई ईमानदारी की सीख खतम नहीं हुई है। पॉलिटेक्निक में पढ़ने वाले मैकेनिकल द्वितीय वर्ष के छात्र शोभित तथा सिविल के छात्र सम्राट ने ईमानदारी की मिसाल दी।

कल पुलिस लाइन चौक, अंबाला शहर में बरनाला गाँव के रहने वाले गुरप्रीत का वॉलेट गिर गया था उसमें जिसमे बहुत सारे पैसे और क्रेडिट कार्ड भी रखे हुए थे।

आसपास पता करने पर जानकारी न मिलने पर उन्होंने वॉलेट में से आधार कार्ड निकाल कर फोन सर्च करके गुरप्रीत को फोन किया और उनका पर्स वापस किया। बाद में गुरप्रीत ने उन छात्रों के बारे में जानकारी निकाल कर संस्थान के प्रधानाचार्य को इस बारे संज्ञान दिया। उन्होंने कहा कि उनको उन छात्रों पर गर्व है।

प्रधानाचार्य डॉ. राजीव सपरा ने उन छात्रों को बुला कर उनकी प्रशंसा की और कहा कि वो आगे भी ऐसे ही नैतिकता वाले काम करते रहेंगे जिस से कि उनके माता पिता, अध्यापक और संस्थान उन पर गर्व करता रहेगा। प्रधानाचार्य और उनके विभागाध्यक्ष कप्तान जगजीत सिंह नारंग ने उनको सम्मानित भी किया। प्रीतपाल कौर ने इस अवसर पर उनको बधाई देकर कहा कि इससे और छात्रों को भी अच्छी शिक्षा मिलेगी।

द एस.डी.विद्या स्कूल में दीवान रघुनाथ सहाय मेमोरियल लीग-वार्षिक खेल उत्सव

प्रतियोगिता में भाग लेते विद्यार्थी व विजेता प्रतिभागोयों के साथ प्राचार्या नीलइंद्रजीत कौर संधू व अन्य।

अम्बाला छावनी, नवंबर : द एस.डी.विद्या स्कूल में वार्षिक खेल उत्सव के क्रम में कक्षा 3 से 5 और 6 से 8 तथा कक्षा 9 से 12 के मध्य दीवान रघुनाथ सहाय मेमोरियल लीग खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। आज फिर विद्यालय में रोमांचक प्रतिस्पर्धा और खेल कौशल का दौर आरंभ हुआ। कक्षा 3 से 5 के फुटबॉल और बास्केटबॉल मैच में विद्यालय की निर्देशक प्राचार्या नीलइंद्रजीत कौर संधू एवं प्राइमरी विंग की निर्देशक एवं कोऑर्डिनेटर अनुरुप जोहल बच्चों का उत्साह बढ़ाने के लिए उपस्थित थीं।

कक्षा 6-12 की खेल प्रतियोगिताओं में वंदना मेहता (कक्षा 6-12 की विंग निर्देशक), मीणा भल्ला, वंदना शर्मा तथा सभी कक्षा प्रभारी, शिक्षक और छात्र भी सभी प्रतियोगियों के मनोबल को बढ़ाने के लिए तथा उनमें नया जोश भरने के लिए एकत्रित थे। कक्षा 3 से 5 के परिणाम इस प्रकार रहे-

फुटबॉल मैच में टीम नेमार और मैसी जूनियर टीमों के मध्य मैच खेला गया और मैसी जूनियर टीम विजयी रही।

बास्केटबॉल प्रतियोगिता में लेब्रोन जेम्स और माइकल जॉर्डन टीमों के मध्य मैच खेला गया और लेब्रोन जेम्स टीम विजेता घोषित हुई। कक्षा 6 से 8 वर्ग के फुटबॉल मैच में टीम सुभरता पाल और शबीर अली टीम के मध्य प्रतियोगिता हुई। इस रोमांचक मैच में सुभरता पाल टीम विजयी रही। कक्षा 9 से 12 वर्ग के फुटबॉल मैच में टीम सुनील क्षेत्री और बाईचंग भूटिया टीम के मध्य प्रतियोगिता हुई। इस रोमांचक मैच में बाईचंग भूटिया टीम विजयी रही।

कक्षा 9-12 के एथलेटिक्स प्रतियोगिता के परिणाम

100 मीटर रेस में गुरजोत ने पहला स्थान प्राप्त किया, रुद्र दूसरे स्थान पर और सायांश तीसरे स्थान पर रहे। लड़कियों में अरायना पहले स्थान पर, तान्या दूसरे स्थान पर और जिया तीसरे स्थान पर रहीं। 200 मीटर रेस में अर्चित ने पहला स्थान हासिल किया, उदयवीर दूसरे स्थान पर और दक्ष ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। लड़कियों में एंजल ने पहला स्थान प्राप्त , निशा ने दूसरा स्थान पर और मन्नत तीसरे स्थान पर रहीं।

4*100 मीटर रिले रेस में लड़कों की टीम रुद्र, कृष्ण, उदयवीर और वीरप्रताप ने पहला स्थान प्राप्त किया और सायांश, राघव, सुजल और रुद्राक्ष दूसरे स्थान पर तथा केशव, सौरीश, आहान और आर्यन तीसरे स्थान पर रहे।

4*400 मीटर रिले रेस में लड़कों की टीम स्नेहित, अनिरुद्ध, सत्यम और दक्ष ने पहला स्थान प्राप्त किया, जबकि वैभव, कवीश, गीतुष और भवदीप ने दूसरा स्थान प्राप्त किया तथा रोहित, अंशु, आरव और आर्यन ने तीसरा स्थान प्राप्त किया।

लड़कियों की 4*400 मीटर रिले में, तान्या, सुहानी, पारसी और मुस्कान ने पहला स्थान प्राप्त किया और मन्नत, राधिका, समीक्षा और जिया ने दूसरा स्थान प्राप्त किया तथा सारिका, याशिका, निशा और अरायना ने तीसरा स्थान प्राप्त किया।

विजेताओं को पदक प्रदान किए गए। निर्देशक प्राचार्या नीलइंद्रजीत कौर संधू ने न केवल छात्रों की उत्साहपूर्ण भागीदारी के लिए बल्कि खेल विभाग की भी एक सफल आयोजन के लिए सराहना की, जिसने न केवल एथलेटिक प्रतिभा को प्रदर्शित किया बल्कि खेल भावना की संस्कृति को भी बढ़ावा दिया। उन्होंने दोहराया कि स्कूल के अध्यक्ष बी.के. सोनी छात्रों के समग्र विकास को बढ़ावा देते हैं और चाहते हैं कि वे ऊंची उड़ान भरें और आकाश को छूएं।

संक्षिप्त समाचार

न्यायालय ने किया दण्डित

चित्रकूट। न्यायालय ने मारपीट गाली गलौच करने के चार अभियुक्तों को न्यायालय उठने तक की सजा व छह-छह हजार रुपये के अर्थदण्ड से दण्डित किया। सहायक अभियोजन अधिकारी बृजमोहन ने बताया कि न्यायालय सिविल जज सीडी एफ्टीसी सुश्री सोनम गुप्ता ने अभियुक्त रामू पुत्र स्वयंवर, भोलिया उर्फसुरेशमा पत्नी रामू, केशना उर्फ झुल्लन पुत्री रामप्रसाद, रामप्रसाद पुत्र परसन निवासी चांदी को न्यायालय उठने तक की सजा व प्रत्येक को छह-छह हजार रुपये के अर्थदण्ड से दण्डित किया। उधर सहायक अभियोजन अधिकारी हरिओम सिंह ने बताया कि न्यायाधीश सिविल जज (सी0डि0) एफ्टीसी सोनम गुप्ता ने आरोपी कृष्णगोपाल पुत्र चुन्नीलाल निवासी डढ़िया थाना फ्तेहगंज जनपद बांदा को न्यायालय उठने तक की सजा व दो हजार रूपए के अर्थदण्ड से दंडित किया।

किसानों की समस्याओं के निराकरण को देंगे धरना

चित्रकूट। किसानों की समस्याओं को लेकर 18 नवंबर को धरना प्रदर्शन करने को लेकर भाकपा व किसान सभा की संयुक्त बैठक रामकिशोर यादव की अध्यक्षता में हुई। बैठक में नेताओं ने कहा कि यूं तो भाजपा की डबल इंजन सरकार के शासनकाल में जनता अनेकानेक समस्याओं से जूझ रही है परन्तु उपरोक्त समस्याओं ने किसानों और गरीबों को बुरी तरह व्यथित किया हुआ है। अतएव दोनों संगठनों ने तात्कालिक तौर पर इन पर बल देने और सरकारों को इनके हल के लिए बाध्य करने के उद्देश्य से उपर्युक्त आन्दोलन करने का निश्चय किया है। प्रदर्शन के उपरान्त राष्ट्रपति और राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन दिये जायेंगे। इस मौके पर का. अमित यादव, संदीप पाण्डेय, उत्तर कमलाकांत यादव, संजय सिंह, कमलेश, शिवबरन, शिवनरेश, सुशील सिंह, कमलाकांत यादव, संजय सिंह, बृजभूषण, सुरेन्द्र कुमार, महेन्द्र सिंह पटेल मौजूद रहे।

बीज मिनी किट पाकर गदगद नजर आए किसान

बांदा। जसपुरा में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन योजना के तहत मंगलवार को ब्लाक में क्षेत्रीय किसानों को निशुल्क दलहन और तिलहन बीज मिनीकिट का वितरण किया गया। इस कार्यक्रम में जलशक्ति राज्य मंत्री रामकेश निषाद के अलावा ब्लाक प्रमुख राजकुमारी और उनके प्रतिनिधि महेश निषाद भी मौजूद रहे। मिनी किट वितरण के साथ ही किसानों का हौसला बढ़ाया गया।

खंड विकास अधिकारी गरिमा अग्रवाल ने राज्यमंत्री रामकेश निषाद को समृति चिन्ह भेंट किया। एडीओ एजी वीरबहादुर सिंह कृषि रक्षा इकाई जसपुरा व सदस्य, भूमि संरक्षण अधिकारी अब्दुल हमीब खां, विजय कुमार की मौजूदगी में यह वितरण सफलता पूर्वक संपन्न हुआ। इस पहल के अंतर्गत 670 किसानों को चना, मसूर अलसी, आदि का मिनीकिट प्रदान किए गए, जिससे फसल उत्पादन को बढ़ावा देने की दिशा में एक सकारात्मक कदम माना जा रहा है। इस मौके पर अधिकारियों ने किसानों को बीज के उचित उपयोग और कृषि में नई तकनीकों के लाभ के बारे में जानकारी भी प्रदान की।

एकादशी में कृष्ण भक्ति में डूबा मिनी वृन्दावन

कार्तिक मास धर्म को महीना..मेला लगत इते भारी, वृन्दावन भई चरखारी, सुरक्षा व्यवस्था की दृष्टि से पुलिस कप्तान नें किया मेले का निरीक्षण

गोवर्धन्नाथ जू मंदिर व बाजार में गन्ना की खरीददारी करते लोग

■ महोबा

ऐतिहासिक एवं धार्मिक महत्व के मेला गोवर्धन्नाथ जू महाराज के 140 वें आयोजन के प्रमुख दिन एकादशी पर भगवान गोवर्धन्नाथ सहित भगवान कृष्ण के 108 मंदिरों के दर्शन एवं परिक्रमा के लिए भक्तों का सैलाब उमड़ पड़ा जहां देवोत्थानी ऐकादशी पर्व में समूचे बुंदेलखंड़से आयी कतिकारियों ने हजारों की संख्या में गोवर्धननाथ जू मेला मंदिर पहुँचकर भगवान गोवर्धननाथ जू के दर्शनकर पुण्यलाभ अर्जित किया। वहीं मेला में उमड़ने वाली भारी भीड़ को दृष्टिगत रखते हुए पुलिस अधीक्षक महोबा पलाश बंसल ने भी मेले का निरीक्षण किया।

बताते चलें कि ऐतिहासिक गोवर्धननाथ जू मेला का शुभारम्भ महाराज सर मलखान सिंह जूदेव ने सन 1883 में किया था। भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं पर आधारित मेला का आयोजन 1983 से निरन्तर जारी है तथा इस वर्ष 141वें मेला का आयोजन जारी है। धार्मिक महत्व पवित्र कार्तिक मास में कार्तिक स्नान एंव व्रत रखने वाली महिलाओं के लिये विशेष पुण्यलाभ प्राप्त कराने वाला है। धार्मिक विशेषता के चलते विशेषकर एकादशी पर्व पर पूरे बुन्देलखण्ड क्षेत्र से हजारों की संख्या में श्रद्धालु मेला में पहुंचते हैं और इस वर्ष भी आस्था का यह सैलाब चरखारी मेला में देखा गया जहां हजारों की संख्या में आयी हुई महिलाओं के साथ बच्चे व पुरूषों ने मंदिरों में मत्था टेका। सुबह से ही कार्तिक स्नान के उपरान्त महिलाएं पूजा व परिक्रमा के लिए मंदिर पहुंचना शुरू हो गयी और दोहपर होते होते मेला श्रद्धालुओं से पट गया। मेला के दौरान एक ओर जहां भगवान के दर्शन व परिक्रमा करते दिखाई दिए वहीं मेला के दौरान श्री विष्णु महायज्ञ'ल, रासलीलाल व खेलतमाशा मुख्य आकर्षण का केन्द्र रहे।

मेला के प्रमुख पर्व व अवसर पर बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं व दर्शनार्थियों की सुरक्षा एवं सुविधाओं का प्रबन्ध मेला आयोजन समिति नगर पालिका परिषद प्रशासनिक अधिकारियों एवं पुलिस विभाग द्वारा किए गए। मेला में सुरक्षा व्यवस्था की निगरानी में एसडीएम डॉ0 प्रदीप कुमार' सीओ रविकान्त गोंड प्रभारी निरीक्षक प्रवीण कुमार मेला कोतवाली प्रभारी सनय एवं राजकुमार यादव भारी पुलिस बल के साथ मौजूद रहे। लेकिन तमाम सुरक्षा व्यवस्था के बीच चोर भी सक्रिय रहे जहां चोरों ने कई महिलाओं के मंगलसूत्र एवं मोबाईल पर हाथ साफ कर दिया। नगर पालिका द्वारा स्थापित खोया-पाया विभाग ने कई बच्चों को परिजनों से मिलाया इस दौरान नगर पालिका अध्यक्ष मंजू कुशवाहा, ईओ अमरजीत, लिपिक अय्यूब खां मेला प्रभारी संजीत कुमार, सभासद मुहम्मद सरफराज, रामसेवक सेनी,सुरेन्द्र प्रताप सिंह,पियूष खरे,राम महाराज शीलू, राम महाराज, मुस्तफा खान सहित भारी संख्या में लोग मौजूद रहे।

गन्ना खरीदने के लिए बाजारों में रही भारी भीड़

देवोत्थान एकादशी (ग्यास) का पर्व शहर सहित पूरे जिले में मंगलवार को श्रद्धा एवं उत्साह के साथ मनाया गया। महिलाओं ने घरों के आंगन में रंगोली सजाकर भगवान विष्णु के चरणों में गन्ना, सिघाड़ा तथा अन्य पूजन सामग्री अर्पित की गई। श्रद्धालुओं ने उपवास रखकर पूजन किया गया और बाद में गन्ने का प्रसाद वितरण किया गया। इस दिन से ही हिंदू रीति रिवाज के अंतर्गत विवाह समारोह शुरू हो जाते हैं। इस दिन गन्ना का चढ़ावा होने पर किसान अपने अपने खेतों में लगी गन्ने की फसल की रखवाली करते नजर आने लगेगे। एकादशी में गन्नों की पूजा होने के कारण सुबह से ही शहर के ऊदल चौक, तहसील चौराहा, शुक्रवारी बाजार सहित जिले के अन्य कस्बों और गांवों के तमाम चौराहो के अलावा सड़क किनार गन्ना विक्रेता ट्रैक्टरों व अन्य वाहनों में गन्ना लोड करके बेचने के लिए पहुंच गए। बाजार में गन्ना पहुंचते ही कुछ समय में गन्नों की बिक्री शुरू हो गई, जिससे सारा दिन हुई बिक्री के चलते विक्रेता कई बार वाहनों से गन्ना लाकर बेचने में जुटे रहे। गन्नों की 20 से 50 रुपये कीमत होने से किसानों ने भी जमकर कमाई की। पूजा सामग्री व गन्ने खरीदने के लिए लोग सुबह से ही बाजार पहुंच गए, जहां पर महंगे दामों में गन्ने खरीदकर घर लाए और पूजा के लिए घर सजाए गए। बताया जाता है कि भगवान विष्णु चार माह तक आराम करते हैं, इसके बाद देवोत्थान के दिन जागते हैं। देवोत्थान के दिन से ही शादी, विवाह, सगाई व सारे शुभ कार्य शुरू होते हैं। भगवान विष्णु की विधि विधान के साथ आराधना करने से भक्तों के हर दुख दर्द दूर हो जाते हैं। इस दिन लक्ष्मी नारायण की पूजा करना शुभ माना जाता है, इसलिए लोगों ने पूर्व में घरों की साफ सफाई, लिपाई पुताई करने चमाचम कर लिया और ग्यास पर्व पर पूजा अर्चना कर सुख समृद्धि की प्रार्थनाएं की।

धूमधाम से मनाया गया खाटू श्याम जन्मोत्सव, निकाली शोभायात्रा

■ बांदा

देवोत्थान एकादशकी के मौके पर मंगलवार को खाटू श्याम का जन्मोत्सव मनाया गया। इस दौरान भव्य शोभायात्रा निकाली गई। जगह-जगह पर श्रद्धालुओं ने रोककर भगवान स्वरूपों की आरती उतारी। इसके साथ ही डीजे की धुन पर जमकर नृत्य किया। रह-रहकर खाटू श्याम सरकार की जय-जयकार होती रही।

खाटू श्याम जन्मोत्सव मंगलवार को शहर में धूमधाम से मनाया गया। खाटू श्याम की विशाल प्रतिमा का अनावरण किया गया। मंदिर में मौजूद खाटू श्याम भक्तों ने जयकारा लगाया। इसके साथ ही सैकड़ों की संख्या में भक्तों ने भगवान के स्वरूपों को रथ में बैठाकर शोभायात्रा निकाली। श्रद्धालु डीजे की धुन पर श्याम भजनों पर थिरकते रहे। खाटू श्याम जी जन्मोत्सव का आयोजन शहर में बड़े धूमधाम से किया गया। भगवान श्याम के भक्तों ने विशेष पूजा-अर्चना की और उनकी महिमा का गुणगान किया। यह आयोजन शहर के लोगों को एकजुट करने में सफल रहा। इस दौरान संगीता शिवहरे और पप्पू शिवहरे ने व्यवस्थाओं की जिम्मेदारी संभाली। इस मौके पर नगर अध्यक्ष मालती बासू, अध्यक्ष मोंटू गुप्ता, महामंत्री वीरेन्द्र गुप्ता, रामबहोरी शिवहरे पप्पू, सुधीर तिवारी, रवि शिवहरे, जीतू गुप्ता, राकेश गुप्ता, राजेश गुप्ता, शिवकुमार राजपूत, अमित गुप्ता, केके गुप्ता, संगीता शिवहरे, सुमन यादव, सुनीता, पल्लवी, गोयल, प्रियंका, रूबी, विमला, शैल गुप्ता आदि सैकड़ों की संख्या में भक्त शामिल रहे।

18 नवंबर को होगा जागरूकता कार्यक्रम

महोबा। उद्योग कल्याण समिति भवन अलीपुरा महोबा में 18 नवम्बर को जनपद के खान मालिको, अभिकर्ताओं, मैनेजर, सुपरवाइजर और कामगारों के लिए विस्फोटकों का सुरक्षित भंडारण, परिवहन, उपयोग और संचालन एवं अन्य मुख्य विषयों पर एक जागरूकता कार्यक्रम का आयेजन किया जा रहा है।जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन सुबह साढे ग्यारह बजे किया जाएगा। कार्यक्रम में निदेशक, खान सुरक्षा, गाजियाबाद क्षेत्र, जिला खनन अधिकारी, महोबा सहित तमाम अधिकारी उपस्थित होंगे।

वेडिंग फेस्ट पर फीनिक्स यूनाइटेड में पाएं ढेरों उपहार

›› 11,999 की खरीद पर निश्चित उपहार
›› सर्वश्रेष्ठ ग्राहक को ब्रांडेड घड़ी

बरेली। दीपावली के अवसर पर फीनिक्स यूनाइटेड मॉल, बरेली की ओर से दिए गए ऑफर्स का फायदा उठाने में अगर आप भी चूक गए हैं तो परेशान न हों। इस बार फीनिक्स यूनाइटेड आपके लिए वेडिंग फेस्ट लेकर आया है, जिसमें खरीदारी कर ढेरों ऑफर्स का फायदा उठा सकते हैं। यह ऑफर्स लगभग 25 से अधिक ब्रांड्स पर दिए जा रहे है। 15 नवम्बर से 30 नवम्बर 2024 तक चलने वाले फीनिक्स वेडिंग फेस्ट में खरीदारी करने वाले ग्राहकों के लिए ढेरों उपहार जीतने का मौका है।

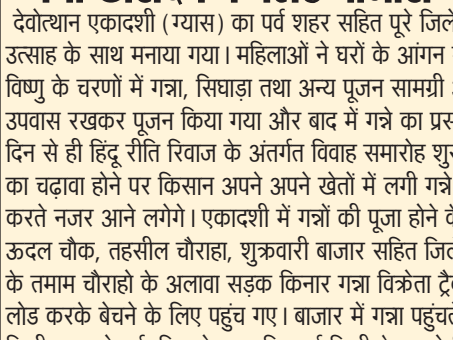

प्रत्येक सोमवार से शुक्रवार के बीच सुबह 11 बजे से रात 10 बजे तक फीनिक्स यूनाइटेड में 11,999 या अधिक की निश्चित ब्रांड पर खरीदारी करने वाले सभी ग्राहकों को निश्चित उपहार मिलेंगे। वेडिंग फेस्ट के बारे में जानकारी देते हुए फीनिक्स मिल्स लिमिटेड के सीनियर सेंटर डायरेक्टर श्री संजीव सरीन बताया कि फीनिक्स यूनाइटेड की ओर से वेडिंग सीजन को देखते हुए यह तैयारी की गई है। जहां पर कस्टमर्स की एक ही जगह पर सभी जरूरतें पूरी हो जाएं। उन्हें शेरवानी से लेकर लहंगा व अन्य चीजों के लिए अलग-अलग जगहों के चक्कर न लगाना पड़ें, इसका भी खास ध्यान रखा गया है। विवाह की यादें जीवन के सुनहरे दिनों की शुरूआत होती हैं। यह बात फीनिक्स यूनाइटेड बखूबी समझता है। विवाह की तैयारियों का अनुभव लोगों के लिए यादगार हो इसके लिए हम ऐसे शानदार उपहार लेकर आए हैं, जिनसे आपकी खुशियां कई गुना बढ़ जाएं। उन्होंने बताया कि फीनिक्स वेडिंग फेस्ट में सबसे अधिक मूल्य की खरीदारी करने वाले सर्वश्रेष्ठ ग्राहक को एक ब्रांडेड घड़ी के उपहार से सम्मानित किया जाएगा, जो हमेशा उसे इस यादगार पल की याद दिलाता रहे।

एसपी की चौखट पर पहुंचा पीड़ित, लगाई न्याय की गुहार

महोबा। कस्बा चरखारी के एक घर में युवक अपने साथियों के साथ घुस गया और महिला को लाठी डंडों से मारपीट कर उसकी नाबालिग पुत्री को बहला फुसलाकर भगा ले गया। पुलिस से शिकायत करने के बाद भी कोई उक्त युवक पर कोई कार्रवाई न किए जाने से परेशान माता पिता ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर न्याय की गुहार लगाते हुए एक शिकायती पत्र देते हुए युवक के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। उधर थाना पनवाड़ी क्षेत्र में एक किसान के खेत से बालू निकालने का पैसा बालू माफिया द्वारा न दिए जाने पर उसने भी एसपी को तहरीर देकर पैसा दिलाए जाने की मांग की है। कस्बा चरखारी निवासी सुमित्रा पत्नी रूपिंसंह ने पुलिस अधीक्षक को दिए शिकायती पत्र में बताया कि कुछ दिन पूर्व गावं के एक युवक अपने कुछ साथियों के साथ घर आया और उसके साथ गाली गलौज करने लगा। विरोध करने पर दबंगों ने उसे लाठी डडों से मारापीटा और उसकी नाबालिग पुत्री को बहला फुसलाकर भगा ले गया। बताया कि इसी शिकायत संबन्धित थाने में की गई थी, लेकिन आज तक कोई कार्रवाई न किए जाने आजिज होकर पीड़ित अपने पति के साथ पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंच गई और तहरीर देकर युवक के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

दो दिसंबर को आयोजित होगी मंडलीय पेंशन अदालत

बांदा। मंडलायुक्त बालकृष्ण त्रिपाठी के निर्देश पर आगामी 2 दिसंबर को आयुक्त कार्यालय में मण्डलीय पेंशन अदालत और सेवानिवृत्त अध्यापकों, कर्मचारियों के लंबित देयकों के सम्बन्ध में जनसुनवाई पूर्व की तरह आयोजित की जायेगी। पेंशन अदालत में संबंधित वाद पत्र, प्रत्यावेदन निर्धारित प्रारूप पर तीन प्रतियों में व जनसुनवाई से संबंधित शिकायती पत्र दो प्रतियों में कार्यालय अपर निदेशक, कोषागार व पेंशन, चित्रकूटधाम मंडल में पंजीकृत डाक से अथवा व्यक्तिगत रूप से 20 नवंबर की शाम चार बजे तक प्राप्त कराये जा सकते हैं। पेंशन अदालत से सम्बन्धित वाद पत्र तथा जनसुनवाई में सम्बन्धित शिकायती पत्र की एक प्रति कर्मचारी अपने मूल कार्यालय में प्राप्त करायेंगे।

बिहार के पश्चिम चंपारण में घने कोहरे के कारण 15 लोगों से भरी नाव टकराकर गंडक नदी में पलटी।

(वर्ल्ड न्यूज फीचर नेटवर्क)

बेतिया। जिला बगहा स्थित पटखौली थाना क्षेत्र के बगहा नगर के नरैनापुर घाट पर बुधवार की अहले सुबह लोगों से भरी एक नाव कोहरे के कारण गंडक नदी में स्थित पाया से टकराकर पलट गई।इस दौरान नाव पर सवार 15 लोग गंडक नदी में डूब गए। चीक पुकार की आवाज सुन आनन फानन में गंडक नदी के तट पर स्थानीय कैलाशनगर और नरैनापुर के लोगों की भीड़ इकट्ठा हो गई। स्थानीय लोगों ने बताया कि एक नाव पर 15 लोग सवार होकर अहले सुबह रेता में खेती करने जा रहे थे। इसी दौरान कुहासा होने के कारण नाव गंडक नदी में स्थित पाया से टकराकर पलट गई। जिसके बाद नाव पर सवार सभी लोग गंडक नदी में डूब गए। जिसमें 14 लोगों को सुरक्षित बचा लिया गया है।लेकिन लड़का मुकेश कुमार गंडक नदी के तेज बहाव में बह गया। स्थानीय लोगों ने युवक को बचाने की बहुत कोशिश की। लेकिन लड़का का पता नहीं चल सका। स्थानीय लोगों ने घटना की जानकारी पटखौली थाना और

अंचलाधिकारी को दिया।जिसके बाद एसडीआरएफ की टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और लोगों से घटना की विस्तृत जानकारी प्राप्त किये।वहीं मुकेश कुमार के परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल रहा। लोगों को कहना है कि हमेशा इस पाया के सामने घटना होती रहती है। इसके बावजूद भी स्थानीय लोग छोटे नाव में सवार होकर नदी पार करते रहते हैं। जिसके कारण घटना का शिकार अक्सर लोग होते रहते हैं। इस संदर्भ में बगहा एसपी सुशांत कुमार सरोज ने बताया कि अहले सुबह 7 बजे बगहा पुलिस जिला के पटखौली थाना क्षेत्र के कैलाशनगर स्थित नारायणापुर घाट पर घने कोहरे के कारण एक नाव पिलर से टकराकर पलट गई।जिसपर 15 लोग सवार थे, जिसमें से 14 लोगों को सुरक्षित बचा लिया गया है।लेकिन एक व्यक्ति मुकेश यादव उम्र-25 वर्ष, पिता-योगेन्द्र यादव, सा०-नारायणापुर, थाना-पटखौली, जिला-प० चम्पारण लापता है। जिसकी तलाश स्थानीय पुलिस एवं एसडीआरएफ की टीम के द्वारा की जा रही है। वही अंचल बगहा दो के अंचलाधिकारी निखिल ने बताया कि मुकेश कुमार नामक लड़का जो वार्ड 8 का निवासी है। जो नाव पर सवार था। गंडक नदी में स्थित पाया से नाव टकराने से नाव पलटने से 15 लोग नदी में गिर गए।14 लोगों को सुरक्षित गंडक नदी से निकाल लिया गया।लेकिन 25 वर्षीय मुकेश कुमार लापता हैं। स्थानीय लोगों ने बचाने के प्रयास किया। लेकिन लड़के का पता नहीं चल सका। सीओ ने कहा कि एसडीआरएफ टीम लड़के की तलाश में जुट हुए हैं। सीओ निखिल कुमार ने आगे बताया कि छठ पर्व के दिन दो लड़के गंडक नदी में डूब गए हुए थे उसमे से एक की बॉडी एसडीआरएफ के तलाशी में मिली हैं।

शेरवा गाँव को विनष्ट करने वाली बालू खनन का परमिट रद्द करें सरकार- माले

›› किसानों पर जदयू- भाजपा सरकार की डबल इंजन का डबल हमला
›› नितीश सरकार जहां परमिट देना चाहिए वहां नहीं दे रही है. जहां नहीं देना चाहिए वहां दे रही है परमिट

(वर्ल्ड न्यूज फीचर नेटवर्क)

बेतिया। मैनाटाड अंचल के शेरवा गाँव को विनष्ट करने वाली बालू खनन का परमिट रद्द करने की मांग पर भाकपा माले ने जिला पदाधिकारी के समक्ष धरना प्रदर्शन किया. और तीन सुत्री मांग पत्र जिला पदाधिकारी को सौप कर बालू खनन का परमिट रद्द करने की मांग किया भाकपा माले जिला कमिटी सदस्य सुनील कुमार राव ने कहा कि मैनाटाड अंचल के बरवा पंचायत के शेरवा ग्राम से गुजरने वाली (बिरहा) कौरेना नदी में वन एवं पर्यावरण परिवर्तन के नीतियों को ताक पर रखकर, ग्रामीण लोगों के जानमाल और घरों एवं खेती की जमीन को अनदेखा कर बालू खनन का परमिट दिया गया है सरकार उसे

तत्काल रद्द करें. आगे उन्होंने कहा कि 2020 में बालू खनन के कारण ही आयी थी. उसमें गरीबों के 21 घर नदी के धारा में विलीन हो गया, 25 किसानों की 33 एकड़ खेती की जमीन भी नदी के धारा में विलीन हो गया था। इतना ही नहीं सरकारी सड़क भी नदी के धारा में खत्म हो गया था,जिसे स्थानीय विधायक वीरेन्द्र प्रसाद गुप्ता के कठिन परिश्रम से करोड़ों की लागत से सड़क का निर्माण हुआ था लेकिन जिन लोगों का घर और खेती की जमीन नदी के धारा में कट गया था उसे सरकार आज तक पुर्नवास का काम नहीं किया है और न खेती की जमीन का कोई मुआवजा दे सकीं हैं. सरकार पिछली गलतियों से सबक सिखाने की बजाय इस साल भी फिर उसी नदी में बालू खनन का परमिट दे दिया है। भाकपा माले जिला कमिटी सदस्य संजय राम ने कहा कि नितीश सरकार बालू खनन की परमिट इस लिए भी रद्द करें क्योंकी बालू खनन से जितनी राजस्व अर्जित होती है उससे कई गुना अधिक उसके कारण आयी संकट क्षति ग्रस्त सड़क निर्माण, घर और खेती के नुकसान को भरपाई करने में खर्च हो जाते हैं। माले नेताओं ने कहा कि सरकार की गलत फैसला से जनता और उसके जीविका को संकट मे पड़ रहा है सरकार को अपने फैंसले पर सहानुभूति पूर्वक विचार कर फैसला को जनहित में रद्द करें. भाकपा माले धरना के द्वारा उपरोक्त बिन्दुओं पर नितीश सरकार के नाम जिलाधिकारी महोदय के माध्यम से तीन सुत्री मांग पत्र सौप कर ध्यान आकर्षित करते हुए कहा कि जानमाल को ध्यान में रखते हुए उक्त परमिट को रद्द किया जाये इनके अलावा संजय मुखिया, कलाम अंसारी, हरेराम यादव, बन्धु राम, अच्छे लाल राम, श्रीकांत ठाकुर आदि नेताओं ने भी सभा को सम्बोधित किया है।

गांधी चंपारण की धरती पर स्थापित किया था "पहला विद्यालय"।

चंपारण सत्याग्रह के समय महात्मा गांधी की सामाजिक जागृति अभियान में कस्तूरबा गांधी एवं चंपारण की महिलाओं की रही अहम भूमिका।

(वर्ल्ड न्यूज फीचर नेटवर्क)

पश्चिम चंपारण। सभागार सत्याग्रह भवन में "सबके लिए शिक्षा ,स्वच्छता एवं महात्मा गांधी"पर एक परिचर्चा का आयोजन किया गया ,जिसमें अंतरराष्ट्रीय पीस एंबेस्डर सह सचिव सत्याग्रह रिसर्च फाउंडेशन डॉ एजाज अहमद अधिवक्ता ,डॉ सुरेश कुमार अग्रवाल चांसलर प्रज्ञान अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालय झारखंड, डॉ शाहनवाज अली, डॉ अमित कुमार लोहिया, वरिष्ठ पत्रकार सह संस्थापक मदर ताहिरा चैरिटेबल ट्रस्ट डॉ अमानुल हक, सामाजिक कार्यकर्ता नवीदूं चतुवेर्दी ने संयुक्त रूप से कहा कि महात्मा गांधी ने सत्याग्रह के पड़ाव में कस्तूरबा गांधी एवं चंपारण वासियों के साथ सामाजिक जागृति एवं जन जागरण अभियान को नई दिशा प्रदान करने के लिए चंपारण सत्याग्रह के समय 13 नवंबर 1917 को चंपारण के ढाका प्रखंड के बड़हरवा लखन सेन में प्रथम विद्यालय की स्थापना की। 16 नवंबर 1917 को महात्मा गांधी ने चंपारण के ऐतिहासिक भितिहरवा गांव पहुंचकर ऐतिहासिक भितिहरवा गांव में विद्यालय स्थापित करने की रूपरेखा तैयार की तथा 20 नवंबर 1917 को चंपारण के भितिहरवा गांव में विद्यालय स्थापित कर दिया गया ।साथ ही कक्षा का भी आरंभ हुआ। इस कार्यक्रम में कस्तूरबा गांधी एवं चंपारण की महिलाओं ने अतुल योगदान दिया । महात्मा गांधी एवं कस्तूरबा गांधी ने चंपारण की धरती पर स्कूल खोलने का उद्देश्य यह रहा कि लोगों में कैसे राष्ट्रीय सद्भावना स्वच्छता स्वास्थ्य बाल विवाह उन्मूलन, घरेलू हिंसा की रोकथामएवं विभिन्न सामाजिक कुरीतियों से मुक्त के लिए आम जनमानस में जागृति लाया जाए। महात्मा गांधी ने किसानों एवं चंपारण वासियोंकी दुर्दशा के बारे में सुनकर चंपारण पहुंचे थे। चंपारण सत्याग्रह भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के लिए मील का पत्थर साबित हुआ देखते ही देखते लगभग 30 वर्षों के भीतर ही भारत 15 अगस्त 1947 को अंग्रेजों की गुलामी से आजाद हो गया। इस मंच के माध्यम से हम राष्ट्रपिता महात्मा गांधी कस्तूरबा गांधी अमर शहीदों एवं स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं जिन्होंने राष्ट्रीय आंदोलन के साथ-साथ समाज में नई जागृति लाने का प्रयास किया।

रुपौली विधायक शंकर सिंह ने सड़कों का किया शिलान्यास

भवानीपुर (पूर्णिया) रुपौली। विधानसभा क्षेत्र के विधायक शंकर सिंह ने अपने क्षेत्र के विकास के लिए मुख्यमंत्री ग्रामीण सड़क उन्नयन योजना के तहत भवानीपुर प्रखंड के रघुनाथपुर पंचायत में छपपन टोला से मंडल टोला और बसंतपुर चिंतामणि उसकावेरी पंचायत के बलिया से कदवा बासा तक सड़क निर्माण का शिलान्यास कर क्षेत्र में विकास की नीव रखी कार्यक्रम के दौरान विधायक शंकर सिंह ने कहा रुपौली की जनता मुझ पर जो विश्वास और भरोसा किया है उसे बनाए रखने के लिए हर संभव प्रयास करूंगा हमारा लक्ष्य है कि

सड़क शिलान्यास के दौरान विधायक शंकर सिंह

विधानसभा क्षेत्र का हर गांव सड़कों और पुलो से जुड़ जाए जिससे लोगों को आवागमन में कोई असुविधा न हो उन्होंने शीला न्यास के दौरान बताया कि विकास कार्यों के लिए संबंधित विभाग और अधिकारियों के संपर्क में हैं और किसी भी कमी को पूरा करने के लिए तात्पर्य है विधायक का यह प्रयास क्षेत्र वासियों के बीच सराहनीय है क्योंकि विधायक बनने के बाद यह उनके विकास कार्यों का पहला कदम है उन्होंने स्पष्ट किया कि यह केवल शुरूआत है और इस तरह के कार्य आगे भी जारी रहेगा उनकी इस पहल से क्षेत्र के लोगों में काफी उत्साह का माहौल है शिलान्यास के दौरान राहुल सिंह भारद्वाज मुखिया वेदानंद मंडल सुमन कुमार ठाकुर मनीष महतो पवन ठाकुर संवेदक धनंजय कुमार सहित दर्जनों ग्रामीण उपस्थित थे

देश समाचार

आंध्र सरकार ने पेश किया 2.94 लाख करोड़ का बजट

अमरावती। आंध्र प्रदेश सरकार ने सोमवार को वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए राज्य का बजट पेश किया है। आंध्र प्रदेश के वित्त मंत्री पय्यावुला केशव ने 2.94 लाख करोड़ रुपये का बजट पेश किया। हालांकि, विपक्ष की वाईएसआरसीपी पार्टी ने बजट के विरोध में सत्र का बहिष्कार किया है। वित्त मंत्री केशव के बजट भाषण के अनुसार, आंध्र प्रदेश सरकार का राजस्व व्यय 2.35 लाख करोड़ रुपये और पूंजीगत व्यय 32 हजार करोड़ रुपये रहने का अनुमान है। राज्य का राजस्व घाटा करीब 34,743 हजार करोड़ रुपये है, जो राज्य की कुल अर्थव्यवस्था (जीएसडीपी) का 2.12 प्रतिशत है।

चेन्नई में फेमा के उल्लंघन में 10 स्थानों पर ईडी के छापे

चेन्नई। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने सोमवार को विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) के उल्लंघन के मामले चेन्नई में कई स्थानों पर छापेमारी की है। ईडी की इस कार्रवाई से हड़कंप मचा है। भारत में विदेशी ई-कॉमर्स संस्थाओं के संचालन, विशेष रूप से विनियामक अनुपालन और निष्पक्ष बाजार प्रथाओं के संबंध में ईडी कार्रवाई कर रही है। सूत्रों के अनुसार, विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम के उल्लंघन के तहत दर्ज मामलों को लेकर ईडी की टीमों ने सोमवार को दस स्थानों पर छापा मारा है। अधिकारी इन ठिकानों की तलाशी ले रहे हैं।

यासीन मलिक ने जेल में भूख हड़ताल खत्म की

नई दिल्ली। टेरर फंडिंग मामले में दोषी यासीन मलिक ने जेल में चल रही अपनी हड़ताल समाप्त कर ली है। तिहाड़ जेल प्रशासन ने सोमवार को इस बात की सूचना दिल्ली हाई कोर्ट को दी। जस्टिस जसमीत सिंह की बेंच ने तिहाड़ जेल प्रशासन से यासीन मलिक के स्वास्थ्य की ताजा स्थिति पर स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया। कोर्ट ने मामले की अगली सुनवाई 18 नवंबर को करने का आदेश दिया। जेल प्रशासन ने हाई कोर्ट को बताया कि यासीन मलिक ने 8 नवंबर को भूख हड़ताल खत्म कर दी है और उसे जेल नियमों के मुताबिक चिकित्सा संबंधी सहायता दी जा रही है।

सज्जन कुमार के खिलाफ एक और गवाह के बयान

नई दिल्ली। दिल्ली के राऊज एवेन्यू कोर्ट में सोमवार को 1984 सिख विरोधी दंगों के जनकपुरी से जुड़े मामले में सज्जन कुमार के खिलाफ अभियोजन पक्ष के एक और गवाह इंस्पेक्टर सतीश कुमार ने अपना बयान दर्ज कराया। स्पेशल जज कावेरी बावेजा ने सतीश कुमार का क्रॉस-एग्जामिनेशन के लिए 25 नवंबर की तिथि नियत करने का आदेश दिया। सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष की ओर से पेश वकील ने इंस्पेक्टर सतीश कुमार का बयान दर्ज करने के लिए समय देने की मांग की।

असम: पिकअप और ऑटो की टक्कर, पांच की मौत

कछार। कछार जिला के रानीघाट में सिलचर-कलाइन मार्ग पर सोमवार सुबह बोलेरो पिकअप वाहन और ऑटो की टक्कर हो गई। दुर्घटना में पांच लोगों की मौत हो गई। हादसे के तुरंत बाद इलाके में तनाव फैल गया और आक्रोशित लोगों ने सिलचर-कलाइन मार्ग को जाम कर दिया। सूचना मिलते ही मौके पर भैरबनगर ग्राम पंचायत के पूर्व अध्यक्ष हाफिजुर रहमान मौके पर पहुंचे। उन्होंने बताया कि हादसे में पांच लोगों की मौत हो गयी है। बाद में मौके पर पहुंची पुलिस ने स्थिति को नियंत्रण में लिया और सभी शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिए।

प्रज्वल रेवन्ना की जमानत याचिका खारिज

नई दिल्ली। सर्वोच्च न्यायालय ने कर्नाटक सेक्स स्कैंडल के आरोपित और जेडीएस नेता प्रज्वल रेवन्ना को कोई भी राहत देने से इनकार कर दिया है। जस्टिस बेला एम त्रिवेदी की अध्यक्षता वाली बेंच ने रेवन्ना की जमानत याचिका खारिज करने का आदेश दिया। इसके पहले प्रज्वल रेवन्ना की जमानत याचिका कर्नाटक उच्च न्यायालय ने 21 अक्टूबर को खारिज कर दी थी। उच्च न्यायालय के आदेश को प्रज्वल रेवन्ना ने सर्वोच्च न्यायालय में चुनौती दी थी। इसके पहले सर्वोच्च न्यायालय ने प्रज्वल रेवन्ना की मां भवानी रेवन्ना को उच्च न्यायालय से मिली अग्रिम जमानत को रद्द करने से इनकार कर दिया था।

प्रधानमंत्री मोदी ने भाजपा कार्यकर्ताओं को मेरा बूथ सबसे मजबूत कार्यक्रम को किया संबोधित

वादों को पूरा करने में विफल रही झारखंड की सोरेन सरकार: मोदी

एजेंसी, नई दिल्ली

भाजपा के वरिष्ठ नेता और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को कांग्रेस, झामुमो और राजद पर तीखा हमला किया और उन पर बड़ी-बड़ी बातें करने और अपने वादों को पूरा करने में विफल रहने का आरोप लगाया। झारखंड में भाजपा के बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं के लिए 'मेरा बूथ सबसे मजबूत' कार्यक्रम को नमो एप के माध्यम से संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की इस टिप्पणी के लिए भी आलोचना की कि उनकी पार्टी ने लोगों को 'झूठी गारंटी' दी है।

मोदी ने कहा कि झारखंड वन व खनिज संपदा से भरपूर क्षेत्र है। समृद्धि के बावजूद यहां विकास का आभाव और बेरोजगारी चरम पर है। इसका सबसे बड़ा कारण भ्रष्टाचार व झारखंड की अमूल्य प्राकृतिक संपदा की बेतहाशा लूट है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस जहां-जहां सत्ता में है, वहां के लोगों को ऐसे ही ठगा है। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने स्वयं ही स्वीकार किया कि उनकी पार्टी ने झूठी गारंटियां दी हैं। खड़गे ने कहा कि जितना कर सकते हैं, उतनी ही गारंटी दो। प्रधानमंत्री ने कहा कि झारखंड इस बार चुनावों में बदलाव करने को संकल्पित हो गया है, इसका सबसे बड़ा कारण तो ये भी है कि झामुमो, कांग्रेस व राजद ने झारखंड की रोटी, बेटी और माटी पर वार किया है। उन्होंने कहा कि पिछले पांच साल इन्होंने बड़ी-बड़ी बातें कीं, लेकिन आज झारखंड की जनता देख रही है कि इनके ज्यादातर वादे झूठे हैं।

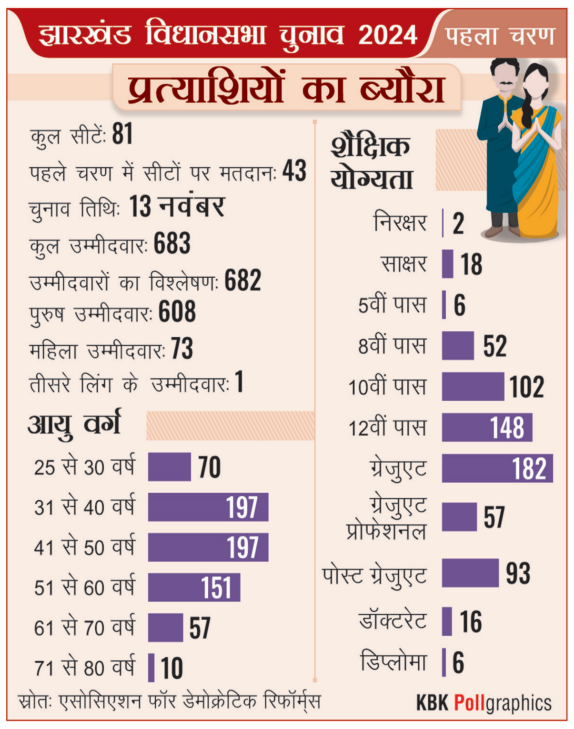

झारखंड में रची जा रही पहचान खत्म करने की साजिश: योगी

पलामू। झारखंड विधानसभा चुनाव के पहले चरण के प्रचार के आखिरी दिन सोमवार को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पलामू जिले के हुसैनाबाद, पांकी और डालटनगंज विधानसभा सीटों से भाजपा उम्मीदवारों के पक्ष में जनसभाओं को संबोधित किया। योगी ने जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि झारखंड में पहचान खतरे में पड़ गयी है। इसके लिए साजिश रची जा रही है। उन्होंने कहा कि बांग्लादेशी घुसपैठिए लगातार झारखंड में घुस रहे हैं। ऐसे लोगों को झारखंड की झामुमो, कांग्रेस और राजद गठबंधन की सरकार संरक्षण दे रही है। अपना वोट बैंक बना रही है। पूरे प्रदेश में रोटी, माटी और बेटी पर संकट आ गया है। बांग्लादेशी घुसपैठिए यहां की बेटियों के साथ शादी करके झारखंड की माटी और रोटी हड़पने में लगे हुए हैं। उन्होंने कहा कि इस संकट से सिर्फ भाजपा निकाल सकती है। लोग भाजपा उम्मीदवार के पक्ष में मतदान करें। झारखंड में मजबूत सरकार बनायें। मैं वादा करता हूं कि झारखंड में एनडीए गठबंधन की सरकार बनते ही बांग्लादेशी घुसपैठियों को बाहर का रास्ता दिखाया जाएगा। इस दौरान हुसैनाबाद, पांकी एवं डालटनगंज में भाजपा उम्मीदवार क्रमश: कमलेश सिंह, शशिभूषण मेहता एवं आलोक चौरसिया समेत पार्टी के कई वरिष्ठ नेता एवं हजारों की संख्या में कार्यकर्ता एवं आम लोग मौजूद थे।

राज्य के विकास के लिए डबल इंजन सरकार जरूरी

मोदी ने कहा कि राज्य सरकार से सहयोग नहीं मिलने के बावजूद केंद्र सरकार अपने 'सबका साथ, सबका विकास' के मंत्र के साथ राज्य के विकास के लिए हरसंभव प्रयास कर रही है। हम जिस गति से झारखंड में विकास करना चाहते हैं, उसके लिए वहां डबल इंजन सरकार की बहुत जरूरत है। मोदी ने कहा कि परिवारवादी पार्टियां, भष्टाचारी तो होती ही हैं साथ ही समाज के प्रतिभाशाली नौजवानों के रास्ते में सबसे बड़ी दीवार होती हैं। झामुमो के परिवारवादियों ने कांग्रेस के शाही परिवार से ऐसी गंदी चीजें सीखी हैं, जिसमें उन्हें कुर्सी और खजाना दो ही चीजों की चिंता रहती है, नागरिकों की उन्हें परवाह ही नहीं होती है।

कार्यकर्ताओं ने झामुमो, कांग्रेस, राजद की नींद उड़ा दी

प्रधानमंत्री ने झारखंड के भाजपा कार्यकर्ताओं की कड़ी मेहनत की सराहना करते हुए कहा कि उनकी मेहनत ने विपक्षी दल झामुमो, कांग्रेस, राजद की नींद उड़ा दी है। उन्होंने कहा कि झारखंड को हमें इनके भ्रष्टाचार, माफियावाद, कुशासन से मुक्त कराना है। मोदी ने कहा कि आज पूरे देश में सिर्फ तीन राज्यों में कांग्रेस की सरकार है और जहां-जहां दलित, आदिवासी और ओबीसी सबसे ज्यादा हैं और एकजुट हैं, वहां एनडीए सरकारें हैं। इससे कांग्रेस का शाही परिवार गुस्से में है, इसलिए उन्होंने एससी-एसटी-ओबीसी समाज को तोड़ने का फैसला किया है। इसलिए मैं लगातार कह रहा हूं कि एक रहेंगे तो सेफ रहेंगे।

अमेरिकी साम्राज्य रोमन साम्राज्य की तरह अंदर से ढह रहा है

अमेरिका। जब पिछले हफ़्ते डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिकी राष्ट्रपति पद हासिल किया, तो दुनिया भर के नेता उन्हें बधाई देने के लिए एक-दूसरे से टकराने लगे। स्पष्ट रूप से विचार उनका पक्ष जीतने का था, क्योंकि वे उन्हें आधुनिक साम्राज्य का नया सम्राट मानते हैं, जिसमें नकली अमेरिकी डॉलर को कठोर मुद्रा के रूप में अंतर्राष्ट्रीय जायोनिज्म के समर्थन से दुनिया पर थोपा गया है, जो यूएसए पर शासन करता है। यह इस धारणा को पुष्ट करता है कि यूएसए, उस प्रभाव को नियंत्रित करता है जो रोमन सम्राट के लिए परिचित होगा। वाशिंगटन डीसी और रोम के बीच समानताएँ - शक्ति, भव्यता और कूटनीति के मामले में पहचानना आसान है। इतिहासकारों का कहना है कि डोनाल्ड ट्रम्प और उनके 'अमेरिका फर्स्ट' बयानबाजी और अत्यधिक प्रचारित दुर्व्यवहार ने उन्हें रोम के कुख्यात सम्राट नीरो के सबसे करीब ला दिया है, जो अपनी महत्वाकांक्षा, विवादों और आत्म-प्रचार के लिए जाने जाते थे। नीरो और ट्रम्प के शासनकाल में अभिजात वर्ग और आम जनता के बीच बहस और विभाजन हुआ। उनकी आत्मविश्वासी शैली, लगातार घोटालों के साथ मिलकर हर तरफ से आलोचना का कारण बनी। ट्रम्प कुख्यात कैलीगुला के साथ भी समानता रखते हैं, जो

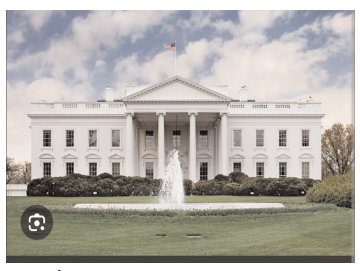

एक रोमन सम्राट था जो अपनी दुस्साहस और अपरंपरागत दृष्टिकोण और वाशिंगटन सम्मेलनों और राज्य के मानदंडों के लिए ट्रम्प की खुद की उपेक्षा के लिए कुख्यात था। दोनों ही शख्सियतों ने एक साथ अपने समाज को मोहित और अस्थिर किया। अमेरिका का सांस्कृतिक और आर्थिक प्रभाव और शक्ति हॉलीवुड फिल्मों से लेकर सिलिकॉन वैली के नवाचारों तक से ली गई है। लेकिन सतह के नीचे, अमेरिकी साम्राज्य में परिचित दरारें दिखाई देने लगी हैं। सबसे पहले, सैन्य प्रभुत्व की कीमत है। रोम ने अपनी सेनाओं में अकल्पनीय संसाधन डाले, अंततः अपनी सीमाओं को बहुत दूर और पतला कर दिया। अमेरिका ने रोमनों की तरह अपनी सीमाओं को बढ़ा दिया, यूरोप में नाटो ठिकानों से लेकर दुनिया भर में 700 से अधिक स्थानों पर सैन्य ठिकानों तक, अपने कुल रक्षा बजट का 40% खर्च कर रहा है, जो 2023 तक 916 बिलियन डॉलर है। इसे परिप्रेक्ष्य में रखने के लिए, अमेरिकी रक्षा बजट चीन, रूस और भारत सहित अगले नौ देशों के संयुक्त रक्षा खर्च से अधिक है। व्यवसायी ट्रम्प इसे बुश और बिल क्लिंटन से बेहतर जानते हैं कि दुनिया पर पुलिस का अमेरिका का अथक प्रयास टिकाऊ नहीं है और ढह रहा है। अपने अंतिम दिनों के दौरान रोमन साम्राज्य की तरह अमेरिकी साम्राज्य अंदरूनी कलह, भ्रष्टाचार और स्वार्थी अभिजात वर्ग से भरा हुआ है। बाद के चरण के रोमन साम्राज्य ने स्वाभाविक रूप से ताज पहनाए जाने की तुलना में अधिक सम्राटों की हत्या या उन्हें उखाड़ फेंका और वाशिंगटन में बढ़ता ध्रुवीकरण और गतिरोध रोमन साम्राज्य के अंतिम दिनों की तरह ही अशुभ रूप से समान है अमेरिका में असमानताएँ बहुत ज्यादा हैं, जहाँ धन कुछ ही अमीर लोगों के हाथों में केंद्रित है। रोम के अभिजात वर्ग ने आम जनता की पीठ पर पलकर अपनी किस्मत चमकाई, अमेरिका के अरबपति वर्ग ने अपनी किस्मत चमकती देखी, जबकि कई अमेरिकी स्थिर वेतन और बढ़ती गरीबी से जूझ रहे हैं। अंत में, सांस्कृतिक पतन है। रोम, अपने अंतिम वर्षों में भव्य पार्टियों, खेलों और विलासिता में लिप्त था, जबकि उसके आसपास की दुनिया जल रही थी। अमेरिका, आज पूरी तरह से उपभोक्तावाद में डूबा हुआ है। कुछ शब्दों में कहें तो रोमन साम्राज्य और पतनशील अमेरिकी साम्राज्य के बीच समानताओं को नजरअंदाज करना मुश्किल है। राष्ट्रपति-चुनाव डोनाल्ड ट्रम्प, चुनाव जीतने और व्हाइट हाउस, कांग्रेस अब रिपब्लिकन के हाथों में और कैपिटल हिल, सब कुछ अब ट्रम्प के नियंत्रण में जीतने पर गर्व से फूले हुए हैं, दुनिया एक बार फिर डर और आशंका के मिश्रण से बंधी हुई देखेगी। लेकिन अब से आने वाली पीढ़ियाँ देखेंगी कि ट्रम्प अमेरिकी साम्राज्य के पतन को कैसे तेज करेंगे।

लेखक: प्रोफेसर सैयद जुबैर अहमद
(लंदन स्थित वरिष्ठ भारतीय पत्रकार हैं, जिन्हें पश्चिमी मीडिया में तीन दशकों का अनुभव है)

अजीत पवार ने चुनाव से पहले ही भाजपा से नाता तोड़ा

एक साक्षात्कार में अजीत पवार ने कह दिया है कि वह भाजपा के 'बंटोगे तो कटोगे' नारे से सहमत नहीं हैं।

अजय सेतिया
की कलम से

महाराष्ट्र किसानों की सबसे ज्यादा आत्महत्याओं वाला प्रदेश है। और, महाराष्ट्र की यह दुर्दशा कोई पिछले 10 साल में नहीं बनी है। महाराष्ट्र की यह स्थिति 20 साल पहले कांग्रेस के मुख्यमंत्रियों सुशील कुमार शिंदे और विलासराव देशमुख के समय से बननी शुरू हुई थी। महाराष्ट्र के विकास की स्थिति विचित्र है कि सबसे धनाढ्य लोग भी महाराष्ट्र में रहते हैं तो सबसे ज्यादा गरीब भी महाराष्ट्र में ज्यादा है। शरद पवार जैसे सबसे ज्यादा अमीर किसान भी महाराष्ट्र में हैं और कर्ज में डूबे किसानों की आत्महत्याएं भी सबसे ज्यादा महाराष्ट्र में हुई हैं। भाजपा उसी महाराष्ट्र में अपनी राजनीतिक आत्महत्या की रणनीति पर चल रही है। महाराष्ट्र विधानसभा का चुनाव नतीजा भविष्य की देश की राजनीति का केंद्र बिन्दु बनेगा। अगर भाजपा का गठबंधन हार जाता है तो हरियाणा में बनी उसकी बढ़त खत्म हो जाएगी। अगर भाजपा का गठबंधन जीत जाता है तो लोकसभा चुनाव में बनी इंडी गठबंधन की हवा निकल जाएगी। इसलिए अपनी बढ़त बनाने के लिए दोनों गठबंधनों ने अपनी सारी ताकत झोंक दी है। लोकसभा चुनाव नतीजों ने बताया था कि कांग्रेस का गठबंधन, जिसे वहां महा विकास आघाड़ी कहते हैं, उसने वहां बढ़त बनाई थी, उसे 48 में से 30 सीटें मिलीं। भाजपा का गठबंधन, जिसे वहां महायुति कहते हैं, वह पिछड़ गई थी। महायुति को 48 में से 18 सीटें मिलीं थीं। उत्तर प्रदेश के बाद भाजपा को सबसे बड़ा झटका महाराष्ट्र से लगा था। इसलिए भाजपा को महाराष्ट्र में रणनीति को बदलनी चाहिए थी। लोकसभा चुनाव में अजीत पवार सबसे कमजोर कड़ी साबित हुए थे। अलबत्ता भाजपा के भीतर भी ऐसे कई नेता हैं, जो मानते हैं कि भाजपा अजीत पवार के कारण हारी। भाजपा को अपनी इस कमजोर कड़ी से नाता तोड़ लेना चाहिए था। लेकिन, भाजपा ने ऐसा नहीं किया। बल्कि, गठबंधन में उसे थोड़ी बहुत नहीं, 53 सीटें दे दी। इसके अलावा अजीत पवार ने शिवाजी नगर सीट पर धोखे से शिवसेना के सामने नवाब मलिक को टिकट दे दिया। हालांकि, नवाब मलिक और समाजवादी पार्टी के अबु आजमी के मुकाबले में शिवसेना बाजी मार कर ले जा सकती है। लेकिन, मलिक के बाद अजीत पवार ने अब नया दांव चल दिया है। इंडियन एक्सप्रेस को दिए साक्षात्कार में उन्होंने कह दिया है कि वह भाजपा के 'बंटोगे तो कटोगे' नारे से सहमत नहीं हैं। इसलिए वह अपनी 53 सीटों पर योगी आदित्यनाथ, अमित शाह और नरेंद्र मोदी को भी प्रचार के लिए नहीं बुलाएंगे। क्योंकि, नरेंद्र मोदी ने भी उसी तर्ज पर कहा कि 'एक रहोगे, तो सेफ रहोगे'। अजीत पवार से दूरी भाजपा को बनानी चाहिए थी, क्योंकि वह उसे नुकसान पहुंचा रहे हैं। लेकिन, उलटे अजीत पवार ने भाजपा से दूरी बना ली है। और, यह दूरी विचारधारा में टकराव के कारण बनाई है। भाजपा को शायद समझ नहीं आ रहा हो, लेकिन सच यह कि अजीत पवार ने यह बयान देकर महाविकास आघाड़ी में जाने का रास्ता खोल लिया है। स्वाभाविक है कि उन 53 सीटों पर भाजपा के वर्कर अजीत पवार को जिताने के लिए काम नहीं करेंगे। यह बात मैं पहले भी कह चुका हूं, उसे दोहराता हूं कि भाजपा ने 53 सीटें कूड़ेदान में डाल दी हैं। चुनाव के बाद अजीत पवार उस गठबंधन के साथ जाएंगे, जो उन्हें मुख्यमंत्री बनाएगा। 53 सीटें अजीत पवार को देने की बजाए भाजपा और शिवसेना आपस में बांट लेती तो चुनाव नतीजे 2014 जैसे आते। जब भाजपा अकेले लड़कर 122 सीटें जीत गई थी और शिवसेना अकेले लड़कर 63 सीटें जीती थी। इस बार भाजपा शिवसेना मिलकर आसानी से 144 का आंकड़ा पार कर लेते। अगर भाजपा अजीत पवार को गठबंधन में शामिल न करती तो बंटोगे तो कटोगे का नारा, हरियाणा की तरह महाराष्ट्र में भी बहुमत का मंत्र बन जाता। हालांकि, अभी नहीं कहा जा सकता कि चुनाव नतीजे क्या आएंगे, लेकिन चुनावों से पहले ही महायुति में पैदा हुई फूट नतीजों की इबारत लिख रही है। बंटोगे, तो कटोगे विचारधारा के टकराव का मुद्दा बन चुका है। बांग्लादेश से लेकर कनाडा तक के हिन्दू यह नारा लगा रहे हैं। इस नारे ने राहुल गांधी की जाति आधारित जनगणना का सटीक जवाब दिया है, जिसका असर हरियाणा के विधानसभा चुनाव में दिखा, हारती हुई भाजपा जीत गई। भाजपा का यह नारा कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों के लिए बड़ा सिर दर्द बन गया है। मल्लिकार्जुन खड़गे से लेकर अखिलेश यादव तक इस नारे का जवाब ढूंढ रहे हैं, क्योंकि उन्हें पता है कि यह नारा जय श्रीराम के नारे का नया रूप है, जिसने भाजपा को राष्ट्रीय राजनीति में कांग्रेस का विकल्प बना कर खड़ा कर दिया था। देखते हैं, अजीत पवार क्या गुल खिलाते हैं।

वडोदरा : पांच घंटे बाद भी आग पर काबू नहीं

आईओसीएल रिफाइनरी में दो धमाके, एक कर्मचारी की मौत

एजेंसी, वडोदरा/अहमदाबाद

वडोदरा के कोयली स्थित आईओसीएल रिफाइनरी में दोपहर 3:30 बजे बड़ा धमाका होने के बाद भीषण आग लग गई। आग लगते ही धुआं 6 किलोमीटर दूर तक देखा गया। धमाके के बाद आग से आसपास के लोगों में अफरातफरी मच गई। वहीं, अब रात 8:30 बजे रिफाइनरी में एक और टैंक में ब्लास्ट हो गया। दमकल विभाग ने एक बड़ी आपातकॉल की घोषणा की है, जिसके चलते आग पर काबू पाने के लिए अहमदाबाद, आणंद, हलोल, अंकलेश्वर और वडोदरा ग्रामीण से दमकल विभाग की गाड़ियां बुलाई

गई हैं। इसके अलावा आग लगने की घटना में तीन कर्मचारी घायल हो गए। इनमें से एक कर्मचारी की इलाज के दौरान मौत हो गई, जबकि अन्य दो की हालत स्थिर है। वहीं, आग पर काबू पा रहा एक फायरमैन भी घायल हो गया। फिलहाल फायरमैन को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

चैड में सेना का बड़ा अभियान, बोको हरम के 96 आतंकी मारे गए

एन'जामेना। चैड में सोमवार को सेना ने बड़ा अभियान चलाया। इस ऑपरेशन में सेना ने बोको हरम के 96 आतंकियों को मार गिराया। वहीं, चैड सेना के 15 जवानों की भी जान चली गई। इसके अलावा 32 सैनिक घायल हैं। चैड की सेना का यह अभियान कहां चलाया गया, इसके बारे में फिलहाल सेना के प्रवक्ता ने जानकारी नहीं दी है। साथ ही इस पूरी घटना के हालात पर भी चर्चा नहीं की गई है। जनरल इसाख अचेख ने रविवार को टीवी पर अपने संबोधन के दौरान कहा कि सेना ने बोको हरम के 11 आतंकियों को घायल भी किया है और बड़ी मात्रा में हथियारों और अन्य उपकरणों को जब्त किया। उन्होंने कहा, ₹सेना नागरिकों को निश्चिंत करना चाहती है कि हालात नियंत्रण में हैं और 'हस्केनाइट अभियान' के तहत बचे हुए आतंकियों को खोजने का काम किया जा रहा है। हस्केनाइट अभियान चैड की सेना की तरफ से लेक चैड क्षेत्र से बोको हरम को खत्म करने का अभियान है।

तीन नए सलाहकारों ने दरबार हॉल में शपथ ली

बांग्लादेश में बंगभवन के दरबार हॉल से हटाई गई संस्थापक बंगबंधु की तस्वीर

एजेंसी, ढाका

अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना के पिता और बांग्लादेश के संस्थापक 'बंगबंधु' शेख मुजीबुर रहमान की तस्वीर मुल्क के राष्ट्रपति के आधिकारिक निवास बंगभवन के दरबार हॉल में अब दिखाई नहीं देगी। वहां से बंगबंधु रहमान की एक तस्वीर हटा दी गई है। राजधानी ढाका से छपने वाले अखबार प्रोथोम अलो ने अपनी खबर में सलाहकार महफूज आलम की फेसबुक पोस्ट के आधार पर यह दावा किया है। फेसबुक पोस्ट

के अनुसार, शेख मुजीबुर रहमान की तस्वीर-पोस्ट '71 फासीवादी, दरबार हॉल से हटा दी गई है। यह हमारे लिए शर्म की बात है कि हम 5 तारीख के बाद बंगभवन से उनकी तस्वीरें नहीं हटा सके। अगस्त की क्षमायाचना, लेकिन, जब तक लोगों में जुलाई की भावना जीवित रहेगी तब तक वह कहीं दिखाई नहीं देगी। आलम ने लिखा है, शेख मुजीब और उनकी बेटी ने बांग्लादेश के लोगों के साथ जो किया है, वह अवामी लीग को स्वीकार करना चाहिए और माफी मांगनी चाहिए, जिसमें गैर-लोकतांत्रिक '72 संविधान से लेकर अकाल, अरबों टका की लूट और हजारों की गैर-न्यायिक हत्याएं शामिल हैं।

मॉरीशस: लेबर पार्टी की जीत, रामगुलाम बने प्रधानमंत्री

मॉरीशस। मॉरीशस में हुए संसदीय चुनावों में डॉ. नवीन रामगुलाम की लेबर पार्टी ने जीत हासिल की है। रविवार को मॉरीशस में संसदीय चुनाव के लिए मतदान हुआ था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चुनाव में लेबर पार्टी की जीत पर नवीन रामगुलाम को बधाई दी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक्स पर लिखा कि अपने मित्र डॉ. नवीन रामगुलाम से गर्मजोशी से बातचीत की और उन्हें ऐतिहासिक चुनावी जीत पर बधाई दी। मैंने मॉरीशस का नेतृत्व करने में उनकी सफलता की कामना की और भारत आने का निमंत्रण दिया।

शिखर सम्मेलन में संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन कार्यकारी सचिव साइमन स्टील बोले

जलवायु वित्त लक्ष्य प्राप्त करने के लिए मजबूत कार्रवाई जरूरी

एजेंसी, अजरबैजान

अजरबैजान के बाकू में चल रहे जलवायु परिवर्तन पर संयुक्त राष्ट्र (यूएन) फ्रेमवर्क कन्वेंशन (कॉप-29) के पक्षकारों के 29वें सम्मेलन में जलवायु वित्त लक्ष्य प्राप्त करने और कार्बन बाजारों को लेकर कार्रवाई करने का मुद्दा उठा है। सम्मेलन को संबोधित करते हुए संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन कार्यकारी सचिव साइमन स्टील ने कहा कि वैश्विक तौर पर जलवायु वित्त लक्ष्य को प्राप्त करने और कार्बन बाजारों को लेकर कड़ा रुख अपनाने की जरूरत है। साइमन स्टील ने कहा कि प्रगति के बावजूद वैश्विक स्तर पर बढ़ते जलवायु संकट पर बात करने के लिए कॉप एक बेहतर मंच है। उन्होंने कहा कि यहां जलवायु संकट से निपटने के लिए काम करने

पर हम एक-दूसरे को विश्वसनीय रूप से जिम्मेदार ठहरा सकते हैं। संयुक्त राष्ट्र के जलवायु समझौतों के बिना मानवता पांच डिग्री की भयावह गर्मी की ओर बढ़ सकती है। उन्होंने कहा कि पेरिस समझौते का अनुच्छेद 6 जलवायु कार्रवाई पर अंतरराष्ट्रीय सहयोग के लिए तंत्र की रूपरेखा तैयार करता है। इससे देशों को कार्बन उत्सर्जन में कमी के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए एक साथ काम करने का मौका मिलता है। यह कार्बन बाजारों और गैर-बाजार दृष्टिकोणों के लिए एक रूपरेखा प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि इस विचार को त्याग दें कि जलवायु वित्त दान है। नया जलवायु वित्त लक्ष्य पूरी तरह से हर देश के स्वार्थ में है। हर देश का आर्थिक लचीलापन व्यापक जलवायु वित्त पोषण पर निर्भर करता है। उन्होंने जलवायु संकट से निपटने की धीमी प्रगति पर निराशा जताते हुए प्रतिनिधियों से कई प्रमुख मुद्दों पर ठोस कदम उठाने के लिए कहा। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय कार्बन बाजारों को चालू रखने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। आगामी जलवायु योजना को लेकर उन्होंने कहा कि कॉप 29 की पहल का उद्देश्य देशों को उनकी राष्ट्रीय जलवायु योजनाओं को तैयार करने और उन पर काम करने में सहायता करना है।

कॉप की पहली बैठक

मार्च 1995 जर्मनी के बर्लिन में हुई कॉप की पहली बैठक कॉप यानी कॉन्फ्रेंस ऑफ द पार्टीज जलवायु परिवर्तन पर संयुक्त राष्ट्र फ्रेमवर्क कन्वेंशन (यूएनएफसीसीसी) के पक्षों का सम्मेलन है। पार्टीज वह देश हैं जिन्होंने 1992 में यूएन के जलवायु समझौते पर दस्तखत किए थे।

राष्ट्रीय जलवायु कार्रवाई योजनाओं को पेश करने का अहम पल

यह सम्मेलन देशों के लिए पेरिस समझौते के तहत अपनी अपडेटेड राष्ट्रीय जलवायु कार्रवाई योजनाओं को पेश करने का अहम पल भी होगा, जो 2025 की शुरुआत तक पेश की जानी हैं। अगर सही तरीके से इस पर अमल किया जाए, तो ये योजनाएं वैश्विक तापमान को पूर्व-औद्योगिक स्तरों से 1.5 डिग्री सेल्सियस के दायरे में ला देंगी।

शिगेरु इशिबा दूसरी बार चुने गए जापान के प्रधानमंत्री

टोक्यो। जापान की सत्तारूढ़ लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी नेता शिगेरु इशिबा ने सोमवार को जापानी संसद के दोनों सदनों में सर्वाधिक वोट

मिलने के बाद उन्हें दोबारा प्रधानमंत्री चुन लिया गया। घोटालों की श्रृंखला में नाम शामिल होने के कारण फुमियो किशिदा ने प्रधानमंत्री का पद छोड़ना पड़ा था। इशिबा ने सितंबर में पहली बार प्रधानमंत्री के तौर पर शपथ ली थी। एलडीपी नेता ने जापानी डाइट के निचले सदन में विपक्षी नेता योशिहिको नोडा के खिलाफ प्रधानमंत्री पद के लिए वोट में जीत हासिल की थी।

संपादकीय

महंगाई की मार

कभी महंगाई डायन हुआ करती थी। अब महंगाई विमर्श से बाहर हो गई है। हर चीज के दाम आसमान छू रहे हैं। महाराष्ट्र और झारखंड के चुनाव में महंगाई मुद्दा नहीं हैं। चुनाव हो रहा है बंटेंगे तो कटेंगे जैसे जुमलों पर और घुसपैठ का डर दिखा रहे हैं। महंगाई अपने जलाल पर पहुंच चुकी है। अक्टूबर महीने में खाद्य महंगाई दर में तेज उछाल आया और डबल डिजिट को पार करते हुए 10.87 फीसदी पर जा पहुंची है। चार दिन पहले ही प्रधानमंत्री मोदी महंगाई के बारे में कह रहे थे कि दस साल के कालखंड में सबसे कम महंगाई रही। खुदरा महंगाई दर का जो आंकड़ा जारी किया गया है, उसके मुताबिक अक्टूबर में सब्जियों की महंगाई दर में भारी बढ़ोतरी आई है। सब्जियों की महंगाई दर 42.18 फीसदी रही है जो सितंबर में 35.99 फीसदी रही थी। दूध और उससे जुड़े प्रोडक्ट्स की महंगाई दर 2.97 फीसदी रही है। हालांकि दालों की महंगाई में कमी आई है और घटकर 7.43 फीसदी रही है जो सितंबर में 9.81 फीसदी रही थी। अनाज और उससे जुड़े प्रोडक्ट्स की महंगाई दर 6.94 फीसदी रही है जो सितंबर में 6.84 फीसदी रही थी। सस्ते कर्ज की उम्मीदों पर अब पानी फिरता नजर आ रहा है, क्योंकि सब्जियों की कीमतों में कमी आने का नाम नहीं ले रही है। लेकिन महंगाई बढ़ने से जनता को कोई फरक नहीं पड़ता। सब्जियां अगर 80-100 रुपये किलो के आसपास बिक रही हैं तो क्या हुआ? सवाल यह है कि महंगाई मुद्दा क्यों नहीं है? क्या जनता को को अब महंगाई से कोई फर्क नहीं पड़ता। उधर, रुपया लगातार कमजोर होता जा रहा है, जो महंगाई बढ़ाने में एक कारक का काम करता है। कभी प्रधानमंत्री को रुपया गिरने की बहुत चिंता होती थी। वह अपने भाषणों कहते कि क्या कारण है कि भारत का रुपया लगातार गिर रहा है? क्या कभी आपने सोचा है कि गिरते रुपए के हिसाब से आपकी सैलरी कितनी बढ़नी चाहिए? और अगर न बढ़े तो आप कितने गरीब और कर्जदार हो जाएंगे? मंगलवार को खुदरा महंगाई के आंकड़े आए हैं। ये 14 महीने के सबसे ज्यादा हैं। यानी महंगाई नरेंद्र मोदी की सरकार के हाथ से फिसल चुकी है। जब कभी रुपया चार प्रतिशत गिरता है तो महंगाई का 2 प्रतिशत भार आपकी जेब पर अतिरिक्त पड़ता है, यानी कुल छह प्रतिशत। देश का व्यापार घाटा लगातार बना हुआ है और वास्तविक जीडीपी ग्रोथ प्रतिशत से नीचे है। हमारी कंपनियां एक्सपोर्ट नहीं कर पा रही हैं और विदेशी निवेश सूख चुका है। नतीजा यह कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में डॉलर के मुकाबले रुपए की मांग न के बराबर है।

मंगलवार को खुदरा महंगाई के आंकड़े आए हैं। ये 14 महीने के सबसे ज्यादा हैं। महंगाई मोदी सरकार के हाथ से फिसल चुकी है। महंगाई विमर्श से बाहर हो चुकी है।

पाठकवाणी

शहीदों के परिवार दर-दर क्यों भटकें?

दिन-रात हर मौसम में हमारी व हमारे देश की रक्षा-सुरक्षा करने वाले जवान, सैनिकों के शहीद होने पर अक्सर उनके परिवार को सरकारी सहायता के लिए दर-दर सालों तक भटकना पड़ता है? जिस व्यक्ति ने देश के लिए अपने प्राण न्योछवार कर दिए हों और उसका परिवार परेशान हो, भटकता फिरे यह तो उस शहीद का अपमान है। इस दिशा मे सरकारी तंत्र को मजबूत होना होगा और उसे आगे रह कर स्वत: ही आवश्यक कार्रवाई कर उसके परिवार को जल्द से जल्द वह सब सहायता सरकार की और से दी जानी चाहिए।

-**आशीष सकलेचा**, जावरा

शारदा सिन्हा को श्रद्धांजलि

मन दु:खी हो गया जब पांच नवंबर की रात्रि को पता चला कि स्वर कोकिला शारदा अब इस दुनिया में नहीं रहीं। गायन के लिए उन्हें सबसे पहले घर में ही विरोध का सामना करना पड़ा, उनकी सास नहीं चाहती थी कि वो गाना गाये। इस भारी विरोध के बाद भी उन्होंने गायन जारी रखा। फलस्वरूप देश-विदेश से प्रशंसायें मिलने लगीं तो सास ने भी कह दिया कि गाना जारी रखो। 1978 में उनका छठ गीत 'उग हो सुरूज देव' हिट रहा। उन्हें राजनीति के क्षेत्र से भी बुलावा आया, लेकिन उन्होंने इस ऑफर को ठुकरा दिया और कहा राजनीति हमें पसंद नहीं।

-**संदीप कुमार**, मधुपुर (झारखंड)

कुछ खास

पिछले हफ्ते मुझे डेढ़ घंटे तक रोककर चुनाव प्रचार में जाने नहीं दिया गया। कल्पना को भी चुनावी सभा में जाने से रोका जा रहा है। इतना डर क्यों है भाजपा और केंद्र सरकार को झारखण्डियों से? ये लोग षड्यंत्र पर षड्यंत्र करते हैं, उससे बाज नहीं आते हैं।

-**हेमंत सोरेन**, झारखंड के मुख्यमंत्री

आज का ट्वीट

''कांवड़ लेकर चलोगे तो सरकार कांवड़ियों पर फूल बरसाएगी। हक की, पढ़ाई-लिखाई की, रोजगार की बात करोगे तो सरकार लट्ठ बजाएगी...''

-**ममता त्रिपाठी**

एल्गोरिदम की गिरफ्त में हम

शाहीन सबा

यदि माध्यम संदेश है, तो आज का माध्यम एल्गोरिदम है। यह हमारे जीवन के लगभग हर पहलू को आकार दे रहा है। एल्गोरिदम एक समस्या को हल करने के लिए एक क्रमिक प्रक्रिया है। यह एक स्पष्ट, संक्षिप्त और पुनरावृत्त प्रक्रिया है, जो एक निश्चित इनपुट के लिए एक निश्चित आउटपुट उत्पन्न करती है। एल्गोरिदम का उपयोग आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) में कई तरीकों से किया जाता है. हम खुद को एल्गोरिदम की आंखों से देख-सुन रहे हैं। हमारे द्वारा ऑनलाइन उपयोग की जाने वाली बेतुकी भाषा से लेकर टिकटॉक और इंस्टाग्राम के माध्यम से हमारे चेहरों की शाब्दिक व्याख्या तक। चूंकि एल्गोरिदम फीड डेटा के आधार पर हर चीज का मूल्यांकन करते हैं, इसलिए एल्गोरिदम जैसे-जैसे आगे बढ़ते हैं, वैसे-वैसे सीखते और निर्णय लेते हैं। ये हमारे व्यवहार की भविष्यवाणी भी कर सकते हैं, कभी-कभी हमसे भी बेहतर। अपने तर्क और रचनात्मकता तकनीक को सौंपकर, हम अपना खुद का दृष्टिकोण और शैली विकसित करने के बजाय उसका दृष्टिकोण और शैली अपना रहे हैं।

जिस सोशल मीडिया पर हम जीवन का अमूल्य समय व्यतीत कर रहे हैं, वह पूरी तरह से एल्गोरिदम के हवाले ही तो है। दुनिया के लगभग 95 प्रतिशत इंटरनेट यूजर्स अब हर महीने सोशल मीडिया का उपयोग करते हैं। वर्ष 1996 में अपनी शुरुआत के बाद से सोशल मीडिया दुनिया के 8.06 बिलियन लोगों में से आधे से ज्यादा लोगों तक अपनी पहुंच बनाने में कामयाब रहा है। यह संख्या 2028 में बढ़कर छह अरब से ज्यादा होने का अनुमान है। पिछले साल इस समय से 282 मिलियन नए यूजर सोशल मीडिया से जुड़े हैं। लोग अपने जागने वाले जीवन का लगभग 14 प्रतिशत सोशल मीडिया का उपयोग करते हुए बिताते हैं। एक साथ जोड़ा जाए, तो दुनिया हर दिन सोशल प्लेटफॉर्म्स पर 12 बिलियन घंटे से अधिक समय बिताती है। प्रौद्योगिकी अपनाने के मामले में, यह देखना आश्चर्यजनक है कि एक सोशल नेटवर्क कितनी जल्दी फैल सकता है। उदाहरण के लिए, 24 महीनों में इंटरनेट से जुड़े पांच में से एक डिवाइस पर 'टिकटॉक' मौजूद था।

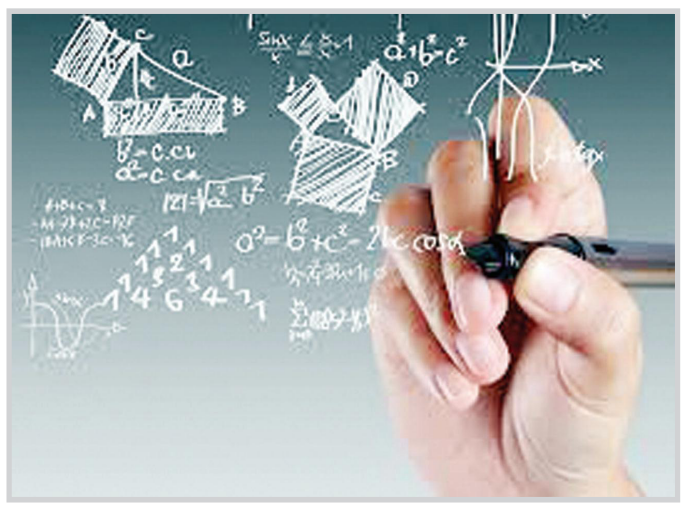

एल्गोरिदम ऑडिटर होना बहुत जरूरी है जो एल्गोरिदमिक निर्णय लेने की प्रक्रियाओं को विनियमित कर सकें, ताकि हमारी गोपनीयता सुरक्षित रहे और हम भेदभाव, पूर्वाग्रह व किसी भी अन्य संभावित प्रतिकूल परिणामों से सुरक्षित रहें। इन विशेष ऑडिटर को नैतिकता का ठोस ज्ञान होना चाहिए।

शोध से पता चलता है कि प्लेटफॉर्म डिजाइन हमें उन पर बिताए गए समय का हिसाब नहीं रखने देते। हम बहुत जल्दी सोशल मीडिया पर खो जाते हैं। तीस मिनट का 'विक फैक्टर' तब होता है जब लोग अपने सोशल मीडिया को कुछ समय के लिए सिर्फ एक नजर देखना चाहते हैं, लेकिन फिर पाते हैं कि 30 मिनट बीत चुके हैं। उसके बाद ये कुछ मिनट घंटों में बदल जाते हैं और जब हमें पता चलता है कि हमने इस पर कितना समय बिताया है, तो हमें खुद से घृणा और निराशा होती है। यूं कहें कि मनोरंजन को विकर्षण ने निगल लिया है। विकर्षण की प्रत्येक वस्तु कुछ सेकंड तक चलती है और इसके लिए किसी संज्ञानात्मक कार्य की आवश्यकता नहीं होती; बस स्क्रॉल किए जाओ। हमारा डोपामाइन-चालित मस्तिष्क हमें मनोरंजन और कला के बजाय सस्ते विकर्षण को चुनने के लिए प्रेरित करता है। बड़ी कंपनियों को परवाह नहीं है। वे हमारी लालसा को जगाने और उसमें हेरफेर करने में माहिर व्यापारी हैं। उनका लक्ष्य हमारा उपभोग करते रहना है। निरन्तर प्रलोभन देकर वे सीधे हमारे डोपामाइन सर्किट को आकर्षित करते हैं और आत्म-नियंत्रण की हमारी क्षमता को चंद सेकंडों में लील लेते हैं। हमने अपनी याददाश्त तकनीक के हवाले कर दी है।

सोशल मीडिया एल्गोरिदम ऐसी चीजों को भी पकड़ लेते हैं जो हमेशा मददगार नहीं होती। ये हमारी-आपकी सुरक्षा के लिए नहीं, बल्कि रुचियों या रुग्ण जिज्ञासा को जगाने के लिए डिजाइन किए गए हैं। हजारों लोग उस स्क्रीन पर अंगूठा ऊपर स्वाइप करने और वही करने के लिए मजबूर करने को काम पर रखे गए हैं जो आप कर रहे हैं। ज्यादातर समय हमें पता भी नहीं होता कि हम उनका इस्तेमाल क्यों कर रहे हैं। लेकिन वास्तविकता यह है कि हम अब उनके बिना काम कर भी नहीं सकते। इंटरनेट एल्गोरिदम पर चलता है। ईमेल एल्गोरिदम की वजह से अपने गंतव्य तक पहुंचते हैं। हमारी सभी ऑनलाइन खोजें एल्गोरिदम के जरिए पूरी होती हैं। हमारे स्मार्टफोन ऐप उनके बिना काम नहीं करते हैं। यद्यपि एल्गोरिदम अच्छे इरादों से हमारे जीवन को बेहतर बनाने के लिए बनाए गए हैं, लेकिन वे तेजी से बड़ी समस्याएं पैदा कर रहे हैं। वे पक्षपाती होते हैं और आपराधिक उद्देश्यों के लिए इस्तेमाल किए जा सकते हैं। यहां तक कि एल्गोरिदम को हमें कुछ प्रकार की जानकारी देखने से हतोत्साहित करने या रोकने के लिए भी 'निर्देशित' किया जा सकता है। एल्गोरिदम में हमारे दिमाग को पढ़ने और हमारे विचारों तथा निर्णयों को आकार देने की क्षमता है- बिना हमें इसके बारे में पता चले। हम अपनी गोपनीयता को त्यागने के इतने आदी हो गए हैं कि धीरे-धीरे ही सही, इसे एक समस्या के रूप में देखना बंद कर देते हैं, खासकर जब हमें बदले में बहुत कुछ मिलता है।

एक और दिक्कत है कि एल्गोरिदम पूरी तरह से अपारदर्शी हैं, एक अभेद्य ब्लैक बॉक्स की तरह। एल्गोरिदम-आधारित प्रक्रियाओं और निर्णयों के संदर्भ में जवाबदेही निर्धारित करना लगभग असंभव है। समस्या यह है कि पक्षपाती लोगों द्वारा सिस्टम में डाले गए पक्षपाती डेटा पक्षपाती एल्गोरिदम की ओर ले जाते हैं, जो बदले में पक्षपाती परिणामों और असमानता की ओर धकेलते हैं। डीपफेक एल्गोरिदम यह जानना असंभव बनाते हैं कि क्या वास्तविक है और क्या नहीं। ऐसा लगता है कि मनुष्य और तकनीक किसी तरह की साझेदारी पर पहुंच गए हैं जहां एल्गोरिदम नियंत्रण में नहीं हैं, बल्कि उन्हें लोगों द्वारा किसी खास मकसद से बनाया और समायोजित किया जाने लगा है। देखना मुश्किल नहीं है कि इस तरह की तकनीक अगर अप्रबंधित छोड़ दी जाए तो कैसी और कितनी समस्याएं पैदा कर सकती है। वर्तमान समय में ऑनलाइन उपयोग किए जाने वाले एल्गोरिदम बहुत कम या बिल्कुल भी विनियामक निरीक्षण के अधीन नहीं हैं।

एल्गोरिदम ऑडिटर होना बहुत जरूरी है जो एल्गोरिदमिक निर्णय लेने की प्रक्रियाओं को विनियमित कर सकें, ताकि हमारी गोपनीयता सुरक्षित रहे और हम भेदभाव, पूर्वाग्रह व किसी भी अन्य संभावित प्रतिकूल परिणामों से सुरक्षित रहें। इन विशेष ऑडिटर को नैतिकता का ठोस ज्ञान होना चाहिए और इस बात की पूरी समझ होनी चाहिए कि एल्गोरिदम हमारे जीवन को कैसे प्रभावित करते हैं। उन्हें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि एल्गोरिदम को समझाया जा सके, जिससे वे नैतिकता और पारदर्शिता की कसौटियों पर खरा उतरें।

साइबरवर्ल्ड

हिंदुत्व के पैरोकार और आजादी

लोगों ने लिखना पढ़ना या तो कम कर दिया है या छोड़ दिया है। सोशल मीडिया और ऑनलाइन कॉन्टेंट की विविधता और अधिकता कुछ लोगों के लिए वरदान है, तो कुछ लोगों के लिए उबाऊ समान। लेकिन इतना तो साफ दिखाई देता है कि आज की जेनरेशन में मुद्दों के पड़ताल की कोशिश में कमी आई है। हिंदुत्व की सियासत आज की सबसे बड़ी सियासी हकीकत है और सबसे बड़ी ताकत भी। जिस सियासी गिरोह के हाथ में ये ताकत होगी, उसी के हाथ में देश की सत्ता होगी। ये आज की हकीकत है। परेशानी ये है कि इस ताकत पर कब्जेदारी की जद्दोजहद तो सभी संसदीय पार्टियां करती हैं, लेकिन हिंदुत्व के एक सियासी ताकत बनने की पूरी प्रक्रिया की पड़ताल करने से अमूमन लोग बचते हैं। आज हिंदुत्व की सियासत के निशाने पर मुसलमान हैं, लेकिन इस सियासत का जन्म चितपावन ब्राह्मणों की सर्वोच्चता की ग्रंथि से होती है, सर्वोच्चता का एक ऐसा मानस जो शूद्रों को न तो अधिकार देने को तैयार है न सम्मान। महाराष्ट्र के एक इलाके में पेशवाओं की एक छोटे से काल की हुकूमत से उपजा सत्ता का मोह इस सियासत की ऊर्जा है। जिन्हें ये जानना है कि हिंदू राष्ट्र अपने चरम अवस्था में कैसा होगा, उन्हें पेशवाओं के राज को जानने और समझने की गंभीर कोशिश करनी चाहिए। विशेष कर शूद्र जातियाँ (दलित, पिछड़ा और आदिवासी) जो दलक जातियों के चरणामृत पीने और पीते रहने को अपना सौभाग्य समझती हैं। हिंदुत्व की सियासत ने हर उस इंसान को निशाने पर लिया, जिसने जातिगत असमानता का विरोध किया। गांधी की हत्या जातिगत असमानता के शास्त्रीय और पारंपरिक रूप को 'कमजोर' करने के कारण हुई थी। इस सियासत के निशाने पर कांग्रेस रही, गांधी रहे और अम्बेडकर भी। आजादी से थोड़ा पहले मुसलमान इस सियासत के निशाने पर आए। हलांकि इन्होंने मुस्लिम कट्टरपंथियों के साथ मिलकर हुकूमत भी की। हिंदुत्व के सियासी पैरोकारों ने आजादी के आंदोलन में कभी भी हिस्सा नहीं लिया और हमेशा ही ब्रिटिश हुकूमत के विश्वासपात्र बने रहने का प्रयास किया।

-**डॉ. सलमान अरशद** की फेसबुक वॉल से

अमृतवाणी

दोष किसका?

संन्यास लेने के बाद गौतम बुद्ध ने अनेक क्षेत्रों की यात्रा की। एक बार वह एक गांव में गए। वहां एक स्त्री उनके पास आई और बोली, 'आप तो किसी राज्य के राजकुमार लगते हैं। क्या मैं जान सकती हूं कि इस युवावस्था में आने ये गेरुआ वस्त्र क्यों धारण किए हुए हैं?' बुद्ध ने विनम्रतापूर्वक उत्तर दिया कि तीन प्रश्नों के हल ढूंढने के लिए उन्होंने संन्यास लिया। यह शरीर जो युवा व आकर्षक है, पर जल्दी ही यह वृद्ध होगा, फिर बीमार व अंत में मृत्यु के मुंह में चला जाएगा। मुझे वृद्धावस्था, बीमारी व मृत्यु के कारण का ज्ञान प्राप्त करना है। यह सुनकर वह स्त्री बुद्ध से इतनी प्रभावित कि उसने उन्हें अपने घर पर भोजन के लिए आमंत्रित किया। शीघ्र ही यह बात पूरे गांव में फैल गई। जगह-जगह इसकी चर्चा होने लगी। सभी ने एकमत से कहा कि बुद्ध के पास जाकर उन्हें स्त्री का न्यौता ठुकराने की बात की जाए। गांववासी बुद्ध के पास आए और आग्रह किया कि वह उस स्त्री के घर भोजन करने न जाएं, क्योंकि वह चरित्रहीन है। बुद्ध ने गांव के मुखिया से पूछा, 'क्या आप भी मानते हैं कि वह स्त्री चरित्रहीन है?' मुखिया ने कहा कि मैं शपथ लेकर कहता हूं कि वह बुरे चरित्र वाली है। आप उसके घर न जाएं।' बुद्ध ने मुखिया का दायां हाथ पकड़ा और उसे ताली बजाने को कहा। मुखिया ने कहा, 'मैं एक हाथ से ताली नहीं बजा सकता, क्योंकि मेरा दूसरा हाथ आपने पकड़ा हुआ है।' बुद्ध बोले, 'इसी प्रकार यह स्वयं चरित्रहीन कैसे हो सकती है, जब तक इस गांव के पुरुष चरित्रहीन न हों। अगर गांव के सभी पुरुष अच्छे होते तो यह औरत ऐसी न होती, इसलिए इसके चरित्र के लिए यहां के पुरुष जिम्मेदार हैं। यह सुनकर सभी लज्जित हो गए। वर्तमान में भी यही हो रहा है। बहुधा अपने स्वार्थ के लिए एक-दूसरे को कई तरह से पथभ्रष्ट किया जा रहा है।

तीखी नजर

बेबाक बोल यानी आत्मघाती गोल

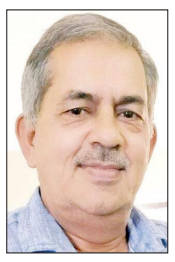

सुधाकर आशावादी

भाषण देना जिनकी आदत होती है, वे बोलते हुए अक्सर यह भूल जाते हैं कि वह साफगोई में अपने ही विरुद्ध बोल रहे हैं तथा राजनीति के मैदान में आत्मघाती गोल कर रहे हैं। ऐसे चरित्रों पर अनेक कहावतें समाज में प्रचलित हैं, जैसे जाके पैर न पड़ी बिवाई, वो का जाने पीर पराई, नमाज माफ कराने गए रोजे गले पड़ गए, जिस डाल पर बैठे, उसी को काटने चले, सर मुंडाते ही ओले पड़े। कुछ कहावतें और भी हैं, जो सिद्ध करती हैं कि बिना विचारे जो करे, सो पाछे पछताए, काम बिगाड़ो आपनो जग में होत हंसाय। यह स्थिति आजकल उन युवराजों की हो रही है, जो अपने गिरेबान में न झांक कर औरों पर वैसे आरोप लगाने में पीछे नही रहते, जैसे आरोपों से वह स्वयं संदेह के घेरे में हैं।

ऐसे बयान वीरों को संत पुरुष अनेक बार समझा भी चुके है, कि बोलने से पहले हजार बार सोचना चाहिए, किंतु राजनीति में संतों की वाणी का क्या मोल। वहां तो वैसी ही वाणी बोलने का चलन है, जिससे लोगों को भ्रमित किया जा सके। यानी अपनी अच्छाई गिनाओ और दूसरों की बुराई। सियासत के बयान वीरों को बिना बिगड़े बोल बोले रोटी हजम नही होती। उनका मानना होता है कि बदनाम भी होंगे तो क्या बुरा है, कुछ नाम तो होगा। एक युवराज अनेक बार बिगड़े बोल बोल कर अपनी फजीहत करा चुके हैं, लिखित में गारंटियां बांटकर गारंटियों पर चुप्पी भी साध चुके हैं, लेकिन क्या मजाल जो कोई उन पर कोई सवाल उठा सके। यदि कोई सवाल उठाता भी है तो युवराज की सेना के कुतर्की वीर सवाल कर्ता के विरुद्ध मोर्चा खोलने के लिए अवतरित हो जाते हैं। युवराज के बचाव में कोई कहता है कि युवराज बहुत भोले हैं, उन्हें राजनीति करनी नहीं आती। वे बच्चे हैं, मन के सच्चे हैं।

वैसे युवराज कुछ ऐसे शब्द भी बोल देते हैं, जिनकी समझ भी उनमें नहीं होती, जिसकी भाव सहित व्याख्या भी वे स्वयं नहीं कर सकते। कुछ दिन पूर्व कहने लगे कि देश कुछ ही हाथों में सिमट कर रह गया है। चंद व्यापारियों के हाथ में पूरी अर्थव्यवस्था है, व्यापारी निरंकुश हैं, व्यवस्था पर वे अपना एकाधिकार बनाए रखना चाहते हैं। बस यही युवराज गच्चा खा गए। यदि अपनी स्थिति का अध्ययन करके चुप रहते, तभी उनके लिए उचित होता, मगर बड़बोलापन अपने गिरेबान में झांकने की शायद अनुमति नही देता। बोल दिया सो बोल दिया। आगे मोर्चा संभालने की बारी युवराज के प्रवक्ताओं की है कि वे युवराज के मन की बात की व्याख्या को किस प्रकार से सही सिद्ध करें। अक्सर ऐसा ही होता है। युवराज भूल गए कि वे मुंह में सोने की चम्मच लेकर विशेष परिवार में पैदा हुए, उसी परिवार की पारिवारिक दुकान के उत्तराधिकारी बने। यदि परिवार का नाम युवराज के साथ न जुड़ा होता, तो वह भी बेरोजगारों की पंक्ति में खड़े होकर एड़ियां घिस रहे होते। जो आरोप उन्होंने व्यापारियों पर लगाया, उस आरोप की परिधि में वह स्वयं आ रहे हैं। शायद इसे ही कहते हैं कि अपने ही गोल पोस्ट में आत्मघाती गोल करना।

चुनौतियों और उपयोगिता, महत्ता की संचार सरकारी

आमिर मोहम्मद
(बैच 2024-25
आई.आई.एम.सी. : छात्र)

और सरकार जो है तंत्र महत्वपूर्ण एक, है जाता कहा भी जनसंचार जिसे संचार सरकारी यहाँ का चर्चा की आयामों विभिन्न इसकी है। करता मजबूत को संबंधों बीच के नागरिकों है । जाता किया उल्लेख से विस्तार की पीछे के निर्णयों और नीतियों, कार्यों सरकारी है अर्थ का पारदर्शिता पारदर्शिता से रूप सार्वजनिक को कार्यों अपने सरकार जब करना । प्रस्तुत से रूप स्पष्ट को प्रक्रिया की बजट, लिए के उदाहरण है। बढ़ता विश्वास में नागरिकों इससे तो है करती साझा हैं करती मदद में समझने यह को नागरिकों रिपोर्ट की व्यय सार्वजनिक और जानकारी है। रहा जा किया कैसे उपयोग का टैक्स उनके कि प्रोत्साहित को भागीदारी की नागरिकों में निर्णयों और नीतियों सरकारी भागीदारी जन व्यक्त राय अपनी को नागरिकों सर्वेक्षण और सुनवाई जन चचाएँ खुली है। महत्वपूर्ण करना प्रभावी अधिक वे और है सकता हो सुधार में नीतियों इससे हैं। करते प्रदान अवसर का करने तो, है करती तैयार मसौदा का कानून नए किसी सरकार जब लिए के उदाहरण हैं। बनती कानून अनुसार के जरूरतों अपनी उन्हें जिससे है सकती मांग सुझाव से नागरिकों वह है मिलता मोका का करने संशोधन सही,समय के संकट स्वास्थ्य या आपदाओं प्राकृतिक जैसे स्थितियों आपात - प्रबंधन संकट निर्देश - दिशा गए किए जारी द्वारा सरकार है। होता आवश्यक देना जानकारी पर समय और 19- कोविड,लिए के उदाहरण हैं। करती मदद में रहने सुरक्षित को नागरिकों चेतावनियाँ और टीकाकरण और जानकारी संबंधी स्वास्थ्य पर समय-समय ने सरकारों दौरान के महामारी किए। प्रदान अपडेट में बारे के कार्यक्रमों लिए के करने लागू से ढंग प्रभावी को कानूनों और नीतियों नई कार्यान्वयन नीति करना सूचित से तरह अच्छी में बारे के प्रक्रिया और प्रकृति उनकी को नागरिकों को अनुपालन बल्कि है बढ़ाता जागरूकता प्रति के कानून केवल न यह है। आवश्यक का नीति किसी कि जाए बताया से रूप स्पष्ट को नागरिकों, यदि है। करता सुनिश्चित भी हैं। दिखाते रुचि अधिक में करने पालन उसका वे तो है उठाना कैसे लाभ है। बढ़ती जवाबदेही की अधिकारियों सरकारी से संचार प्रभावी और नियमित - जवाबदेही अधिकारियों यह तो है करती सूचित को जनता में बारे के गतिविधियों अपनी सरकार जब प्रगति की परियोजनाओं सरकारी, लिए के उदाहरण है। बनाता जिम्मेदार प्रति के कार्यों को है। रहा हो पूरा भीतर के बजट और पर समय कार्य कि है होता सुनिश्चित यह से रिपोर्टिंग की पड़ता करना सामना का चुनौतियों महत्वपूर्ण कई दौरान के संचार को सरकार चुनौतियाँ है। गलत वाली फैलने से तेजी पर प्लेटफार्मों अन्य और मीडिया सोशल सूचना गलत को जानकारी सही और करना नियंत्रित इसे हैं सकते हो भ्रमित नागरिक से जानकारी स्वास्थ्य, लिए के उदाहरण है। चुनौती बड़ी एक लिए के सरकार फैलाना से ढंग प्रभावी हैं सकती पहुँचा हानि को जनता दौरान के महामारी सूचनाएँ गलत संबंधी जिससे है होता जटिल और तकनीकी अक्सर संचार सरकारी जटिलता की जानकारी प्रक्रियाओं और नियमों जटिल है। जाता हो मुश्किल समझना उसे लिए के नागरिकों आम का भाषा सरल में संचार यदि है। आवश्यक करना प्रस्तुत से तरीके स्पष्ट और सरल को होगा। प्रभावी अधिक यह तो जाए किया प्रयोग का कमी की संसाधनों मानव और बजट संस्थाएँ सरकारी कई सीमाएँ की संसाधनों के संसाधनों सीमित हैं। सकती कर प्रभावित को प्रयासों संचार उनके जो, हैं करती सामना जिससे, है सकता पड़ करना सीमित को अभियानों संचार अपने को सरकार कारण पाती। पहुँच नहीं पर समय जानकारी महत्वपूर्ण पृष्ठभूमियों आर्थिक-सामाजिक और संस्कृतियों, भाषाओं विभिन्न जनसांख्यिकी विविध लिए के वर्गों सभी को संचार है। चुनौतीपूर्ण बनाना पहुँच से ढंग प्रभावी तक नागरिकों के रहने में क्षेत्रों के दूरदराज से रूप विशेष है। आवश्यक बनाना योग्य पहुंचने और समावेशी है। महत्वपूर्ण करना संचार में भाषाओं स्थानीय, हुए रखते में ध्यान को लोगों वाले की संचार तो है होता गहरा विभाजन राजनीतिक में समाज जब ध्रुवीकरण राजनीतिक सकता गहरा का अभाव भरोसे बीच के नागरिकों इससे हैं । उठते सवाल पर विश्वसनीयता को सरकार में स्थिति ऐसी है। सकता हो पैदा अविश्वास प्रति के नीतियों सरकारी और है है। आवश्यक करना सुनिश्चित निष्पक्षता और करना स्थापित संवाद साथ के पक्षों सभी पहुँच समान तक संसाधनों तकनीकी नवीनतम को नागरिकों सभी - बाधाएँ में प्रौद्योगिकी वृद्ध से रूप विशेष, है जाती हो कम प्रभावशीलता की संचार डिजिटल इससे होती। नहीं ,पत्र समाचार जैसे माध्यमों संचार पारंपरिक, इसलिए में वर्गों आर्थिक निम्न और जनसंख्या है। महत्वपूर्ण भी उपयोग का टीवी और रेडियो बढ़ाने को संतोष और विश्वास, भागीदारी की नागरिकों प्रभावशीलता की संचार सरकारी पत्र भी ने सरकार भारत हुए समझते को महत्ता इसकी है। निभाती भूमिका महत्वपूर्ण योजनाओं सरकारी से माध्यम के (है एजेंसी नोडल प्रभावी एक कि जो) कार्यालय सूचना इसके है। रखा कर नियुक्त ऑफि सर अपने में मंत्रालय हर लिए के पहुंचाने तक जन-जन को सरकार तक मानस जन और है रहा कर कार्य में दिशा सही तंत्र पूरा एक का सरकार लिए रहा फैला से माध्यम के जनसंचार को कार्यक्रमों तथा स्कीमों योजनाओं की प्रकार हर की की लोकतंत्र समावेशी और मजबूत एक हम कि हैं सकते कह से विश्वास पुरे यह हम है। हैं। बने साक्षी के युग के क्रांति की सुचना और, हैं रहे बढ़ आगे लगातार में दिशा।

सार संक्षेप

चोटिल पेजेला अर्जेंटीना की विश्वकप क्वालीफायर टीम से हुए बाहर

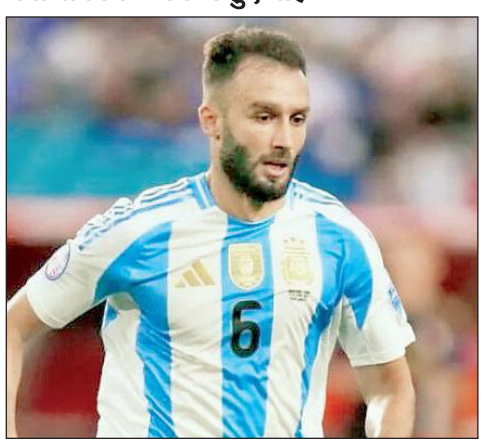

ब्यूनस आयर्स : अर्जेंटीना के सेंट्रल डिफेंडर जर्मन पेलेजा को चोट के कारण पैराग्वे और पेरू के साथ होने वाले फीफा विश्वकप क्वालीफायर मुकाबलों के लिए टीम से बाहर कर दिया गया है। अर्जेंटीना फुटबॉल एसोसिएशन (एएफए) ने सोमवार को बताया कि 33 वर्षीय पेजेला को खेल के दौरान पिंडली की मांसपेशियों में खिंचाव हुआ और वह 2024 के एल्बीसेलेस्टे के आखिरी दो मैचों के लिए समय पर ठीक नहीं हो पाए थे। एएफए ने अभी तक उनकी जगह किसी दूसरे खिलाड़ी के नाम की घोषणा नहीं की हैं। अर्जेंटीना गुरुवार को असुनसियन में पैराग्वे से और उसके पांच दिन बाद ब्यूनस आयर्स में पेरू से मुकाबला करेगा।

चिली ने विश्वकप क्वालीफायर के लिए विडाल को टीम में वापस बुलाया

सैंटियागो (चिली) : अनुभवी मिडफील्डर आर्टुरो विडाल को पेरू और वेनेजुएला के खिलाफ होने वाले फीफा विश्वकप क्वालीफायर के लिए चिली ने टीम में वापस बुलाया है। चिली फुटबॉल फेडरेशन ने यह जानकारी दी। फेडरेशन ने बताया कि 37 वर्षीय आर्टुरो विडाल चोटिल विलियम्स अलारकोन की जगह लेंगे। 142 अंतरराष्ट्रीय मैच खेल चुके विडाल ने पिछले साल सितंबर से रोजा के लिए नहीं खेला है और टीम के खराब प्रदर्शन के बीच चिली के मैनेजर रिकार्डो गारेका की मुखर आलोचना करते रहे हैं। चिली शुक्रवार को लीमा में पेरू से और चार दिन बाद सैंटियागो में वेनेजुएला से भिड़ेगी।

चोटिल फर्ग्यूसन श्रीलंका के खिलाफ वनडे सीरीज से हुए बाहर

दांबुला : न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज लॉकी फर्ग्यूसन पिछले टी-20 मैच में पिंडली में लगी चोट के कारण श्रीलंका के खिलाफ होने वाली तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज से बाहर हो गए है और उनकी जगह टीम में एडम मिल्ने को बुलाया गया हैं। न्यूजीलैंड (एनजेडसी) ने बताया कि चोटिल फर्ग्यूसन रिकवरी के लिए स्वदेश लौटेंगे। उन्होंने कहा कि रविवार को श्रीलंका के खिलाफ टी-20 मुकाबले में लक्ष्य का पीछा करते हुए अपना दूसरा ओवर फेंकते समय फर्ग्सूसन कुछ असहजता महसूस कर रहे थे। इसके बाद उन्हें मैदान से बाहर जाना पड़ा था। चोट का पता लगाने के लिए उन्हें स्कैन से गुजरना होगा। फर्ग्यूसन की जगह टीम में एडम मिल्ने को बुलाया गया और वे आज दांबुला पहुंचेंगे। न्यूजीलैंड के मुख्य कोच गैरी स्टीड ने कहा कि हम लॉकी के लिए दुखी हैं। उसने केवल दो ओवरों में दिखा दिया कि वह गेंद के साथ कितना बेहतरीन है और महत्वपूर्ण एकदिवसीय सीरीज में उनकी कमी खलेगी।

राष्ट्रीय फिन स्वीमिंग चैंपियनशिप के लिए उत्तर प्रदेश टीम घोषित

लखनऊ : दिल्ली में होने वाली राष्ट्रीय फिन स्वीमिंग चैंपियनशिप-2024 के लिये उत्तर प्रदेश की 46 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी गयी है। टीम मंगलवार रात नई दिल्ली के लिए रवाना हो गयी। टीम की रवानगी से केडी सिंह बाबू स्टेडियम में विदाई समारोह में उत्तर प्रदेश ओलंपिक संघ के महासचिव डा.आनन्देश्वर पाण्डेय (मुख्य संरक्षक, उत्तर प्रदेश अंडरवाटर स्पोर्ट्स एवं फिन स्वीमिंग एसोसिएशन) ने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि पिछली बार हुई चैंपियनशिप में जो आपने शानदार प्रदर्शन किया था और इस बार भी चैंपियनशिप की तैयारियों के लिए आपने कड़ी मेहनत की है। इसको देखते हुए मुझे पूरा विश्वास है कि आप इस बार भी दमदार प्रदर्शन का सिलसिला जारी रखेंगे।

भारतीय युवा टीम पर बढ़ा जीत का दबाव

तीसरा टी-20 आज, भारत को सीरीज जीतने के लिए दोनों टी-20 मैचों में जीत दर्ज करनी होगी

● सेंचुरियन,

भारतीय टीम आज सुपरस्पोर्ट पार्क में तीसरे टी-20 मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ जीत दर्ज कर सीरीज में मेजबान टीम पर मनोवैज्ञानिक बढ़त ले इरादे से उतरेगी।

भारत को अगर इस सीरीज में जीत हासिल करनी है तो उसे दृढ़ संकल्प के साथ इस मैच में जीत हासिल कर अपनी बढ़त को 2-1 करना होगा। तब उसके पास सीरीज जीतने का अवसर होगा। वहीं दक्षिण अफ्रीका पिछले मुकाबले में भारत पर मिली तीन विकेट की जीत के सिलसिले को बरकरार रखने मैदान में पर उतरेगा। इसके साथ-साथ दोनों टीमें मौसम पर भी नजरें बनाए हुए होंगी। मौसम विभाग जोहान्सबर्ग में बारिश की आशंका जताई है। ऐसा माना जा रहा भारत तीसरे टी-20 मैच के लिए बल्लेबाजी और गेंदबाजी में बदलाव कर सकता है।

अभिषेक शर्मा की जगह ऑलराउंडर रमनदीप सिंह को मौका मिल सकता है। तो वही गेंदबाजी में आवेश खान की जगह यश दयाल को एकादश में जगह मिल सकती है। दक्षिण अफ्रीका की हालिया जीत में ट्रिस्टन स्टब्स ने एक बार फिर अहम भूमिका के साथ टेस्ट फॉर्म को बरकरार रखते हुए 47 रन की नाबाद पारी खेलकर अपनी टीम को जीत दिलाई। स्टब्स ने ऐसे समय दक्षिण अफ्रीकी टीम को स्थिरता प्रदान की थी जब अन्य बल्लेबाज इस श्रृंखला में लय हासिल करने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। सुपरस्पोर्ट पार्क की पिच आम तौर पर बल्लेबाजों के अनुकूल मानी जाती है ऐसे में भारत की ओर से तीसरे मैच में एक बार फिर संजू सैमसन के शानदार प्रदर्शन पर नजर होगी। दोनों टीमों अपनी-अपनी जीत के दावे कर रही हैं। इस मैच में जीत हासिल करने वाली टीम श्रृंखला में परिणाम ला सकेगी। संभावित भारतीय टीमः- सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन (विकेट कीपर), रिंकू सिंह, तिलक वर्मा, जितेश शर्मा (विकेट कीपर), हार्दिक पांड्या, अक्षर पटेल, रमनदीप सिंह, वरुण चक्रवर्ती, रवि बिश्नोई, अर्शदीप सिंह, विजयकुमार व्यशाक, आवेश खान और यश दयाल। संभावित दक्षिण अफ्रीका टीमः- एडन मार्कराम (कप्तान), ओटनील बार्टमैन, गेराल्ड कोएत्जी, डोनोवन फरेरा, रीजा हेंड्रिक्स, मार्को जानसन, हेनरिक क्लासेन, पैट्रिक क्रूगर, केशव महाराज, डेविड मिलर, मिहलाली मपोंगवाना, नकाबा पीटर, रयान रिकेलटन, एंडिल सिमलेन, लूथो सिपामला (तीसरा और चौथा टी-20) और ट्रिस्टन स्टब्स।

चोटिल हसरंगा एकदिवसीय सीरीज से बाहर

दांबुला, वार्ता : श्रीलंका के लेग स्पिनर वानिंदु हसरंगा हैमस्ट्रिंग चोट के कारण न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज से बाहर हो गए हैं। श्रीलंका क्रिकेट (एसएलसी) ने बताया कि चोटिल हसरंगा एकदिवसीय सीरीज से बाहर हो गये है और उनके स्थान पर दुशान हेमंथा को आगामी सीरीज के लिए टीम में शामिल किया हैं। हसरंगा को रविवार को दांबुला में न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे टी-20 मैच के दौरान गेंदबाजी करते समय चोट लग गई। 27 वर्षीय हसरंगा ने दो टी-20 मैचों में छह विकेट लिए थे। रविवार को हुए मैच में उन्होंने चार विकेट लिए और उन्हें प्लेयर ऑफ द सीरीज चुना गया। मैच के बाद हसरंगा ने अपनी चोट के बारे में बताया था। अगस्त में भारत के खिलाफ घरेलू सीरीज के दौरान भी उन्हें इसी तरह की हैमस्ट्रिंग में खिंचाव आया था।

रणजी ट्रॉफी के अगले मैच में खेलेंगे शमी

नई दिल्ली, वार्ता : भारत के तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी करीब एक साल बाद बुधवार को शुरु हो रहे रणजी ट्रॉफी के मुकाबले में मध्यप्रदेश के खिलाफ मैदान पर वापसी करेंगे। शमी को आज से शुरू होने वाले रणजी ट्रॉफी के अगले मैच के लिए बंगाल की टीम में शामिल किया गया है। बंगाल की टीम इंदौर में मध्य प्रदेश से भिड़ेगी। अगर वह बुधवार से शुरू होने वाले रणजी मैच के बाद और अधिक घरेलू मैच खेलते है तो उन्हें 23 नवंबर से शुरू होने वाली 20 ओवर की सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में खेल सकेंगे, जो कि इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की मेगा नीलामी से एक दिन पहले शुरु हो रही है। ऐसा माना जा रहा है कि शमी आगामी चार दिवसीय मैच में अपनी फिटनेस साबित कर देते हैं तो उन्हें भारत की टेस्ट टीम में शामिल किया जा सकता हैं।

चैंपियंस ट्रॉफी को लेकर लिखित स्पष्टीकरण दें बीसीसीआई : पीसीबी

● लाहौर,

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने चैंपियंस ट्रॉफी के संबंध में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) को पत्र लिखकर भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) से लिखित में स्पष्टीकरण मुहैया कराने की मांग की है।

पीसीबी ने आईसीसी से कहा है कि वह लिखित में बीसीसीआई से यह जवाब मांगे कि वह पाकिस्तान में चैंपियंस ट्रॉफी नहीं खेलना चाहती है और इसके साथ ही बीसीसीआई पाकिस्तान में चैंपियंस ट्रॉफी ना खेलने का कारण भी बताए। शुक्रवार को आईसीसी ने पीसीबी को बताया था कि भारत की सरकार ने बीसीसीआई को पाकिस्तान में चैंपियंस ट्रॉफी खेलने की अनुमति नहीं दी है। आईसीसी ने यह सूचना टूर्नामेंट शुरू होने से 100 दिन पहले लाहौर में आयोजित होने वाले टूर्नामेंट की उलटी गिनती से संबंधित लॉन्च कार्यक्रम के तीन दिन पहले दी थी। ऐसे में टूर्नामेंट को लेकर असमंजस की स्थिति देखते हुए इस कार्यक्रम को भी स्थगित कर दिया गया है। वर्तमान समय में पीसीबी अपने रुख पर कायम है और वह चाहती है कि पूरे टूर्नामेंट का आयोजन पाकिस्तान में ही हो। पीसीबी के एक वरिष्ठ

पदाधिकारी ने बताया कि हाइब्रिड मॉडल पर विचार करने का सवाल ही पैदा नहीं होता। एशिया कप 2023 का आयोजन इस मॉडल पर हो चुका है। इस स्थिति में संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) का दूसरे वेन्यू के रूप में उपयोग किए जाने की अटकलें हैं लेकिन पीसीबी ने इसे खारिज कर दिया है। आठ टीमों वाला यह टूर्नामेंट 19 फरवरी से नौ मार्च तक लाहौर, कराची और रावलपिंडी में खेला जाना है। पीसीबी के इस रुख के साथ ही इस बात का एहसास भी अब धीरे धीरे बढ़ रहा है कि चैंपियंस ट्रॉफी के आयोजन के मामले में अब स्वयं पाकिस्तान की सरकार शामिल हो गई है और इस संबंध में अंतिम निर्णय अब पीसीबी के हाथ में नहीं है। पीसीबी अपने पीछे हटने को तैयार नहीं है।

पहले राउंड में हारीं त्रिशा-गायत्री की जोड़ी

ह्सू यिन हुई लिन, झिह युन की जोड़ी से 16-21, 16-21 से हार मिली

● नई दिल्ली,

राष्ट्रमंडल खेलों के कांस्य पदक विजेता त्रिशा जॉली-गायत्री गोपीचंद की जोड़ी मंगलवार को कुमामोटो मास्टर्स जापान टूर्नामेंट के महिला युगल के राउंड ऑफ 32 में हार का सामना करना पड़ा।

36 मिनट तक चले मुकाबले में बैडमिंटन रैंकिंग में 20वें स्थान पर मौजूद भारतीय जोड़ी को 29वें नंबर की चीनी ताइपे की जोड़ी ह्सू यिन-हुई-लिन झिह युन से सीधे गेम में 16-21, 16-21 से हार मिली। बीडब्ल्यूएफ सुपर 500 टूर्नामेंट में महिला युगल में त्रिशा-गायत्री की जोड़ी की हार के साथ महिला युगल में भारत का अभियान समाप्त हो गया। चीनी ताइपे की जोड़ी ने गेम में 7-4 की बढ़त हासिल की। इसके बाद भारतीय बैडमिंटन जोड़ी ने पहले गेम में ह्सू यिन-हुई-लिन झिह युन को कड़ी

टक्कर देने का प्रयास किया, लेकिन चीनी ताइपे की जोड़ी ने अपनी बढ़त को बरकरार रखते हुए 21-16 से पहला गेम अपने नाम कर लिया। दूसरे गेम में भी चीनी ताइपे की जोड़ी ने शुरुआती बढ़त बनाए रखते हुए स्कोर 12-7 कर दिया। त्रिशा और गायत्री ने सराहनीय प्रदर्शन करते हुए गेम में वापसी की और मैच को तीसरे गेम तक पहुंचाने की पूरी कोशिश की, लेकिन कोशिशों के बावजूद वे दूसरा गेम जीतने में कामयाब नहीं हो सके और ह्सू यिन-हुई/लिन झिह युन ने दूसरा गेम भी 21-16 से जीत कर मैच को अपने नाम कर लिया। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु और पेरिस 2024 के सेमीफाइनलिस्ट लक्ष्य सेन आज प्रतिस्पर्धा करेंगे। सिंधु महिला एकल के पहले राउंड में पीवी का सामना आठवीं वरीयता प्राप्त थाईलैंड की बुसानन ओंगबामरुंगफान से होगा, जबकि पुरुष एकल में बैडमिंटन रैंकिंग में 17वें स्थान पर काबिज लक्ष्य का सामना मलेशिया के लियोंग जून हाओ से होगा।

केर-नोमान बने आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ

टी-20 विश्वकप में न्यूजीलैंड की ऑलराउंडर अमेलिया केर ने शानदार प्रदर्शन किया था

● दुबई,

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने मंगलवार को अक्टूबर 2024 के लिए न्यूजीलैंड की ऑलराउंडर महिला खिलाड़ी अमेलिया केर और पाकिस्तान के पुरुष गेंदबाज नेमान अली को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए 'आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ' से नवाजा है।

टी-20 विश्वकप में न्यूजीलैंड की ऑलराउंडर अमेलिया केर ने शानदार प्रदर्शन कर अपनी टीम को जीत दिलाने में अहम योगदान दिया था। इसके लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट से नवाजा गया था। उन्होंने छह मैचों में 15 विकेट लिए थे। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 29 रन बनाए और चार विकेट लिए। वहीं श्रीलंका के खिलाफ 34 रन बनाने के साथ ही दो विकेट चटकाए। पाकिस्तान के खिलाफ 14 रन देकर तीन विकेट लिए। वेस्टइंडीज के खिलाफ सेमीफाइनल मैच में 14 रन देकर दो विकेट झटके थे। केर ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ फाइनल में 38 गेंदों पर 43रन बनाये थे और वह टीम की शीर्ष स्कोरर रहीं थी। इसके साथ ही उन्होंने 24 रन देकर तीन विकेट लिए। उसके बाद अहमदाबाद में भारतीय के खिलाफ एकदिवसीय श्रृंखला में चार विकेट लिया। नोमान अली ने अक्टूबर में इंग्लैंड के खिलाफ तीन टेस्ट मैचों की सीरीज में 20 विकेट लिए। उन्होंने तीन टेस्ट मैचों की सीरीज में 1-0 से पिछड़ रहे पाकिस्तान

को बाकी के दो मैचों में जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने दूसरे टेस्ट में पहली पारी में 101 रन देकर तीन विकेट चटकाए थे। वहीं दूसरी पारी में 46 रन देकर आठ विकेट लिए। उन्होंने तीसरे टेस्ट में पहली पारी में 88 रन देकर तीन विकेट लिए। दूसरी पारी में 42 रन देकर छह विकेट झटके थे। इसके साथ ही उन्होंने दूसरे टेस्ट की पहली पारी में 45 रन भी बनाए। केर और नोमान ने आईसीसी डैसक्रिकेटडॉटकॉम पर पंजीकृत वैश्विक प्रशंसकों और आईसीसी हॉल ऑफ फेमर्स, पूर्व अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों और मीडिया प्रतिनिधियों के एक विशेषज्ञ पैनल के बीच किए गए वोट के बाद जीत हासिल की। केर ने महिला टी-20 विश्वकप की साथी स्टार डिएंड्रा डॉटिन और लॉरा वोल्वार्ट्ड को हराकर अक्टूबर का पुरस्कार जीता। वहीं नोमान पिछले महीने आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप प्रतियोगिता में अन्य जगहों पर बेहतरीन विकेट लेने वाले कैगिसो रबाडा और मिशेल सेंटनर को हराकर पुरुष वर्ग में विजेता बने। महिला खिलाड़ी ऑफ द मंथ का पुरस्कार मिलने पर केर ने कहा कि यह पुरस्कार प्राप्त करना मेरे लिए सम्मान की बात है क्योंकि दुनिया भर में बहुत से विश्व स्तरीय क्रिकेटर हैं जो इसके हकदार हैं। उन्होंने कहा कि मेरे लिए यह विश्वकप जीत के साथ एक विशेष महीना है और यह मेरे लिए, टीम, कोचों, न्यूजीलैंड और मेरे परिवार के लिए बहुत मायने रखता है। इन लोगों के बिना मैं वह नहीं कर पाती जो मैं कर रही हूं। नोमान अली ने कहा कि आईसीसी पुरुष खिलाड़ी महीने के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुने जाने पर मुझे खुशी है और मैं अपने सभी साथियों का बहुत आभारी हूं जिन्होंने मुझे अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने में मदद की ताकि पाकिस्तान को इंग्लैंड के खिलाफ ऐतिहासिक घरेलू टेस्ट श्रृंखला जीतने में मदद मिल सके। उन्होंने कहा कि अपने देश के लिए ऐसी यादगार जीत का हिस्सा बनना हमेशा रोमांचक होता है।

जयपुर ने बेंगलुरू बुल्स को 7 अंक से हराकर चौथी जीत दर्ज की

● नोएडा,

रेड मशीन अर्जुन देसवाल (19) के सीजन के चौथे सुपर-10 और डिफेंस में लकी शर्मा (6) के शानदार प्रदर्शन की बदौलत जयपुर पिंक पैंथर्स ने नोएडा इंडोर स्टेडियम में मंगलवार को खेले गए प्रो कबड्डी लीग के 11वे सीजन के 49वें मैच में बेंगलुरू बुल्स को 39-32 के अंतर से हरा दिया। इस जीत ने जयपुर को अंक तालिका में नौवें से छठे स्थान पर पहुंचा दिया है।

बुल्स को नौ मैचों में सातवीं हार मिली है। उसके लिए अजिंक्य पवार (9) ने सराहनीय खेल दिखाया। जतिन ने पांच अंक लिए जबकि छह मिनट पहले मैट पर आए जयभगवान ने सुपर रेड के साथ मैच में रोमांच लाने की कोशिश की लेकिन वे जयपुर को आठ मैचों में चौथी जीत से नहीं रोक सके। बुल्स ने शानदार शुरुआत करते हुए केवल आठ मिनट में जयपुर को आलआउट कर 11-6 की लीड ले ली लेकिन जयपुर ने 10 मिनट की समाप्ति तक स्कोर 9-12 करते हुए वापसी के संकेत दिए। बुल्स के लिए जहां जतिन (4) और अजिंक्य (4) कमाल कर रहे थे वहीं हमेशा की तरह जयपुर को मैच में बनाए रखने की जिम्मेदारी

अर्जुन देसवाल (7) ने ली हुई थी। पिछले पांच मिनट में दोनों टीमों को सात-सात अंक मिले और इस लिहाज से आलआउट के बाद मुकाबला बराबरी की ओर अग्रसर था। इस बीच नीरज पांच के डिफेंस में डू ओर डाई रेड पर आए और अंक लेकर लौटे। स्कोर 10-12 हो गया था लेकिन अजिंक्य ने फासला फिर 3 का कर दिया। देसवाल लगातार अंक ले रहे थे और यही कारण था कि फासला 1 अंक का रह गया था। फिर डिफेंस ने अजिंक्य को लपक स्कोर बराबर कर दिया। अब बुल्स पर आलआउट का खतरा था लेकिन प्रतीक ने देसवाल को सुपर टैकल कर फासला फिर 2 का कर दिया।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक सैयद ज़की हैदर के लिए इरानीयन आर्ट प्रिंटर्स 1534 कासिमजान स्ट्रीट दरियागंज नई दिल्ली 11006 से मुद्रित कराकर, 2684 गली काले खां कूचा चलान दरियागंज नई दिल्ली 02 से प्रकाशित किया।
संपादक : सैयद ज़की हैदर- हैड ऑफिस :- एफ19/4 सेकेंड फ्लोर नफीश रोड जामिया नगर दिल्ली- 110025., सम्पर्क सूत्र :- 9911371802, 9810383593
जितेन्द्र कुमार बिस्वाल ब्यूरो चीफ उड़ीसा/ गोविंद कनोडिया/ पटना/ सैय्यद यूसुफ अली नक़वी-पॉलिटिकल एडिटर। ई-मेलः- dailyloktantra@gmail.com

किसी भी प्रकार के विवाद हेतु निपटारे के लिए केवल दिल्ली न्यायालय ही मान्य होगी।
नोट- किसी भी समाचार/आलेख पर दावा प्रति दावा/आपत्ति समाचार प्रकाशन के 15 दिनों के अन्तराल तक ही मान्य होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित आलेख से संपादक/प्रकाशक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

क्षेत्रीय कार्यालय अनवार मंजिल नया टोला गंज नंबर 01 बेतिया/ बिहार/ पिन नंबर 84 5438/>> संवाददाता, सना खान/(डॉ. अमानुल हक) स्थानीय संपादक/बिहार)